{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 05 दिसम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 73
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	85,265.32
निफ्टी	-	26,033.75
सोना	-	1,29,660
चांदी	-	1,91,000
डॉलर	-	89.93

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

इंडिगो के विमान में बम की धमकी

अहमदाबाद। सऊदी अरब के मदीना से भारत के हैदराबाद आ रही इंडिगो की फ्लाइ 6ई-058 की अहमदाबाद में आपात लैंडिंग कराई गई है। हवाई अड्डों के सूत्रों के मुताबिक, विमान में बम की धमकी दी गई थी। इस विमान में 180 यात्री और छह क्रू के सदस्य सवार हैं। दो दिन पहले कुवैत से हैदराबाद आ रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट को भी बम की धमकी दी गई थी। इसके बाद विमान को मुंबई डायवर्ट कर दिया गया था। यह धमकी हैदराबाद एयरपोर्ट को एक ईमेल के जरिए दी गई। इसमें कहा गया कि विमान पर एक मानव बम सवार है। हालांकि, विमान की बाद में मुंबई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई और यात्रियों को उतारकर विमान की जांच की गई, जिसमें बम होने की बात कोरी अफवाह साबित हुई।

राजस्थान पुलिस के 1000 जवान मप्र पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनिंग करने आ रहे

भोपाल। राजस्थान पुलिस के 1000 जवान अब मप्र के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में कदमताल करने वाले है। राजस्थान सरकार ने नवआरक्षकों को मप्र में ट्रेनिंग दिलाने का फैसला किया है। वहां ट्रेनिंग सेंटरों में क्षमता से ज्यादा भर्ती होने के कारण जवानों को मप्र में ट्रेनिंग के लिए भेज रहा है। इस पर दोनों राज्यों में बात हो चुकी है। प्रशिक्षण एडीजी राजाबाबू सिंह ने बताया, जवानों को ग्वालियर में पुलिस ट्रेनिंग सेंटर तिघरा में प्रशिक्षण दिया जाएगा। फरवरी से जवानों को 9 माह तक ट्रेनिंग दी जाएगी। बुनियादी पुलिसिंग, मॉडर्न तकनीक, साइबर, फिजिकल फिटनेस, नए आपराधिक कानून सहित तमाम बारीकियां सिखाई जाएगी। हाल ही में मप्र पुलिस ने साइबर के दो नए पाठ्यक्रम भी प्रशिक्षण में जोड़े हैं। इसका फायदा राजस्थान के जवानों को मिलेगा। हर जवान की ट्रेनिंग पर सवा लाख रुपए खर्च का अनुमान। यह पूरा खर्चा राजस्थान सरकार करेगी। यानी, ट्रेनिंग के लिए 11.50 करोड़ का भुगतान किया जाएगा।

राहुल गांधी की नागरिकता को दाखिल परिवाद पर सुनवाई आज

रायबरेली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर रायबरेली की एमपी-एमएलए कोर्ट में दाखिल परिवाद पर कल कोर्ट सुनवाई करेगा। बेंगलुरु के रहने वाले भाजपा नेता एस. विग्नेश शिशिर ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता विंदेश्वरी पांडेय के माध्यम से बुधवार को प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर कोर्ट ने शहर कोतवाली पुलिस से प्रकरण की रिपोर्ट तलब की है।

कुछ ना कहना

एमएमसी जोन में नक्सलियों का आखिरी किलेदार रामधेर कौन ? अब सरेंडर या मौत, बोलीं- आईपीएस अंकिता शर्मा

आईपीएस अंकिता शर्मा ने कहा कि रामधेर और उसके कैडर जल्द समर्पण कर दें ताकि इलाके में शांति स्थापित हो

महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ जोन में अब सुरक्षा बलों की निगाह प्रमुख सीसी मेंबर रामधेर पर है, जो जंगलों में छिपा हुआ है

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़ । राजनांदगाव । बालाघाट

राजनांदगाव की एसपी अंकिता शर्मा ने सीधे सीधे जोन कमाँडर रामधेर से कहा है कि रामधेर और उसके कैडर जल्दी समर्पण कर दें ताकि इलाके में शांति बहाल हो। उन्होंने यह भी बताया कि रामधेर सीमावर्ति इलाकों में ही सक्रिय है और छुपा हुआ है।

महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) जोन में नक्सलियों की कमर टूटने के बाद अब पुलिस बल का फोकस प्रतिबंधित संगठन के सक्रिय सीसी मेंबर रामधेर पर है. दरअसल, बीते दिनों दर्रेकसा दलम के अनंत उर्फ ??विनोद सय्यना समेत 11 नक्सलियों ने पूर्वी महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में पुलिस के सामने हथियार डाल दिए, जिसके बाद यह दलम पूरी तरह नेतृत्वविहीन हो चुका है।

एमएमसी जोन में सक्रिय माओवादी गतिविधियां लगभग ठप

इस सरेंडर के बाद जोन में सक्रिय माओवादी गतिविधियां लगभग ठप हो गई हैं, लेकिन रामधेर अभी भी अपने कुछ कैडरों के साथ जंगलों में छिपा हुआ बताया जा रहा है. सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार उसके सामने अब दो ही रास्ते समर्पण या मौत बचे हैं.

बोरतलाव, खैरागढ़ और आसपास क्षेत्रों में छिपने की कोशिश में है रामधेर

एमएमसी जोन का ज्यादातर सक्रिय इलाका छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में आता है. यहां लंबे समय से नक्सली संगठन का संचालन रामधेर और उसकी कमेटी के निर्देश पर होता था. उसके कैडर लगातार जंगल बदलते हुए बोरतलाव, खैरागढ़ और आसपास क्षेत्रों में छिपने की कोशिश कर रहे हैं. फोर्स ने इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सर्चिंग अभियान तेज कर दिया है।

राजनांदगांव की एसपी अंकिता शर्मा

राजनांदगांव की एसपी अंकिता शर्मा ने पुष्टि की है कि दर्रेकसा दलम के इंचार्ज रामधेर से कई दिनों से संपर्क नहीं हो सका है. वहीं दलम के प्रमुख सदस्य विकास सहित कई माओवादी पहले ही महाराष्ट्र में सरेंडर कर चुके हैं. इनके बयान से यह स्पष्ट हुआ है कि जॉन में बचा सबसे बड़ा नेतृत्व रामधेर ही है, जो अभी 'दो माइंड' की स्थिति में है क्या वह हथियार छोड़े या जंगल में संघर्ष जारी रखे।

एसपी आईपीएस अंकिता शर्मा ने अपील की है कि रामधेर और उसके कैडर जल्द समर्पण कर दें, ताकि इलाके में स्थायी शांति स्थापित हो सके. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया है. इस दिशा में सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं. अगर रामधेर भी सरेंडर कर देता है, तो एमएमसी जोन पूरी तरह समाप्त घोषित किया जा सकता है।

फिलहाल फोर्स अन्य राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर जंगलों में सघन सर्चिंग ऑपरेशन चला रही है. सुरक्षा एजेंसियां मान रही हैं कि यह नक्सलियों के सफाए की निर्णायक घड़ी है और रामधेर का सरेंडर इस जॉन में माओवादी ढांचे का अंत साबित होगा।

इन नक्सलियों ने किया था सरेंडर

पिछले दिनों सरेंडर करने वाले कैडरों की पहचान तेलंगाना के करीमनगर जिले के रहने वाले विनोद सय्यान (40), पांडु पुसु वड्डे (35), रानी उर्फ रामे येसु नरोटे (30), संतू उर्फ तिजाउराम धरमसहाय पोरेटी (35), शेवंती रायसिंह पंद्रे (32), काशीराम राज्य बंतुला (62), नक्के सुकलू कारा (55), सन्नू मुडियाम (27), सदु पुलाई सोत्ती (30), शीला चमरू माडवी (40) और रितु भीमा डोडी (20) के रूप में हुई है।

इससे पहले नक्सलियों ने सरेंडर के लिए मांगा फरवरी तक का वक्त, 'लेडी सिंघम' बोलीं,- 'इतने दिन नहीं रुकेंगे हम'

एमएमसी जोन की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए राजनांदगांव एसपी ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान फरवरी तक नहीं रोक सकते हैं. एसपी ने आगे कहा, अभियान और तेज किया जा रहा है, हम नक्सलियों से अपील करते हैं कि वह सरेंडर करें और सरकार के पुनर्वास नीति का लाभ लें।

एमएमसी जोन अपील - नक्सलियों के खिलाफ जारी अभियान के बीच माओवादी संगठन के महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ जोन (एमएमसी जोन) ने एक पत्र में सरकार से अपील करके सरेंडर करने के लिए फरवरी तक का वक्त मांगा है. एमएमसी जोन के प्रवक्ता अनंत की अपील पर राजनांदगांव एसपी ने टका सा जवाब देते हुए कहा कि फोर्स फरवरी तक नहीं रूकेगी।

एमएमसी जोन की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए राजनांदगांव एसपी ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान फरवरी तक नहीं रोक सकते हैं. एसपी ने आगे कहा, अभियान और तेज किया जा रहा है, हम नक्सलियों से अपील करते हैं कि वह सरेंडर करें और सरकार के पुनर्वास नीति का लाभ लें।

हिड़मा के एनकाउंटर के बाद सुरक्षा बलों ने अभियान को और तेज किया है

गौरतलब है माओवादी संगठन के एमएमसी जोन प्रवक्ता द्वारा जारी किया गया पत्र ऐसे समय आया है जब सुरक्षाबलों ने नक्सलियों से सबसे खूंखार नक्सल कमांडर माड़वी हिड़मा को मार गिराया है. नक्सली कमांडर हिड़मा के एनकाउंटर के बाद सुरक्षा बलों ने अभियान को और तेज किया है, जिससे लगातार नक्सलियों के सरेंडर की गति तेज हुई है।

एसपी ने कहा कि फरवरी तक का टाइम ज्यादा लंबा समय हो जाएगा

एमएमसी जोन प्रवक्ता के पत्र का जवाब देते हुए राजनांदगांव एसपी अंकिता शर्मा ने कहा कि फरवरी तक का टाइम ज्यादा लंबा समय हो जाएगा और हम तब तक नहीं रुक सकते है, इसलिए हम नक्सलियों से अपील करते हैं कि वो आगे आएं और सरेंडर कर सरकार के पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं।

पूर्व में एमएमसी जोन के प्रवक्ता ने पत्र के जरिए फरवरी तक का समय मांगा, तो राजनंदगांव एसपी ने स्पष्ट किया कि फोर्स फरवरी तक इंतजार नहीं कर सकती है. नक्सली सरेंडर करके सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ लें, क्योंकि अभियान जारी रहेगा और फोर्स जंगलों में सर्चिंग करेगी।

उधर,बस्तर में लगातार सरेंडर जारी है, फोर्स लगातार क्षेत्र में सर्चिंग कर रही हैं

उल्लेखनीय है बस्तर में लगातार नक्सलियों का सरेंडर जारी है और फोर्स लगातार इन क्षेत्रों में सर्चिंग कर रही हैं और फोर्स को नक्सलियों को मारने में भी फोर्स को कामयाबी मिल रही है, जिससे नक्सली संगठन बैक फुट में आ गए हैं, जिसको देखते हुए एमएमसी जोन के प्रवक्ता द्वारा लेटर जारी किया गया है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय आधिकारिक दौरे के लिए भारत पहुंचे, पीएम मोदी ने किया स्वागत

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय आधिकारिक दौरे के लिए भारत पहुंच गए है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर पुतिन का गले मिलकर स्वागत किया । यूक्रेन के साथ युद्ध होने के बाद उनका यह पहला भारत दौरा है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच कई समझौते होने की उम्मीद है। भारत सरकार के सूत्र के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यह दौरा आर्थिक सहयोग को मजबूत करने में बहुत मददगार होगा। राष्ट्रपति पुतिन के साथ बिजनेसमैन का एक बड़ा ग्रुप भी भारत आ रहा है। भारत को रूस के साथ व्यापार को बेहतर बनाने की उम्मीद है। रूस के साथ भारतीय एक्सपोर्ट बढ़ने की भी संभावना है, जिनमें फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स और मरीन प्रोडक्ट्स शामिल हैं। भारतीय बिजनेस और प्रोडक्ट्स को एक बड़ा बाजार मिलेगा, जिससे रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे और हमारे किसानों की भलाई भी होगी।

राष्ट्रपति पुतिन के दौरे में भारत को रूस के साथ व्यापार को बेहतर बनाने की उम्मीद है। रूस के साथ भारतीय एक्सपोर्ट बढ़ने की भी संभावना है, जिनमें फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स और मरीन प्रोडक्ट्स शामिल हैं। भारतीय बिजनेस और प्रोडक्ट्स को एक बड़ा बाजार मिलेगा, जिससे रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे और किसानों की भलाई भी होगी।

भारत और रूस के बीच शिपिंग, हेल्थकेयर, फर्टिलाइजर, और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में कई समझौते और एमओयू होने की उम्मीद है। साथ ही दोनों देशों के बीच संबंधों, गतिशीलता साझेदारी, संस्कृति, और वैज्ञानिक सहयोग में भी ज्यादा सहयोग देखने को मिलेगा।

पुतिन इस दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 23वीं वार्षिक भारत-रूस द्विपक्षीय समिट में भी शामिल होंगे।

वहीं, पीएम मोदी और पुतिन के बीच 5 दिसंबर को बैठक होगी, जिसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। 5 दिसंबर को राष्ट्रपति पुतिन को गॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। फिर वह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद सुबह 11 बजे हैदराबाद में 23वीं वार्षिक भारत-रूस द्विपक्षीय समिट शुरू होगी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, तकनीक, स्पेस और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्र को लेकर चर्चा होगी। बाद में दोनों पक्षों की तरफ से एक संयुक्त बयान भी जारी किया जाएगा।

सरकार नहीं चाहती हम विदेशी गणमान्य लोगों से मिलें

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरूवार से भारत दौरे पर हैं। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती है कि विपक्ष और रूस के राष्ट्रपति के बीच में कोई मुलाकात हो। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए चिंताजनक बताया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आम तौर पर यह परंपरा होती है कि बाहर से जो भी आते हैं, उनकी एलओपी के साथ मुलाकात होती है। ये मनमोहन सिंह और वाजपेयी के समय में होता था। लेकिन आजकल क्या होता है जो विदेशी गणमान्य लोग आते हैं या जब मैं कहीं बाहर जाता हूं तो सरकार उनको सलाह देती है कि उनको एलओपी से नहीं मिलना चाहिए। ये सरकार की पॉलिसी है और ये हर बार यही करते हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हमें मैसेज मिलता है कि हमें बताया गया है कि सरकार हमसे कहती है कि आपसे नहीं मिलना है। भारत के रिलेशन तो सबके साथ हैं। विपक्ष के नेता एक दूसरा नजरिया पेश करते हैं, हम भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष के लोग बाहर के लोगों से मिले। प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्रालय अब असुरक्षा की वजह से ऐसा नहीं करते।

सुप्रीम कोर्ट बोला- सरकारी कर्मचारियों को एसआईआर ड्यूटी निभानी होगी, राज्य सरकारों को निर्देश

बीएलओ पर ज्यादा बोझ हो तो और स्टाफ तैनात करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और अन्य राज्यों में वोटर्स लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकारों या राज्य चुनाव आयोगों की तरफ से नियुक्त कर्मचारियों को एसआईआर की ड्यूटी निभानी होगी। भारत के चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारी एसआईआर सहित दूसरे वैधानिक कामों को करने के लिए बाध्य हैं। राज्य सरकारों का भी कर्तव्य है कि वे के लिए चुनाव आयोग को कर्मचारी उपलब्ध कराएं। कोर्ट ने कहा कि अगर एसआईआर काम में लगे बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के पास काम का बोझ ज्यादा है, तो राज्यों को और स्टाफ को काम पर लगाना चाहिए। बेंच ने कहा- इससे बीएलओ के काम के घंटे कम करने में मदद मिलेगी और पहले से ही नियमित काम के अलावा एसआईआर कर रहे अधिकारियों पर दबाव कम होगा।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी- तमिलगा वेत्री कझगम की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। पार्टी ने बीएलओ के तौर पर अपनी ड्यूटी ठीक ढंग से न निभा पाने वाले लोगों के खिलाफ चुनाव आयोग की ओर से की जा रही कार्रवाई को चुनौती दी थी। पार्टी का कहना था कि ईसी काम के बोझ तले दबे बीएलओ के खिलाफ काम न कर पाने की स्थिति में जन प्रतिनिधि कानून की धारा 32 के तहत आपराधिक कार्रवाई कर रही है। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अब निर्देश जारी किए हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 पेश, पान मसाला जैसे उत्पादों पर लगेगा उपकर

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 पेश किया। इसके तहत पान मसाला जैसे उत्पादों पर उपकर लगाया जाएगा। लोकसभा में बोलते हुए, सीतारमण ने कहा कि विधेयक में जरूरी चीजों पर टैक्स नहीं लगाया जाएगा और पान मसाला जैसे उत्पादों पर टैक्स से होने वाली कमाई राज्यों के साथ स्वास्थ्य योजनाओं पर खर्च करने के लिए शेयर की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा, यह एक उपकर है और यह किसी जरूरी चीज पर नहीं लगाया गया है। इस बिल का मकसद डीमेरिट चीजों पर सेस लगाना है, जिनसे सेहत को बड़ा खतरा होता है। इस उपकर के जरिए हम एक ऐसी कीमत चाहते हैं, जिससे इन चीजों पर रोकथाम लगे और लोग इसका इस्तेमाल न करें।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि वस्तु एवं सेवा

कर (जीएसटी) में पान मसाले पर 40 प्रतिशत का टैक्स लगाया गया है। इस उपकर के लगने से जीएसटी आय पर कोई असर नहीं होगा।

प्रस्तावित बिल के तहत उपकर पान मसाला बनाने वाली फैक्ट्रियों में मशीनों की उत्पादन क्षमता पर लगाया जाएगा। यह जीएसटी के अतिरिक्त होगा।

वित्त मंत्री ने कहा, हर फैक्ट्री के लिए उपकर की देनदारी उनकी उत्पादन क्षमता के आधार पर अलग-अलग होगी।

सीतारमण ने कहा, इस उपकर से मिलने वाली आय का कुछ हिस्सा स्वास्थ्य जागरूकता या स्वास्थ्य से जुड़ी दूसरी योजनाओं के जरिए राज्यों के साथ शेयर किया जाएगा।

पान मसाले पर उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जा सकता है। इस कारण सरकार इस पर उपकर लगाने के लिए विधेयक लेकर आई है और यह जीएसटी के अतिरिक्त लगाया जाएगा।

इससे पहले बुधवार को लोकसभा ने सेंट्रल एक्साइज एक्ट 1944 में बदलाव करते हुए एक बिल पास किया था, जिससे तंबाकू पर 40 प्रतिशत जीएसटी के अलावा उत्पाद शुल्क लगाया जा सकता है।

संसद में केंद्रीय सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की घोषणा

सालभर में खत्म होंगे टोल बूथ

नई दिल्ली। केंद्रीय सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में गुरुवार को बताया कि अगले एक साल में हाईवे पर मौजूदा टोल वसूली सिस्टम खत्म हो जाएगा। उसकी जगह पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक, बैरियर लैस टोल सिस्टम लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नए सिस्टम की शुरुआत फिलहाल 10 जगह की जा चुकी है और इसे एक साल के भीतर पूरे देश में लागू करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि इस समय देशभर में करीब 4,500 हाईवे प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 10 लाख करोड़ रुपए है।

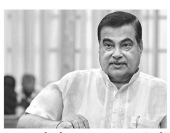

पहले टोल प्लाजा पर गाडिय़ों को रुककर नकद या कार्ड से भुगतान करना पड़ता था। फास्टैग आया तो गाडिय़ों का टोल पर रुकने का समय कम हुआ। अब अगला कदम बिना बैरियर वाले हाईटेक टोल की तरफ है।

अब टोल पर रुकने की जरूरत नहीं

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन प्रोग्राम बनाया है। ये पूरे देश के लिए एक जैसा और आपस में जुड़ा इलेक्ट्रॉनिक टोल प्लेटफॉर्म है। इसका मकसद अलग-अलग हाईवे पर अलग सिस्टम की परेशानी खत्म करना और एक ही तकनीक से आसानी से टोल वसूली करना है। इस नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम का मुख्य हिस्सा फास्टैग है, जो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन तकनीक वाला टैग होता है और गाड़ी के सामने वाले शीशे (विंडस्क्रीन) पर चिपकाया जाता है।

रबी में धान की फसल न लग पाने और बिजली संकट को लेकर आंदोलन की सुगबुगाहट

बम्हनी में किसानों में बढ़ा आक्रोश

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम बम्हनी में किसानों के बीच भारी नाराज़गी देखी जा रही है। किसानों का कहना है कि उन्हें समय पर विद्युत नहीं मिल रही, जिसके कारण वे रबी सीजन में धान की फसल नहीं लगा पा रहे हैं। किसानों ने बताया कि क्षेत्र में वन्यजीवों की बड़ी संख्या रहती है, जो उनकी फसलों को अक्सर नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में रबी में धान की फसल लगाना उनके लिए सुरक्षित विकल्प माना जाता है, क्योंकि अन्य फसलों की तुलना में धान को वन्यजीव कम नुकसान पहुंचाते हैं। लेकिन इस वर्ष लगातार बिजली कटौती और पावर सप्लाई के समय में गड़बड़ी के कारण किसान धान की फसल लगाने में असमर्थ रहे। किसानों का कहना है कि विभाग उनकी समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दे रहा, जिससे क्षेत्र में किसानों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि किसान अब रात में एकत्र होकर आंदोलन की रणनीति बनाने लगे हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे।

जिले में पिछले वर्ष रबी सीजन के दौरान कई क्षेत्रों में गंभीर जल संकट देखने को मिला था। इसी वजह से इस वर्ष संबंधित विभाग ने रबी सीजन में धान की फसल लगाने पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों को लेकर जिले के किसानों में भारी नाराज़गी देखी जा रही है। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में किसान प्रशासन के खिलाफ आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं। हाल ही में लालबर्रा क्षेत्र में किसानों ने बड़ा आंदोलन किया था। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय से लगे ग्राम बम्हनी के किसान भी कई समस्याओं को लेकर नाराज़ हैं। किसानों का कहना है कि उनके क्षेत्र में वन्यजीवों की संख्या बहुत अधिक है, जिससे फसलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। कई किसानों के खेत जंगल से लगे होने के कारण वे रात के समय भी फसलों की रखवाली करने को मजबूर हैं। 3 दिसंबर की रात भी एक किसान के खेत में धान की गहाई के दौरान दूसरे गांवों के किसान बड़ी संख्या में उसके साथ मौजूद रहे ताकि वन्यजीवों से बचाव किया जा सके। किसानों ने बताया कि जिन किसानों की जमीनें गांव से दूर जंगल की ओर हैं, उन्हें रातभर साथी किसानों के सहयोग की जरूरत पड़ती है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि विद्युत विभाग खेतों के लिए बिजली की आपूर्ति समय पर नहीं दे रहा है। रात 12 बजे के बाद बिजली दी जा रही है, जबकि खेतों में समय पर बिजली मिलने से वन्यजीवों की गतिविधि पर नियंत्रण रहता है और किसान सुरक्षित रूप से खेती का कार्य कर पाते हैं। किसानों का कहना है कि रबी सीजन में धान की खेती पर रोक, वन्यजीवों से फसल नुकसान और समय पर बिजली न मिलने जैसी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। इन सब कारणों से किसान अब धीरे-धीरे आंदोलन की राह पकड़ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

वन्यजीवों का अत्यधिक खतरा रहता है - यशुलाल बिसेन

बम्हनी के कृषक यशुलाल बिसेन ने बताया कि वे रात 11 बजे के करीब अपने किसान साथियों के साथ एक किसान साथी के खेत पहुँचे, जो पुरानी पद्धति से रात्रि में गहानी का कार्य कर रहा था। खेत जंगल से लगे होने के कारण वहाँ वन्यजीवों का अत्यधिक खतरा रहता है। सुरक्षा के मद्देनज़र किसान बड़ी संख्या में उसके साथ मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि खेतों में दी जाने वाली बिजली अत्यधिक बाधित रहती है। यदि समय पर विद्युत आपूर्ति मिले, तो वन्यजीवों की गतिविधि नियंत्रित रहती है और किसान सुरक्षित रूप से कार्य कर पाते हैं। लेकिन इस बार विभाग न सिर्फ धान की फसल लगाने से रोक रहा है, बल्कि बिजली कटौती भी बढ़ा दी गई है। इसी को लेकर क्षेत्र में आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है।

धान ही एकमात्र सुरक्षित विकल्प - प्रतापलाल बिसेन

कृषक प्रताप लाल बिसेन ने बताया कि यदि वे रबी में गेहूँ , चना जैसी फसलें बोते हैं, तो वन्यजीव उनकी पूरी फसल बर्बाद कर देते हैं। इसके उलट धान की फसल में नुकसान अपेक्षाकृत कम होता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बेमौसम बारिश से पहले ही किसान भारी नुकसान झेल चुके हैं। यदि अब रबी में धान की फसल लगाने की अनुमति नहीं दी जाती, तो किसान अपनी आजीविका भी नहीं चला पाएँगे। विभाग का निर्णय किसानों की आर्थिक स्थिति को और बदतर बना सकता है।

बिजली नही मिलने से परेशानी हैं - राजकुमार लिल्हारे

राजकुमार लिल्हारे ने बताया कि वे परिजनों के यहां आए थे, तभी उन्होंने देखा कि किसान अंधेरे में खेतों में घूम रहा था। पूछने पर किसानों ने बताया कि रात्रि 12 बजे के बाद ही बिजली दी जा रही है, जिससे खेतों में सिंचाई करना अत्यंत कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा कि रात 12 बजे के बाद बिजली देने का कोई लाभ नहीं है। किसान चाहते हैं कि शाम के समय से ही नियमित विद्युत आपूर्ति शुरू की जाए, ताकि वन्यजीवों पर नियंत्रण बना रहे और खेती का कार्य सुचारू रूप से चल सके।

किसान संगठन ने दी आंदोलन की चेतावनी - अरविंद चौधरी

किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि बम्हनी ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों के किसान भी रबी में धान की फसल पर रोक से बेहद नाराज़ हैं। वे लगातार गांव-गांव बैठक कर रहे हैं और जल्द ही बिजली आपूर्ति की समस्या तथा धान की खेती पर रोक हटाने की मांग को लेकर बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं।

खेत में बकरी चराने गए युवक को सांप ने काटा

झाड़फूंक कराने और एंबुलेंस नहीं मिलने से उपचार में हुई देरी

पद्मेश न्यूज। कटंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में अंधविश्वास की जड़े आज भी बेहद गहरी है। जिस वजह से लोग जादू-टोना, भूत-प्रेत जैसी बातों पर विश्वास करते हैं। अंधविश्वास की इस पराकाष्ठा की वजह से आज एक युवक को सर्पदंश की घटना के बाद समय पर सही उपचार नहीं मिल पाया और वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। पूरा मामला सिवनी जिले के सालई गर्रा गांव के युवक संजय पिता देवीप्रसाद हरदे की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। संजय बुधवार को खेत में बकरी चराने के लिए गया हुआ था जहां उसके हाथ में सांप ने डस लिया। घटना के बाद परिजन घायल युवक को नजदीक के अस्पताल ले जाने की बजाय करीब 40 किलोमीटर दूर कटंगी के ग्राम लोहमारा में सर्पीबारी यानी झाड़ फूंक के जरिए सांप का जहर उतरवाने के लिए लेकर आ गए। ग्रामीणों के बताए अनुसार घटना बुधवार की दोपहर करीब 2 बजे के आसपास है। युवक को दोपहर में 3 बजे लोहमारा लाया गया और जब वहां पर उपचार नहीं हो पाया तो परिजन युवक को सरकारी अस्पताल कटंगी लेकर पहुंच गए। तब तक युवक की हालत बहुत अधिक बिगड़ चुकी थी। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया। मगर यहां से युवक के परिजनों के लिए एक नई परेशानी खड़ी हो गई। घायल युवक को सरकारी अस्पताल कटंगी से एंबुलेस नहीं मिल पाई। संजीवनी 108 के ईएमटी और पायलट से जब जिला अस्पताल बालाघाट नहीं जाने का कारण पूछा गया तो उन्होंने बताया कि टायर खराब है। टायर के लिए डिमांड भेज दी गई है। अभी केवल लोकल के ही मरीजों को सेवाएं दी जा सकती है। जब संजीवनी 108 के इस हालात को लेकर जिला प्रबंधक शुभम लिल्हारे से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया की टायर के लिए भोपाल ईमेल किया गया है। वहां से टायर आने पर संजीवनी 108 में टायर लग जाएगा। टायर और बैटरी भोपाल से ही मिलती है। हालांकि उन्होंने यह भी भरोसा दिया कि शीघ्र ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाएगी। इधर, शाम करीब 05 बजे तक जब सरकारी वाहन की कोई व्यवस्था नहीं हो पाई तब घायल युवक के परिजन ने किराए से प्राइवेट एंबुलेंस की और उसे लेकर जिला अस्पताल बालाघाट रवाना हुए। बता दें कि क्षेत्र में दो संजीवनी 108 एंबुलेंस और 1 जननी है। दोनों एंबुलेंस की हालत खराब है। जिस कारण मरीजों को रेफर करने पर एंबुलेंस की सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिससे गरीब जनता परेशान हो रही है और नेता अपनी सरकार का गुणगान करने में ही मगनड्ड है। विपक्ष घर में बैठा हुआ सो रहा है जिसे जनता की तकलीफ दिखाई नहीं दे रही है।

In The High Court Of Madhya Pradesh At Jabalpur
Case No. CRR-02963-2023
अपीलार्थी/ आवेदक
Bablu Dharnawar S/O Heeralal Dharanwar
Vs
उत्तरवादी/ अनावेदक
SMT. Vimla Dharanwar W/O Bablu Dharnawar And Other Bhunesh Dharnawar

प्रेषिती-
यह कि प्रार्थी बबलु धारणवार पिता स्व.हीरालाल धरणवार ने आपके विरूद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश Case No. CRR- 02963-2023 मे स्थगन 27/10/2025 को मिला है आपको उच्च न्यायालय जबलपुर में सूचना के प्रकाशन के चार सप्ताह के भीतर स्थगन का जबाव देने के लिये हाजिर होने के लिये सम्मन की या जाता है आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसे लीडर (अधिवक्ता) द्वारा हाजिर हो सकतें है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनो का उत्तर दे सके आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करे और अपनी प्रतिरक्षा या मजुरा के दावे या प्रति दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसे सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई अवधी में इस उच्च न्यायालय जबलपुर में उपस्थित नही होगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उस का निपटारा आपकी अनुपस्थिती में किया जावेगा आज तारीख 5/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है

In The High Court Of Madhya Pradesh At Jabalpur
न्यायाधीश
(श्री रामकुमार चौबे)

शराब बंदी अभियान को मिली सफलता, क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पूर्णत: बंद

सफलतम एक वर्ष पूर्ण होने पर गायखुरी की महिलाओ ने मनाई खुशियां

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में अवैध शराब बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने व गायखुरी क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ महिलाओं ने नव जीवन नशा मुक्ति समिति का गठन किया था। इस समिति के

सफलतम एक वर्ष पूर्ण होने पर वैनगंगा नदी तट शिव मंदिर समीप नशा मुक्ति महिला समिति के द्वारा खुशियां मनाई गई व इस मुहिम को अनवरत चलाने का संकल्प लिया। इस दौरान नशा मुक्ति समिति के सभी पदाधिकारियों सहित प्रबुद्धजन भी मौजूद रहे।

अभी भी लाठी लेकर रतजगा कर रही महिलाएं

इस संबंध में नव जीवन नशा मुक्ति समिति की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा राऊत ने बताया कि हमारे संगठन को एक वर्ष पूर्ण हो गया है। जब से संगठन का गठन हुआ है। हर दिन रात्रि में क्षेत्र में लाठी लेकर गश्त कर अवैध शराब बिक्री करने वालों व शराब का सेवन करने वालों पर निगरानी बनाये हुये है। क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री पूरी तरह बंद है। उन्होंने बताया कि इस मुहिम को सफल बनाने में वार्ड पार्षद सहित सामाजिक नवयुवकों व पुलिस प्रशासन का पूरी तरह सहयोग मिल रहा है। उन्होंने लोगों से निवेदन किया है कि अपनी व परिवार की खुशहाली व सुख समृद्धि के लिये नशे का सेवन करना त्याग दें और इस मुहिम को सफल बनाने में सहभागिता कर सहयोग प्रदान करें।

मां अन्नपूर्णा मंदिर में चढ़ाया गया 56 भोग

अगहन मास के समापन पर मां अन्नपूर्णा मंदिर में विभिन्न कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी अगहन मास के अवसर पर नगर के वार्ड नंबर 20 दर्जी मोहल्ला स्थित प्राचीन सिद्धपीठ मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर में ज्योति कलश व मनोकामना कलश की स्थापना की गई थी। अगहन मास के समापन अवसर पर गुरुवार 4 दिसम्बर को मंदिर में स्थापित कलशों का विसर्जन कर महाप्रसाद व भंडारा का आयोजन किया गया। वही सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रम संपन्न कराए गए।अगहन मास के समापन के अवसर पर गुरुवार की सुबह मंदिर में स्थापित ज्योति कलश का विसर्जन किया गया। सुबह 10 बजे से हवन पूजन कर महाआरती की गई। मां अन्नपूर्णा को 56 भोग चढ़ाया गया। तत्पश्चात विशाल भंडारा का आयोजन किया गया जो देर रात तक चलता रहा जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भोजन प्रसादी ग्रहण किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मां अन्नपूर्णा मंदिर समिति के अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सचिव सुशील वर्मा , उपाध्यक्ष ओम सोनी, हरिओम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संदीप नेमा, आजीवन सदस्य विजय वर्मा, भोला शंकर शांडिल्य,आलोक नेमा, प्रमोद तिवारी, अजय वर्मा,युवा अध्यक्ष सनी वर्मा विनय शांडिल आंचल शांडिल्य अजय राठौर, उत्कर्ष वर्मा, आर्यन वर्मा, सिद्धांत वर्मा, सहित अन्य पदाधिकारियों सदस्यों व अन्नपूर्णा महिला मंडल एवं अन्नपूर्णा युवा मंडल का सहयोग सराहनी रहा।

अति प्राचीन है मां अन्नपूर्णा का यह मंदिर

बताया गया कि माता रानी के सिद्ध पीठ में अगहन पर्व बड़ी धूम-धाम से प्रतिवर्ष मनाया जाता है,ऐसा कहा जाता है कि धन धन्य की देवी माता रानी का महाप्रसाद प्राप्त करने से जीवन भर धन धन्य की कमी नहीं होती और घर में संपन्नता बनी रहती है! उक्त मंदिर 117 साल पुराना है जिसे विसर्जित कर भव्य रूप नवनिर्माण कराया गया है जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर दान दिया है। जहां प्रतिवर्ष अगहन मास के प्रारंभ होते ही श्रद्धालु भक्तों द्वारा अपनी मनोकामनाओं के कलश रखे जाते हैं इस वर्ष भी मनोकामनाओं के कलश मंदिर परिसर में प्रज्वलित किए गए थे।जिनका विसर्जन अगहन मास की समाप्ति पर 4दिसंबर गुरुवार को हवन पूजन यज्ञ भंडारा सहित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया गया।

पूरे एक माह तक विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन - सुशील वर्मा

मंदिर परिसर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर की गई चर्चा के दौरान मां अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट के सचिव सुशील वर्मा ने बताया कि अगहन मास के अवसर पर महिलाओं द्वारा मंदिर में ज्योति कलश व मन्नत कलश की स्थापना की जाती है। एक माह तक मंदिर में भजन कीर्तन व विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। आज अगहन मास के समापन अवसर परज्योति कलश विसर्जन व हवन पूजन कर भंडारा का आयोजन किया गया। यह मन्नता के कलश रखे जाते हैं माता रानी को 56 प्रकार के पकवानों का भोग लगाया जाता है और यह परंपरा 58 वर्षों से निरंतर चल रही है।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी व श्रद्धालुओं का सहयोग रहा।

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु युवक-युवती की आवश्यकता है
कंप्यूटर ज्ञान आवश्यक है, वारासिवनी के आसपास के लोग ही संपर्क करें।
-पता-
श्री फाइनेंस वारासिवनी
9329595770

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवकी की आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाली ही संपर्क करें
वेतन - 12000+
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)मो. 9201340520

डायल 112 ने घायल महिला को पहुंचाया अस्पताल : जंगली सूअर ने किया प्राणघातक हमला

पद्मेश न्यूज। कटंगी। घटते प्राकृतिक आवास और जंगल के भीतर भोजन-पानी की कमी के चलते अब वन्य प्राणी बसाहट के नजदीक आ रहे है। खासतौर पर वन्य प्राणी जंगली सूअर ने खेतों को अपना नया ठिकाना बना लिया है। ऐसे में आए दिन जंगली सूअर और इंसानों के बीच संघर्ष की घटनाएं सामने आ रही है। ऐसी ही एक घटना गुरूवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे के आस-पास तहसील मुख्यालय कटंगी से करीब 07 किमी. दूर ग्राम बाहकल से सामने आई। यहां खेत में कृषि कार्य कर रही एक 45 वर्षीय महिला सूर्यकांता पति नोहरसिंह राणा पर जंगली सूअर ने अचानक से प्राणघातक हमला कर दिया। घायल महिला के परिजन ने डायल 112 को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 113 में ड्यूटी में तैनात आरक्षक विमलेश सिसोदिया और पायलट राहुल कुमार ठाकरे घटनास्थल पर पहुंचे। जिन्होंने घायल महिला को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी लाकर भर्ती करवाया। डायल 100 की तत्परता से घायल महिला को समय पर उपचार मिल गया और अब उनकी हालत में सुधार है। वन सुधार के नाम पर मिश्रित वनों की अंधाधुंध कटाई ने वन्य प्राणियों से उनके प्राकृतिक आवास छिन लिए है। जिस कारण आज शाकाहार वन्य प्राणियों ने बसाहट के नजदीक गांवों के खेतों में अपना डेरा जमा लिया है। वन क्षेत्र से सटे खेतों में जंगली सूअर के अलावा हिरण के नाम पर पुकारी जाने वाली सांभर,

चीतल, बारहसिंगा जैसी शाकाहार वन्य प्राणियों की प्रजातियां विचरण करते हुए देखी जाती है। यह वन्य प्राणी किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे है। ऐसे में यह किसान वन्य प्राणियों को अपना दुश्मन समझने लगे है और इन्हें खेतों से दूर रखने के लिए कई तरह के जतन कर रहे है। किसान करंट का भी सहारा लेते है। जिससे कई बार वन्य प्राणी की मौत हो जाती है और किसान को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग ग्रामीणों को वन्य जीव और वनों के संरक्षण का पाठ पढ़ाता है। जबकि फसलों की बर्बादी को देखते हुए किसान वन्य प्राणियों को मारने की अनुमति मांग रहे हैं। सरकारी की नीतियों के तहत बीते 02 दशक में मिश्रित वनों को काटकर सागौन प्लांटेशन को बढ़ावा दिया गया है। जिससे वन्य प्राणियों के प्राकृतिक आवासों को बड़ा नुकसान हुआ है। शाकाहार वन्य प्राणी भोजन पानी की तलाश में भटकते हुए बसाहट तक आ रहे है तो इन शाकाहार वन्य प्राणियों का शिकार करने के लिए इनके पीछे बाघ और तेंदुआ भी गांव तक आ रहे है। बाघ और तेंदुए पालतु मवेशियों का लगातार शिकार कर रहे है। जिसने किसानों और पशुपालकों की मुसीबत और अधिक बढ़ा दी है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

मृदा दिवस आज

बालाघाट जिले की मिट्टी में नाइट्रोजन ,फास्फोरस और पोटाश की कमी

रासायनिक खाद ,दवाइयों के अधिक उपयोग से गुणवत्ता खो रही मिट्टी, मिट्टी जांच में पाई जा रही पोषक तत्व की कमी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वन ,खनिज और संपदा से भरपूर बालाघाट जिले की मिट्टी में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी देखी जा रही है। जिसके चलते किसानों को उम्मीद के मुताबिक फसल की प्राप्ति नहीं हो रही है। बताया जा रहा है कि हरित क्रांति के बाद खेती में उपयोग होने वाले प्राकृतिक खाद ,और गोबर खाद की मात्रा काफी कम हो गई है।तो वही अधिक फसल लेने के लालच में खेती में रासायनिक खाद, और रासायनिक दवाइयों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग होने लगा है जिसके चलते जिले की मिट्टी लगातार अपने पोषक तत्व खो रही है। वहीं उसकी उपजाऊ क्षमता में भी कमी आई है ।जिससे किसानों को फसलों का उत्पादन उम्मीद के मुताबिक नहीं हो रहा है। यह तथ्य मिट्टी के परीक्षण के उपरांत सामने आए हैं। जहां अब तक किए गए मिट्टी के परीक्षण में जिले की मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश की कमी पाई गई है। जो केवल बालाघाट ब्लॉक ही नहीं बल्कि संपूर्ण बालाघाट जिले के विभिन्न क्षेत्रों की मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी लगातार देखी जा रही है।

मिट्टी की जांच में मिल रहे तत्वों की कमी

मृदा प्रयोगशाला के अमले ने जिले के समस्त विकासखंडों से पिछले वर्ष जो सैंपल लिए थे उसमें ये स्थिति सामने निकलकर आई है। यहां पिछले वर्ष 07 हजार 600 सैंपल लिए गए थे। जिसमें से पांच हजार सैंपल में नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की कमी मिली है। वहीं इस वर्ष प्रयोग शाला को 3 हजार 600 सैंपल लेने का लक्ष्य मिला है।जिसमे करीब 1000 सैम्पलों की जांच हो चुकी है।जो कि मार्च 2026तक लिए जाएंगे। इस वर्ष भी प्रयोग शाला में आए कुछ सैंपलों में यही स्थिति देखने को मिली है।

इस वजह से बनी यह स्थिति

बताया गया कि बालाघाट जिले में खरीफ के सीजन में धान की खेती बहुताय में होती है। वहीं वर्षा के दिनों में खेतों में अधिक जलभराव होने के चलते ये तत्व बह जाते है या फिर पानी में घुल कर उड़ जाते है। जिससे बालाघाट की मिट्टी की जांच में नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की कमी देखने को मिल रही है। वही इसकी एक और वजह रासायनिक खाद, दवाइयों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग होना भी बताया जा रहा है।शायद यही वजह है कि अब सम्बंधित विभाग के भी प्राकृतिक खेती करने की सलाह दे रहा है ताकि मिट्टी के पोषक तत्वों को बढ़ाकर जिले की मिट्टी को और अधिक उपजाऊ बनाया जा सके।

मिट्टी में इन तत्वों की जाती है जांच

वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी ने बताया कि मिट्टी के परीक्षण में पैरामीटर के आधार पर पीएच की जांच में अम्लीय 6.5 प्रतिशत से कम,सामान्य 6.5 से 8.2 तक, क्षारिय 8.2 से अधिक,ईसी सामान्य एक से कम,मध्यम एक से तीन तक,हानिकारक तीन से अधिक,जैविक कार्बन निम्न 0.5 से कम,मध्यम 0.5 से 0.75 तक,उच्च 0.75 से अधिक,उपलब्ध नाइट्रोजन निम्न 250 से कम,मध्यम 250 से 400, उच्च 400 से अधिक, उपलब्ध फास्फोरस निम्न में दस से कम,मध्यम दस से 20,उच्च 20 से अधिक व उपलब्ध पोटेशियम में निम्न 250 से कम,मध्यम 250 से 400,उच्च 400 से अधिक रहता है। लेकिन बालाघाट में जहां फास्फोरस,पोटाश व नाइट्रोजन में मध्यम स्थिति उपलब्ध हो पा रही है।

खेतो में नजर ही नही आ रहा केचुआ

किसानों के खेतों में पाया जाना वाला केंचूआ खेती के लिहाज से किसानों का दोस्त माना जाता है,लेकिन अत्यधिक मात्रा में खेत में डीएपी, यूरिया का उपयोग करने से केंचूआ जल जाते है जिससे उनकी मौत हो रही है, और अब वे खेत में दिखाई नहीं दे रही है। ऐसी स्थिति में धान की फसल में खैरा नामक बीमारी भी देखने को मिल रही है। यह बीमारी होने पर धान की फसल हल्के पीले रंग की या कत्थई रंग की हो जाती है, और पौधा भी बौना रह जाता है। जिससे किसान को नुकसान पहुंच रहा है।

पोषक तत्वों की कमी दूर करने किसानों को बताए जा रहे उपाय हिना शिववंशी

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मृर्दा प्रयोगशाला ,वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी हिना शिववंशी ने बताया कि बालाघाट जिले में मिट्टी प्रशिक्षण प्रयोगशाला समस्त विकासखंडों में स्थापित की जा चुकी है। एक सैंपल के प्रशिक्षण में कम से कम दो दिन लग जाते है वही एक स्लाट के सैंपल एकत्र करने उसकी जांच करने जांच रिपोर्ट तैयार करने में लगभग 15 दिनों का समय लग जाता है। यह कार्य सालभर किया जाता है। मिट्टी प्रशिक्षण में नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश में मध्यम स्तर पर कमी मिल रही है।जिसे दूर करने के किसानों को समझाइस व उपाय बताए जा रहे है। यदि किसान बताए गए उपाय को करते हैं तो जल्द ही उनकी मिट्टी से पोषक तत्वों की कमी दूर हो सकती है।

जिला स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में महिलाओं ने दिखाया दमखम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने तथा आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को मुलना स्टेडियम के कराते हॉल में जिला स्तरीय किक बॉक्सिंग विमेंस सिटी लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह खेल उत्सव अस्मिता खेलो इंडिया विमेंस लीग 2025 और एमेच्योर स्पोर्ट किक बॉक्सिंग संघ मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता अलग-अलग आयु वर्गों में आयोजित की गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी आगामी दिनों में भोपाल में होने वाली राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।

प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि इसमें 7 वर्ष की नन्हीं बालिकाओं से लेकर 40 वर्ष तक की महिलाओं ने हिस्सा लेते हुए शानदार हुनर दिखाया, जिसने उपस्थितजनों को प्रभावित किया। प्रतियोगिता शुरू होने से पहले प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को आत्मरक्षा के मूल सिद्धांत, संतुलन बनाए रखने की तकनीक और त्वरित प्रतिक्रिया कौशल का अभ्यास भी कराया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन उनकी तकनीकी दक्षता, संतुलन, वार की सटीकता, आत्मविश्वास और खेलभावना के आधार पर किया गया। चयनित खिलाड़ियों को मंच से सम्मानित भी किया गया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल खेल मुकाबला कराना नहीं था, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं को आत्मरक्षा के महत्व से अधिक जागरूक करना भी है। वर्तमान समय में आत्मरक्षा का ज्ञान हर महिला के लिए आवश्यक है। यह न केवल सुरक्षा की भावना देता है, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।

स्वदेशी संकल्प रथ यात्रा का बालाघाट में स्वागत

स्वदेशी उत्पाद अपनाने का किया गया आह्वान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच तथा कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के संयुक्त तत्वावधान में लोगों में स्वदेशी बनाओ, स्वदेशी अपनाओ की आदत विकसित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से स्वदेशी संकल्प रथ यात्रा निकाली गई है, जो मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों का भ्रमण कर रही है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के आमला से निकली रथ यात्राओं में से एक यात्रा छिंदवाड़ा और सिवनी होते हुए बालाघाट पहुंची। गुरुवार को जिले में जगह-जगह रथ यात्रा का स्वागत किया गया। विभिन्न मंचों पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को स्वदेशी और विदेशी उत्पादों के अंतर की जानकारी दी गई तथा स्वदेशी उत्पाद अपनाने का संकल्प दिलाया गया। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश मंत्री एवं बालाघाट प्रभारी सत्य नारायण अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार को रथ यात्रा बालाघाट जिला मुख्यालय के मुलना मैदान, नगर पालिका प्रांगण, पीजी महाविद्यालय, पीजी कॉलेज और सांदीपनि विद्यालय पहुंची। यहां स्वागत के बाद यात्रा

अहिंसा द्वार से नगर भ्रमण के लिए निकली। यात्रा मुख्य मार्ग, राजघाट चौक, महावीर चौक, सुभाष चौक, महाराणा प्रताप चौक, सराफा बाजार होते हुए हनुमान चौक पहुंची, जहां पुन: स्वागत किया गया। इसके बाद यात्रा गोंदिया रोड स्थित नए राममंदिर पहुंची और विभिन्न स्थानों से होते हुए भटेरा पहुंची, जहां स्वागत के बाद रथ यात्रा धापेवाड़ा, लामटा, चांगोटोला से आगे नैनपुर और मंडला की ओर रवाना हुई। श्री अग्रवाल ने बताया कि स्वदेशी और विदेशी उत्पादों का अंतर बताने के उद्देश्य से पिछले वर्ष पहली स्वदेशी संकल्प यात्रा दिल्ली गेट से निकाली गई थी, जो दिल्ली, ग्रेटर नोएडा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और राजस्थान तक पहुंची थी। इस वर्ष दो राज्यों मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए यह यात्रा 30 नवंबर को नागपुर से शुरू की गई। तीन रथों को रवाना किया गया जिनमें से एक रथ छत्तीसगढ़ में, दूसरा मध्य भारत और मालवा में तथा तीसरा रथ महाकौशल क्षेत्र में भ्रमण कर रहा है। बालाघाट पहुंचा रथ महाकौशल के सभी जिलों से होते हुए भोपाल पहुंचेगा, जहां 30 दिसंबर को इसका समापन होगा। रथ यात्रा के माध्यम से लोगों को खरीदारी के दौरान स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पेंचव्हेली एक्सप्रेस को गोंदिया- बालाघाट से प्रारंभ करने की स्वीकृति देने की मांग

15 दिनों के अल्टीमेटम के साथ ब्राडगेज संघर्ष समिति ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पेंचव्हेली एक्सप्रेस ट्रेन को लेकर एक बार फिर सियासत तेज हो गई है, पिछले दिनों दक्षिण पूर्वी मध्य रेलवे बिलासपुर द्वारा बालाघाट जनता की मांग के अनुरूप पेंचव्हेली एक्सप्रेस ट्रेन का परिसंचालन पुन: प्रारंभ करने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा गया था ।जिस पर फिलहाल रेलवे बोर्ड से किसी प्रकार की सहमति नहीं बन पाई है, लेकिन अब इसी एक्सप्रेस ट्रेन को लेकर सियासत गरमा गई है ।उधर पेंचव्हेली एक्सप्रेस ट्रेन को गोंदिया बालाघाट से चलाए जाने की मांग को लेकर ब्रॉडगेज संघर्ष समिति एवं अधिवक्ता संघ के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्टेशन प्रबंधक के नाम एक ज्ञापन सौपा गया है। जहां सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने पेंचव्हेली एक्सप्रेस ट्रेन को गोंदिया बालाघाट से प्रारंभ करने की मांग को दोहराते हुए, ट्रेनों की लगातार लेट लतीफ को दुरुस्त कर, समय सारणी के अनुसार ट्रेनों को चलाने और बालाघाट से जबलपुर तक रेलवे ट्रैक को डबल किए जाने की मांग की है। जहां अपनी इस मांग को लेकर ब्रॉडगेज संघर्ष समिति द्वारा रेलवे प्रबंधन को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया गया है ।जहां इन 15 दिनों के भीतर मांग पूरी न होने पर उक्त मांगो को लेकर बालाघाट की जनता के साथ सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है ।इस अवसर पर जिलाअधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आनंद टैंभरे, उपाध्यक्ष मीणा कुर्व वरिष्ठ, अधिवक्ता इंद्रजीत गौतम, सह सचिव राकेश सिंगारे कार्यकारिणी सदस्य अशोक शर्मा, रजनीश रंहागडाले, धनंजय देशमुख, सुरेंद्र खोपरागड़े, रंगमंच

अध्यक्ष धनेन्द्र कावड़े, राहुल सिंह बैस, श्रीमती सुप्रिया कावडे, अधिवक्ता नदीम कुरैशी, डॉ अमर बिसेन, व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष अंकित अग्रवाल, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष जीतू बर्वे, महिला कांग्रेस अध्यक्ष जुबेदा अंसारी, श्रीमती धुवारे, सह सचिव धनंजय देशमुख, अधिवक्ता दिनेश पारधी, सूरज वाड़गुनरे, ऑटो संघ अध्यक्ष राजू कुमार, नंदा वासनिक, और बादल बिसेन सहित अन्य गणमान्य नागरिक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

यह केवल ज्ञापन नही अल्टीमेटम भी है, करेंगे उग्र आंदोलन- अनूप

चर्चा के दौरान ब्राडगेज संघर्ष समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप सिंह बैस ने बताया कि पेंचव्हेली एक्सप्रेस को बालाघाट गोंदिया से प्रारंभ करने का प्रस्ताव है लेकिन इसमें कुछ राजनीतिक अड़ंगे आ रहे हैं, उनका कहना है कि इस ट्रेन को बालाघाट गोंदिया से प्रारंभ ना किया जाए, जिसको लेकर आज यहां ज्ञापन सौपा गया है हमारी मांग है कि यह ट्रेन बालाघाट के छात्रों और लोगों के लिए अति आवश्यक है इसे जल्द से जल्द गोंदिया बालाघाट से प्रारंभ करने की स्वीकृति दी जाए इसके अलावा बालाघाट होकर गुजरने वाली लगभग सभी ट्रेनों की लेट लतीफी काफी बढ़ गई है ट्रेन समय पर नहीं चल रही है जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।इसे समय सारणी के अनुरूप चलाने की भी मांग की गई है इसके अलावा गोंदिया से जबलपुर रेलवे लाइन को डबल रेल लाइन में परिवर्तित किए जाने की मांग की गई है। यह केवल ज्ञापन नहीं है बल्कि अल्टीमेटम भी है ।हमारे द्वारा 7 दिनों के भीतर दिल्ली रेलवे बोर्ड को इस प्रस्ताव की स्वीकृति के लिए कहा जाएगा, यदि ऐसा नहीं किया जाता तो उसके 15 दिनों बाद बालाघाट के निवासियों के साथ मिलकर बड़े स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सुबह के वक्त जबलपुर के लिए मिले स्वीकृति- अजय

अधिवक्ता बिसेन ने बताया कि गोंदिया से जबलपुर जाने के लिए सुबह के वक्त कोई भी स्पेशल ट्रेन नहीं है बहुत से अधिवक्ता ऐसे हैं जिन्हें 9 से 10 बजे जबलपुर हाईकोर्ट जाना पड़ता है, हमारी मांग है कि यह एक्सप्रेस हमारी भौगोलिक व सांस्कृतिक धरोहर है इसे सुबह 4 बजे चलाकर जबलपुर 9 से 10 बजे के बीच पहुंचाया जाए। वही शाम को यह ट्रेन वापस भी आए, इसके अलावा पेंचव्हेली एक्सप्रेस में जो राजनीतिक रूप से अड़ंगे आ रहे है, उसके निदान के लिए मंडला से 2-4 डिब्बो की ट्रेन नैनपुर तक चलाई जाए, वही गोंदिया- बालाघाट से इस ट्रेन को नैनपुर ले जाकर मंडला के डिब्बे उसमें जोड़ जाए और जबलपुर ट्रेन पहुंचाई जाए।

बौद्ध युवक युवती परिचय सम्मेलन 21 दिसंबर को

दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया वारासिवनी अध्यक्ष आर.डी.बंसोड ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि भारतीय बौद्धो की धार्मिक,सामाजिक धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया के माध्यम से संस्था के राष्टीय ट्रस्टी कार्याध्यक्ष बोधिसत्व डॉ.बाबा साहेब आंबेडकर जी के पौत्र डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर साहेब मुंबई के नेतृत्व एवं निर्देशानुसार पूरे भारत देश में बौद्ध धम्म का संपूर्ण कारवा गतिमान किया जा रहा है।मप्र में डॉ.चरनदास ढेंगरे के नेतृत्व में भी संस्था के विभिन्न प्रकार के धम्म प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन एवं अन्य धम्म कार्यो के माध्यम से धम्म कारवां गतिमान किया जा रहा है। इस क्रम को जारी रखते हुये संस्था की वारासिवनी तहसील जिला बालाघाट के तत्वावधान में दिनांक 21 दिसंबर 2025 को स्थानीय लॉन लालबर्रा रोड में प्रात: 10.30 बजे से विवाह योग्य बौद्ध युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन में विवाह योग्य युवक, युवतियां एवं विधवा-विधूर, तलाकसुदा सदस्य भी सम्मिलित हो सकते है। सम्मिलित होने के लिये संस्था के प्रदेश, जिला, सभी तहसीलों के अध्यक्ष एवं विशेषकर वारासिवनी तहसील के पदाधिकारियों से संपर्क कर सकते है। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष मध्यप्रदेश होगें। अध्यक्षता आर.डी.बंसोड अध्यक्ष वारासिवनी तहसील शाखा., प्रमुख अतिथियों में आर .के.कठाने प्रदेश सचिव एवं केन्द्रीय शिक्षक, आयुनि.हेमलता डोंगरे प्रदेश उपाध्यक्ष एवं केन्द्रीय शिक्षिका, राजकपुर कामडे प्रदेश कार्या. सचिव एवं केन्द्रीय शिक्षक, धमेन्द्र कुरील पूर्व प्रदेश सचिव, अशोक कुमार मेश्राम जिला अध्यक्ष बीएसआई बालाघाट,विशिष्ट अतिथियों में धनराज

रामटेके जिला संघठक, इंजीनियर आनंद बंसोड, सामाजिक चिंतक वारासिवनी, आयुनि.प्रमीला ताई चौहान जिला कोषाध्यक्ष, सभी जिला उपाध्यक्ष, सभी तहसीलों के अध्यक्ष गण, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होगें। कार्यक्रम का संचालन वारासिवनी तहसील महामंत्री अभिराज मेश्राम एवं मुकेश पटले नगर अध्यक्ष करेगें।

अनुविभागीय अधिकारी ने किया बालिका छात्रावास का निरीक्षण

अस्पताल संचालन के लिए एसडीएम ने किया स्थान चिन्हित, जल्द नवीन भवन का निर्माण कार्य होगा प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय परिसर के बालिका छात्रावास का 4 दिसंबर को अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा स्वास्थ्य विभाग की उपस्थिति में गहन निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण मुख्य रूप से स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश देने और अस्पताल के नवीन भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने तक उसके अस्थाई संचालन के लिए वैकल्पिक स्थान चिन्हित करने के उद्देश्य से किया गया है। लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का नवीन भवन का निर्माण किया जाना है। जिसके लिए करोड़ों रूपयों की राशि स्वीकृत हो चुकी है किन्तु अस्पताल के संचालन के लिए अस्थाई भवन नही मिलने के कारण निर्माण कार्य में विलंब हो रहा है। जबकि लंबे समय से क्षेत्रीयजनों के द्वारा सर्वसुविधायुक्त नवीन भवन का निर्माण करवाने की मांग की जा रही है। इसी को मद्देनजर रखते हुए एसडीएम के द्वारा गुरूवार को कालेज स्थित बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया गया है और उक्त स्थान पर अस्थाई रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा का संचालन किये जाने स्थान चिहिन्त करने की प्रक्रिया की गई है क्योंकि पुराने स्थान पर ही नवीन भवन का निर्माण हो सके और अस्पताल का संचालन भी सुचारू रूप से हो सके। वहीं एसडीएम ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिये है कि जल्द अपनी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर अस्थाई रूप से बालिका छात्रावास में अस्पताल का संचालन करें भवन निर्माण होते तक। एसडीएम के द्वारा अस्पताल संचालन के लिए स्थान चिहिन्त करने कालेज स्थित बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया गया है। जिससे ऐसा लग रहा है कि जल्द नवीन अस्पताल के भवन का निर्माण कार्य शुरू होने वाला है। वहीं सर्वसुविधायुक्त अस्पताल का भवन बनने से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं भी क्षेत्रीयजनों को उपलब्ध होगा। क्षेत्रीयजनों से जल्द नवीन अस्पताल के भवन का निर्माण कार्य करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

बालिका छात्रावास में जल्द शिफ्ट होगा अस्पताल

आपको बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है। इस बहुप्रतीक्षित भवन के निर्माण की प्रक्रिया एक माह के भीतर प्रारंभ होने की संभावना है और यह नया अस्पताल भवन पुराने स्थान पर ही बनाया जाना है। इस कारण पुराने भवन को ध्वस्त करने और नवीन निर्माण कार्य शुरू होने की अवधि के दौरान अस्पताल की सेवाओं को निर्बाध जारी रखने के लिए एक अस्थाई संचालन स्थल की आवश्यकता थी। इसी आवश्यकता को देखते हुए 4 दिसंबर को अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा शासकीय महाविद्यालय परिसर में स्थित बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया गया और इस निरीक्षण का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना था कि छात्रावास की इमारत अस्पताल के अस्थाई संचालन के लिए उपयुक्त है या नहीं। इस दौरान एसडीएम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। ताकि जल्द से जल्द अस्पताल को निर्माण कार्य तक यहां शिफ्ट करके सुचारू रूप से संचालित किया जा सके और यह कदम क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत है, क्योंकि इससे अस्पताल निर्माण के दौरान भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लगातार मिलता रहेगा।

इनका कहना है-

अस्पताल के नवीन भवन का निर्माण पुराने स्थान पर ही एक माह के भीतर शुरू होना है। निर्माण कार्य के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को बाधित होने से बचाने के लिए, अस्पताल का संचालन अस्थाई रूप से बालिका छात्रावास में शिफ्ट किया जायेगा। निरीक्षण का उद्देश्य जल्द से जल्द शिफ्टिंग प्रक्रिया को पूरा करके निर्बाध सेवा सुनिश्चित करना था।

कार्तिक जायसवाल
अनुविभागीय अधिकारी
वारासिवनी

अमोली में शिव शक्ति महिला समिति ने महात्मा ज्योतिबाराव फुले की मनाई 135 वीं पुण्यतिथि

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में ग्राम मरार माली समाज सचिव जितेन्द्र 'पप्पू' पंचेश्वर के निवास स्थान में शिव शक्ति महिला समिति अमोली के द्वारा बुधवार की शाम में देश के महान क्रांतिकारक, समाज सुधारक, विचारवंत व महिला सशक्तिकरण की नींव रखने वाले क्रांतिकारी महात्मा ज्योतिबाराव फुले की 135 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। यह कार्यक्रम शिव शक्ति महिला समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया। इस अवसर पर उपस्थित समिति के पदाधिकारी एवं साजजिक बंधुओं ने महान क्रांतिकारक, समाज सुधारक, विचारवंत व महिला सशक्तिकरण की नींव रखने वाले क्रांतिकारी महात्मा ज्योतिजराव फुले व माता सावित्रीबाई फुले के जीवन गाथाओं पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलकर समाज व देशहित में काम करने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि महात्मा 'योतिबाराव फुले जी एक महान समाज सुधारक थे और जीवन पर्यन्त हर समाज के हित में काम किया एवं उस समय नारी शिक्षा को महत्व नही दिया जाता था। इसके विरोध में उन्होने अपनी पत्नि सावित्रीबाई फुले को पढ़ाकर दोनों ने नारी शिक्षा पर जोर दिया जिससे वर्तमान में महिलाएं भी पुरूषों की भांति हर क्षेत्र में काम कर रही है। इसलिए हम सभी को महापुरूषों के बताये मार्ग पर चलकर समाजोत्थान एवं देशहित में काम करना चाहिए। इस अवसर पर शिव शक्ति महिला समिति के पदाधिकारी श्रीमती टिलेश्वरी पंचेश्वर, श्रीमती रीना पंचेश्वर, श्रीमती रीना पंचेश्वर, सुनीता खैरवार, श्रीमती मोना पंचेश्वर, श्रीमती नीलम पंचेश्वर, संगीता राणा, श्रीमती अनिता पंचेश्वर सहित अन्य समिति सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कल मनाया जायेगा बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण दिवस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हद्यस्थल बस स्टैंड में स्थित भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर के प्रतिमा स्थल में जिला बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा के तत्वाधान में 6 दिसंबर को प्रात: 8 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया जायेगा। तत्संबंध में जानकारी देते हुए जिला बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा महासचिव ताराचंद कावड़े ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लालबर्रा बस स्टैण्ड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल में 6 दिसंबर को प्रात: 8 बजे महापरिनिर्वाण दिवस मनाया जायेगा। साथ ही अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये गये है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील जिला बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा महासचिव ताराचंद कावड़े ने की है।

देवरी से ददिया पहुंच मार्ग स्वीकृत होने पर देवरी सरपंच सहित ग्रामीणों ने विधायक का जताया आभार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर ग्राम पंचायत देवरी से ददिया पहुंच मार्ग खराब हो जाने से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। वहीं इस सड़क की समस्या को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार भी प्रकाशित किया गया था। साथ ही ग्राम पंचायत देवरी सरपंच श्रीमती प्रमिला मुन्नालाल पटले एवं ग्रामीणजन भी क्षेत्रीय विधायक एवं जिला पंचायत अध्यक्ष से उक्त सड़क का जल्द निर्माण करवाने की मांग कर रहे थे। वहीं ग्रामीणों की समस्या को लेकर खबर प्रकाशन होने के बाद बालाघाट विधायक श्रीमती मुंजारे ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में लंबित मांग देवरी से ददिया पहुंच मार्ग निर्माण की स्वीकृति दिलवाई है और इस मार्ग का निर्माण के लिए 436.50 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। देवरी से ददिया पहुंच मार्ग स्वीकृत होने पर क्षेत्रीयजनों में हर्ष व्याप्त है और देवरी सरपंच श्रीमती प्रमिला मुन्नालाल पटले सहित ग्रामीणजनों ने विधायक श्रीमती मुंजारे का आभार व्यक्त करते हुए जल्द सड़क का निर्माण कार्य करवाने की मांग की है। चर्चा में देवरी सरपंच श्रीमती प्रमिला पटले ने बताया कि देवरी से ददिया पहुंच मार्ग खराब हो चुका है एवं मंडईटोला के समीप नदी किनारे से आधी सड़क धसक चुकी है। जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। सड़क की समस्या को लेकर विगत दिवस बालाघाट विधायक श्रीमती मुंजारे को अवगत करवाया गया था, जिन्होने हमें आश्वास्त किया था कि आपकी समस्या का समाधान किया जायेगा। श्रीमती पटले ने बताया कि विधायक श्रीमती मुंजारे के द्वारा देवरी से ददिया पहुंच मार्ग निर्माण के लिए करोड़ों रूपयों की राशि स्वीकृत करवाई गई है। उक्त राशि से सड़क का निर्माण होने से आवागमन में हो रही परेशानियों से ग्रामीणजन एवं राहगीरों को निजात मिलेगी। सड़क स्वीकृत करवाने पर हम सभी ग्रामीणजन विधायक श्रीमती मुंजारे का आभार व्यक्त करते है और इसी तरह ग्राम विकास में सहयोग करने की अपील करते है। देवरी से ददिया पहुंच मार्ग स्वीकृत होने पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे का आभार व्यक्त करने वालों में सरपंच श्रीमती प्रमिला पटले, उपसरपंच अशोकनाथ बडगुजर, पूर्व सरपंच सेवकराम पटले, ग्राम मंडल अध्यक्ष मनीराम भोयर, ददिया सरपंच श्रीमती ऋषी पंक्षी भलावी, कैलाश नखाते, मुन्नालाल पटले, हनुमान ठाकरे, सुरज श्रीनील, अनवर कुरैशी, ईश्वरी बाहेश्वर, दुर्गा बाहेश्वर, कृष्णा चौरे, कोमल शिव, गजानंद गौतम, मुरलीधर गौतम, लक्ष्मण अर्जुनवार सहित अन्य ग्रामीणजन शामिल है।

बिरसोला नाले पर 60 बोरियों का बोरी बंधान कार्य संपन्न

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बिरसोला में म.प्र. जन अभियान परिषद के तत्वाधान में 4 दिसंबर को जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बिरसोला के द्वारा बड़गुड़ नाले पर 60 बोरियों का बोरी बंधान कार्य किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्षा के जल का संचयन कर भूजल स्तर को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम जिला समन्वयक सुशील बर्मन और विकासखंड समन्वयक श्रीमती बैजन्ती कटरे के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जिसमें पुष्पा नागेश्वर और जन अभियान परिषद के परामर्शदाता श्री हरिनखेड़े की विशेष उपस्थिति रही। वहीं श्री हरिनखेड़े ने स्वयंसेवकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे बोरी बंधान कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वहीं बोरी बंधान कार्य पूर्ण होने के बाद ग्राम पंचायत भवन में जल संरक्षण जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने जल है तो कल है, जल ही जीवन है के सशक्त संदेश पर बल देते हुए ग्रामीणों को जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन और संरक्षण की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समिति की बैठक में बनी आगे की रूपरेखा जल संरक्षण के प्रयासों को दीर्घकालिक स्वरूप देने हेतु ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बिरसोला की बैठक समिति अध्यक्ष पदमलाल तामेकर के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में भविष्य में चलाये जाने वाले जल संरक्षण, वृक्षारोपण और ग्राम विकास अभियानों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही एमएसडब्ल्यू और बीएसडब्ल्यू के अध्यनरत सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई है। क्षेत्र में जल संकट समाधान की दिशा में कदम जन अभियान परिषद और ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बिरसोला के इस संयुक्त प्रयास को क्षेत्र में जल संकट से निपटने और प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण और अनुकरणीय कदम माना जा रहा है। ग्रामीणों ने भी संकल्प लिया कि वे जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनायेगें और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सहेजने का दायित्व निभायेगें। इस अवसर पर पंचायत सचिव शंकरलाल मातरे, समिति सदस्य दयावंती भगत, माया कानतोड़े, सविता उके, कमलेश चौरागड़े सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ महिलाओं का शंखनाद!!

साल्हे ला. की महिलाओं ने भरी हुंकार, थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत साल्हे ला. में अवैध कच्ची एवं पक्की शराब की बिक्री के खिलाफ अब गांव की महिलाओं ने निर्णायक मोर्चा खोल दिया हैं। वहीं नशे के कारण ग्राम का जो माहौल खराब हो रहा है एवं परिवार में वाद-विवाद हो रहे है। उस पर रोक लगाने, ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए ग्राम की महिलाएं एक जुट हो चुकी है। वहीं नशे के खिलाफ महिलाओं ने शंखनाद करते हुए ग्राम में नशा मुक्ति समिति का गठन कर ग्राम को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लेकर कार्य कर रही है। नशा मुक्ति समिति साल्हे ला. के बैनर तले सैकड़ो महिलाएं 4 दिसंबर को थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर ग्राम में अवैध शराब बिक्री करने वालों को कठोर कार्यवाही कर विक्रय पर प्रतिबंध लगाने एवं ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से महिलाओं ने थाना प्रभारी से मुलाकात कर अपनी समस्या से अवगत करवाते हुए कहा कि ग्राम में अवैध कच्ची शराब की बेलगाम बिक्री के कारण हमारे ग्राम का नाम क्षेत्र में खराब हो रहा है। इस जहरीले धंधे से ग्राम के युवा, बड़े सभी शराब पीने के आदि हो रहे है और नशे की हालत में लड़ाई-झगड़े भी करते है जिससे विवाद की स्थिति भी निर्मित हो रही है। साथ ही अन्य ग्रामों के लोग भी गांव में आकर शराब का सेवन करते है जिससे हमारा ग्राम एकतरह से नशे का अड्डा बन चुका है।

जिसके कारण असामाजिक और अवैध गतिविधि का सबसे बुरा खामियाजा महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है क्योंकि अवैध शराब के सेवन से घरों में हिंसा, अशांति और दरिद्रता फैल रही है। साथ ही यह भी कहा कि पुरूष वर्ग नशे में धुत होकर घरों में मारपीट और कलह कर रहे हैं, जिससे बच्चों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि अवैध रूप से कच्ची एवं पक्की शराब विक्रय करने वालों पर कठोर कार्यवाही करें एवं शराब विक्रय पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाये। इस अवसर पर नशा मुक्ति समिति के पदाधिकारी एवं महिलाएं उपस्थित रहे।

महिलाओं ने किया नशा मुक्ति समिति का गठन

अनेक बार प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी कार्यवाही नहीं होने और प्रशासन की तरफ से कोई ठोस पहल न होते देख। साल्हे ला. की जागरूक महिलाओं ने खुद ही हालात बदलने की ठान ली है और उन्होंने मिलकर गांव में हो रही अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने के लिये एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर गांव को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से नशा मुक्ति समिति का गठन किया है। जिसका मुख्य लक्ष्य गांव में हो रही अवैध शराब बिक्री पर स्थायी रूप से रोक लगाना और सामाजिक जागृति लाना है। समिति की सदस्यों ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर अपील की है कि वे इस जन-कल्याणकारी पहल में उनका सहयोग करें और शराब के अवैध अड्डों पर छापा मारकर वैधानिक कार्यवाही कर ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें।

नशे से बर्बाद हो रहे है घर - रीना

श्रीमती रीना हरिनखेड़े ने बताया कि शराब की अवैध बिक्री से गांव का माहौल खराब हो रहा है और अन्य गांव के लोग भी आकर शराब का सेवन करके ग्राम के वातावरण को दूषित कर रहे है। जिससे सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को होती है क्योंकि नशे की हालत में पुरूष वर्ग महिलाओं के साथ मारपीट व गाली गलौच करते है। जिससे घरों में अशांति फैल रही है और शराब के नशे की वजह से घर बर्बाद हो रहे है। श्रीमती हरिनखेड़े ने बताया कि अवैध रूप से शराब बेचने वालों को समझाईश देने के बाद भी गांव में शराब की बिक्री बंद नहीं हो रही है। इसलिए महिलाओं ने नशा मुक्ति समिति का गठन किया है और गुरूवार को थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर नशामुक्ति अभियान में सहयोग करने की मांग की है।

ग्राम को बनाना है नशा मुक्त - अर्चना

श्रीमती अर्चना पटले ने बताया कि नशे के कारण सामाजिक और आपराधिक समस्या गंभीर रूप ले चुकी हैं, जिनमें घरेलू हिंसा बढ़ते जा रही है और हाल ही में हुई एक हत्या की घटना शामिल है, जहां एक भाई ने नशे की हालत में अपने बड़े भाई की हत्या कर दी। इसके अलावा नशे के चलते आत्महत्या के मामले सहित अन्य घटनाएं घटित हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि गांव में जगह-जगह अवैध रूप से शराब की बिक्री होने से लोग शराब पीने के आदि हो रहे है जिसके कारण शराब पीने वाले व्यक्ति के परिवार के लोग सबसे अधिक परेशान है। श्रीमती पटले ने बताया कि समिति का गठन कर लोगों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में अवगत करवाने के साथ ही अवैध रूप से शराब विक्रय करने वालों को समझाईश दी जा रही है और यह सामूहिक प्रयास ग्राम को सुरक्षित एवं बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है इसलिए पुलिस प्रशासन से भी मांग है कि ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें।

वारासिवनी नगर में आवारा श्वानों के आतंक से नागरिक परेशान!!

जय स्तंभ चौक पर आवारा श्वान से तीन लोग घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर सहित क्षेत्र में आवारा श्वान की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। जिसके कारण राहगीर नगरवासी एवं ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर हर किसी के द्वारा नगर पालिका एवं पशु चिकित्सालय से इस संबंध में कार्यवाही करने की मांग की जा रही है। ताकि लगातार हो रहे आवारा श्वान के हमले से बचा जा सके। इस विषय को लेकर कई बार नगरवासियों के द्वारा भी आवाज उठाई गई। परंतु आज तक आवारा श्वान पर कार्यवाही संभव नहीं हो पाई है ,जिस कारण से लोगों में आवारा श्वान का डर और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश भरा हुआ है। इसी कड़ी में ३ दिसंबर की देर शाम एक अज्ञात आवारा श्वान के द्वारा जय स्तंभ चौक स्थित दुकानदारों को काट लिया गया। जिसमें संजय वासनिक ,रफीक खान और प्रदीप महेरबान घायल हुए हैं। इनका उपचार सिविल अस्पताल में किया गया वर्तमान में नगर सहित क्षेत्र में कई स्थान है जहां पर सामूहिक रूप से आवारा श्वान एकत्रित रहते हैं। जो लोगों के वाहनों के पीछे दौड़ने का भी काम करते हैं जिसमें कई बार आवारा श्वान उन्हें कई बार काट लेते हैं तो कई बार वह दुर्घटनाग्रस्त भी हो जाते हैं।

कई बार हमले में हो चुकी है घटना

शासकीय सिविल अस्पताल में प्रतिदिन डॉग बाइट के मामले आते रहते हैं यह विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के मामले होते हैं जहां पर एक से दो व्यक्तियों को आवारा श्वान के द्वारा काट दिया जाता है। परंतु नगर में बीते १ वर्ष में कई बार हमले की घटना हो चुकी है। जिसमें आवारा श्वान के द्वारा हर बार ६ लोगों को नुकसान पहुंचाया गया है। जिसमें कई बार नन्ही बालिकाओं पर भी यह हमला आवारा श्वान के द्वारा किया जा चुका है। हाल ही में १३ से १४ अक्टूबर के मध्य जय स्तंभ चौक पर आवारा श्वानों के द्वारा लोगों पर हमला किया गया था। वहीं ३ दिसंबर को पुन: तीन व्यक्ति को जय स्तंभ चौक पर आवारा श्वान ने काट लिया।

इन मार्गो पर श्वान का रहता है डेरा

नगर में वर्तमान में टोली बनाकर आवारा श्वान घूमते हुए आसानी से नजर आ रहे हैं जिससे आम इंसान को खतरा बना हुआ है। इसके पूर्व भी इनके द्वारा नगर में विभिन्न घटनाएं की जा चुकी है। अभी रामपायली रोड़ टेलिफोन एक्सचेंज के सामने, बालाघाट रोड ,देवधर मैदान के आगे, लालबर्रा रोड़ पर, गोलीबारी चौक पर, जय स्तंभ पर आवारा श्वान की टोली दिन में कम रात्रि के समय ज्यादा विचरण करते है। वह आने जाने वाले वाहनों पर भोंकते हुए वाहन के पीछे तेजी से दौडऩा प्रारंभ कर देते हैं। ऐसे में चालक को श्वान के लपकने और काटकर घायल करने का डर लगा रहता है। जिसके कारण कभी कभी हादसे भी घटित हो जाते हैं और ऐसे कुछ हादसे हुए हैं। पर गंभीर चोटिल ना होने से वह वापस अपने घर चले गये। परंतु इन स्थानों पर लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नगर में घुम रहे आवारा श्वान को नपा ने पकड़ना चाहियें- रफीक

घायल रफीक खान ने बताया कि मैं अपनी दुकान में बैठा था तभी आवारा श्वान आया और पैर में काट लिया। मेरी दुकान जय स्तंभ चौक पर है मेरे अलावा दो से तीन और लोग हैं जिनके साथ यह हुआ। अचानक वह श्वान घूमते हुए आया और पैर के पास में आया तो उसे भगाया तो थोड़ी दूर जाकर वापस आकर फिर लपक गया। मेरे बाद यह कमलापत के कर्मचारी संजू को काटा और फिर प्रदीप मेहरबान को काटा। आवारा श्वान की बहुत ज्यादा संख्या बढ़ गई है बहुत सारे बड़े.बड़े १० से २० आवारा श्वान एक साथ रहते हैं। सुबह शाम यह चौक पर घूमते रहते हैं सभी को डर लगा हुआ है।

आवारा श्वान से नगर वासी बहुत परेशान है-प्रदीप

घायल प्रदीप मेहरबान ने बताया कि मैं जय स्तंभ चौक पर अपनी दुकान बंद कर रहा था। तभी श्वान आया और अचानक वह पैर में झपट गया लावारिस श्वान बहुत है मोहल्ले के लोग बहुत ज्यादा परेशान हैं। यह सड़क किनारे खड़े रहते हैं मोटरसाइकिल फोर व्हीलर सभी के पीछे दौड़ते हैं और कई बार मोटरसाइकिल से चल रहे व्यक्ति को लपक जाते हैं। इनके दौड़ने से लोग मनमाना परेशान है हमारे पैर में भी स्वान के काटने से खून निकला है । यह घटना जय स्तंभ चौक पर कमलापत के पास की है। वहां रोजाना आवारा श्वान घूमते रहते हैं जमघट लगा रहता है झुंड में और अकेले घूमते हैं गाड़ियों पर लपटी हैं बहुत ज्यादा समस्या है। नगर पालिका ने आवारा श्वान को पकड़ना चाहिए इस मार्ग में स्कूल कॉलेज के छोटे से बड़े सभी प्रकार के विद्यार्थी पैदल साइकिल से आना जाना करते हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के भी लोग आते हैं बहुत दिक्कत है।

इनका कहना है

मौखिक चर्चा में बताया कि नगर में आवारा श्वान को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जाना है। जिसके लिए तैयारी की जा रही है जल्द ही कार्यवाही प्रारंभ कर दी जायेगी।

सूर्यप्रकाश उके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
वारासिवनी

खेत से लकड़ी लाने के दौरान जंगली सुअर ने किया हमला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा निवासी भूपेंद्र पटले बुधवार की शाम करीब ५ बजे जंगली सूअर के हमले से गंभीर रूप से घायल हो गया। इसमें बताया जा रहा है कि किसान अपने खेत में लकड़ी लाने के लिए गया था उस दौरान यह हादसा हो गया। जिसका उपचार किया गया जहां उनका उपचार जारी है। विदित हो की क्षेत्र की अधिकांश आबादी कृषि कार्य से जुड़ी हुई है जिनके द्वारा खेतों में उपज लगाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर जीवन निर्वाह किया जाता है। परंतु उक्त विषय में जंगली सूअर एक बड़ी समस्या बनी हुई है जिसके द्वारा खेती में लगी हुई उपज को नुकसान पहुंचाया जाता है तो वहीं खेत में कार्य कर रहे मजदूर किसान पर हमला भी कर दिया जाता है। जिसमें उन्हें नुकसान झेलना पड़ता है बीते दिनों ही जंगली सूअर के हमले से एक व्यक्ति की मौत और दो व्यक्ति घायल हुए थे। ऐसे में लगातार किसानों में जंगली सूअर का भय बना हुआ है जो काफी आक्रोशित हैं जिनके द्वारा वन विभाग से इस ओर कार्यवाही करने की मांग की जा रही है। चर्चा में घायल भूपेंद्र पटले ने बताया कि हम खेती किसानी करते है अभी हमारे खेत में कृषि कार्य हो गया है। लकड़ी लाने के

सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भूपेंद्र पिता भेजनलाल पटले ४२ वर्ष सिकंद्रा निवासी पेशे से कृषक है। जो खेती किसानी कर अपना जीवन व्यापन करते हैं वर्तमान में धान कटाई हो चुकी है। ऐसे में वह अपने खेत मे लकड़ी लाने के लिए गए हुए थे। इस दौरान वह खेत में लकड़ी जमा कर रहे थे तभी जंगली सूअर के द्वारा उनके ऊपर हमला कर दिया। इस दौरान आस पड़ोस के लोगों के द्वारा दौड़कर सभी जंगली सूअर को खदेड़ा गया। किंतु इस दौरान जंगली सूअर के द्वारा किसान भूपेंद्र को दो बार उठाकर जमीन पर जोरदार पटकनी दी गई। इसके बाद घायल को उसके घर ले जाकर परिजनों को सूचना दी गई जहां से परिजनों के द्वारा भूपेंद्र पटले को सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती लिए मैं गया हुआ था जिसके लिए शाम ५ बजे हम खेत गए हुए थे जहां अचानक जंगली सूअर के द्वारा हमला कर दिया गया। जिसमें आस पड़ोस वालों ने बचाया हमारे ग्राम में बहुत ज्यादा सुअरो का आतंक हो गया है। अकेले कोई भी खेत नहीं जाता है हमेशा इनका डर बना रहता है। यह खेत में फसल को नुकसान पहुंचाते है और हम जैसे लोगों पर हमला भी करते हैं। पिछले कुछ वर्षों से बहुत ज्यादा खराब स्थिति हो गई है इस पर शासन प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। क्योंकि हमें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । हमेशा डर लगा रहता है खेत में किधर से जंगली सूअर आ जायेगा यह देखते रहते हैं। इस दुर्घटना में मेरे हाथ पैर कमर सहित शरीर के विभिन्न स्थानों पर चोटे आई है।

भगवान दत्तात्रेय जयंती का हुआ आयोजन

दत्तात्रेय मंदिर में हुए विभिन्न आयोजन

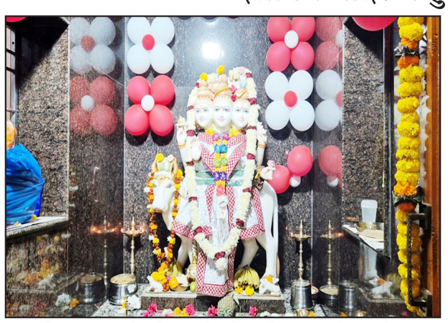

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में रामपायली रोड़ स्थित भगवान दत्तात्रेय मंदिर में ४ दिसंबर को दत्तात्रेय जयंती का आयोजन किया गया। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मंदिर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिर में सुबह से भक्तों के द्वारा उपस्थिति दर्ज करा कर भगवान दत्तात्रेय का आशीर्वाद ग्रहण किया जाता रहा। जिसमें सुबह विधि विधान से भगवान दत्तात्रेय का पूजन अर्चन तत्पश्चात दोपहर में भगवान का अभिषेक किया गया। जिसके बाद विशेष पूजा अर्चना के साथ हवन पूजन कर महाआरती करने के उपरांत महाप्रसाद के रूप में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तजनों ने उपस्थित होकर भगवान दत्तात्रेय का आशीर्वाद ग्रहण किया। दत्तात्रेय जयंती हर वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार यह हर साल मार्गशीर्ष अगहन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता है की भगवान दत्तात्रेय को ब्रह्मा, विष्णु और महेश त्रिदेव तीनों का संयुक्त अवतार माना गया है। इस दिन भगवान दत्तात्रेय की पूजा करने से साधक को एक साथ ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ज्ञान और शांति की प्राप्ति भगवान दत्तात्रेय को योगियों का गुरु, आदि गुरु और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। उनकी उपासना से आत्मिक शांति, ज्ञान,धैर्य और आध्यात्मिक शक्ति मिलती है। सच्चे मन से की गई पूजा से साधक की सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। भगवान दत्तात्रेय ने प्रकृति और जीवों को अपना गुरु मानकर उनसे जीवन जीने की महत्वपूर्ण सीखें प्राप्त की थीं। उनकी जयंती हमें सरल जीवन, संयम और आत्मज्ञान का संदेश देती है। भगवान दत्तात्रेय ने यह सिद्ध किया कि ज्ञान हमें किसी भी वस्तु या व्यक्ति से प्राप्त हो सकता है बशर्ते हमारे अंदर सीखने की जिज्ञासा हो। उन्होंने प्रकृति और सामान्य जीवन की विभिन्न चीजों को अपना गुरु माना। चर्चा में मंदिर समिति सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर मंदिर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जिसमें पूजन अर्चन हवन पूजन व भंडारा कराकर कायक्रम का समापन किया गया। जिसमें भगवान दत्तात्रेय से नगर की सुख शांति समृद्धि बनाये रखने की कामना की गई है। यह मंदिर काफी पुराना है जहाँ नगर ही नही आसपास के लोग भी आते है जो भगवान का आशीर्वाद ग्रहण करते है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ट्रेन से गिरने पर विजय पटले हुआ गंभीर रूप से घायल

रूपयो की कमी से घायल का घर में चल रहा उपचार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरगांव के ग्राम महाराजपुर वार्ड नंबर १७ निवासी विजय पटले १ दिसंबर को ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना गोंदिया से बालाघाट आ रही ट्रेन में घटित हुई जिसमें घायल को उपचार के लिए बालाघाट चिकित्सालय में भर्ती किया गया। जहां से बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रिफर किया गया परंतु परिजनों ने आर्थिक स्थिति को देखते हुए घायल को घर ला लिया जहां उसका उपचार जारी है। इस संबंध में घायल को परिजनों के द्वारा नागपुर ले जाने की भी बात कही जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ४२ वर्षीय विजय पिता चंदन लाल पटले निवासी महाराजपुर वार्ड नंबर १७ बीते डेढ़ वर्ष करीब से गोंदिया में निवासरथ था। जो वारासिवनी महाराजपुर आना जाना करता था गोंदिया महाराष्ट्र में वह मजदूरी करने के लिए गया हुआ था। जहां से वह हर बार की तरह महाराजपुर आने के लिए गोंदिया से बालाघाट वारासिवनी ट्रेन से निकलता था। इस दौरान वह दरवाजे के समीप खड़ा था ऐसे में रेलवे स्टेशन खारा के पास में अचानक वह चलती ट्रेन से बाहर गिर गया। जिससे मौके पर वह गंभीर रूप से घायल हो गया था घटना की जानकारी तत्काल ट्रेन चालक के द्वारा रेलवे स्टेशन को दी गई। जिन्होंने उसे सुरक्षित स्टेशन में लाकर उसके भाई को दूरभाष पर सूचना दी गई। जिसके द्वारा मौके पर पहुंचकर अपने भाई को जिला चिकित्सालय बालाघाट में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां विजय पटले का उपचार करने के उपरांत हायर सेंटर रिफर कर दिया गया । किंतु भाई के द्वारा रुपये की कमी को देखते हुए घायल को ३ दिसंबर को घर ला लिया गया। जहां ग्रामीणों के द्वारा घायल से चर्चा की गई घटना की जानकारी लेकर उसके भाई को नागपुर एम्स या मेडिकल में ले जाने के लिए सुझाव दिया गया। वहीं ग्रामीणों के द्वारा बैठकर घायल के भाई से चर्चा भी की गई। इस दुर्घटना में विजय पटले को पसलियां रीड की हड्डी सहित अन्य स्थानों पर गंभीर चोटें आई है। जिसके कारण वह उठना बैठना भी नहीं कर पा रहा है ऐसे में ग्रामीणों की समझाइस पर उसके भाई के द्वारा नागपुर ले जाए जाने की बात कहीं जा रही है। परंतु घायल का वर्तमान में घर पर ही उपचार जारी है। इस संबंध में सरपंच प्रतिनिधि दीपक भगत ने बताया कि विजय पिता चंदन लाल पटले हमारे ग्राम का युवक है जो गोंदिया में रहता था। शायद मजदूरी करता था डेढ़ वर्ष पहले से वह गोंदिया में था १ दिसंबर को वापस आते समय वहां ट्रेन से खारा स्टेशन पर गिर गया था। उसके भाई ने बालाघाट अस्पताल में भर्ती कराया था जिसे अभी घर ला लिया गया है। हम मुलाकात करने गए थे तो बताया कि रुपये की कमी के कारण बड़े अस्पताल नहीं ले जा पाया। ऐसे में उसे नागपुर के सरकारी अस्पताल जहां अच्छा इलाज होता है वहां ले जाने के लिए सुझाव दिया गया है।

इंडोर स्टेडियम में १२ से ओपन बैडमिंटन कप प्रतियोगिता का होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के इंडोर स्टेडियम में १२ से १४ दिसंबर तक ओपन बैडमिंटन कप प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें जिले सहित अन्य जिलों के बैडमिंटन खिलाडी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे । आयोजक समिति के संरक्षक पंकज परते ने बताया कि स्थानीय नवोदित बैडमिंटन खिलाडियों को अवसर प्रदान करने एवं बैडमिंटन खेल की बारिकियां सीखने की मंशा से यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है । इस प्रतियोगिता में जिले सहित अन्य जिलों के खिलाडी भी शामिल होंगे । प्रतियोगिता को ५ वर्गों में बाटा गया है जिसमें अंडर १५ बालक वर्ग सिंगल, ओपन बालक सिंगल, ओपन बालक डबल्स, ओपन बालिका सिंगल्स, अनुभवी डबल्स सिर्फ ३५ वर्ष की आयु से अधिक के लिए शामिल है । उक्त प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता को नगद राशि एवं चमचमाती ट्राफी प्रदान की जायेगी । पंकज परते ने बताया कि प्रतियोगिता के सभी मैच योनेक्स ३५० शटल कॉक से खेला जायेगा । सेमी फायनल बेस्ट आफ थ्री 1१५-१५ पाईट के होंगे । फायनल २१ पाईट के बेस्ट आफ थ्री होगा । पंकज परते ने बताया कि नगर में इंडोर स्टेडियम बन जाने से नवोदित बालक बालिकाओं में इंडोर गेम के प्रति रूझान बढा है। उनके द्वारा विगत ३ वर्षों से वह नगर के लगभग आधा सैकडा से अधिक ६ वर्ष की आयु से लेकर सभी उम्र के खिलाड़ी बैडमिंटन खेल के गुर सीख रहे है । प्रति दिन प्रात: एवं सायंकाल में दोनो सिफ्टों में दोनो कोर्ट में अभ्यास कराया जाता है नगर के अनेक खिलाडियों ने बाहर जाकर अपने बैडमिंटन खेल के बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर कई पुरूस्कार प्राप्त कर आयोजकों एवं वरिष्ठ खिलाडियों की सराहना पाई है । नवोदित खिलाडियों में प्रतियोगी भावना जाग्रत करने एवं खेल की अन्य बारिकियां सीखने के लिए ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

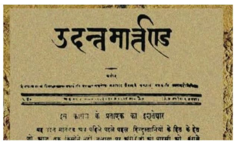

मोबाइल निर्माताओं को स्मार्टफोन में संचार साथी एप को प्री-इंस्टॉल करने के आदेश के बाद छिड़ा विवाद बेशक सरकार के फैसला वापस लेने के बाद समाप्त हो जाए, लेकिन ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल सुरक्षा व नागरिकों की निजता का व्यापक प्रश्न अब भी अनुत्तरित ही है।

निजता का सवाल और देश

मोबाइल निर्माताओं को भारत के लिए बनने वाले स्मार्टफोन में संचार साथी एप को अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने के आदेश पर छिड़े विवाद के बाद सरकार ने पहले इसके अनिवार्य न होने और फिर अपना फैसला वापस लेते हुए एप के प्री-इंस्टॉलेशन के जरूरी न होने की घोषणा कर सभी तरह के विवादों को विराम देने की कोशिश की है। उल्लेखनीय है कि संचार मंत्रालय ने 28 नवंबर के अपने शुरुआती आदेश में सभी स्मार्टफोन विनिर्माताओं और आयातकों के लिए नए फोन पर सरकार द्वारा संचालित साइबर सुरक्षा एप संचार साथी को प्री-इंस्टॉल करना और पुराने फोन में सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिये इंस्टॉल करना जरूरी बताया था। विपक्ष के जासूसी एप के आरोपों के बीच गूगल और एपल जैसी कंपनियां भी लोगों की निजता और सिस्टम की सुरक्षा के नाम पर सरकार के इस आदेश के विरोध में जाती दिख रही थीं। सवाल उठता है कि इसकी क्या गारंटी है कि इन निजी कंपनियों के मोबाइल फोनों में जो पहले से इंस्टॉल एप होते हैं, उनमें उपभोक्ता की निजी जानकारियां सुरक्षित होती हैं। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन दुनिया में जब व्यक्ति सब्जी-फल से लेकर हर तरह की खरीदारी के लिए मोबाइल एप पर निर्भर है, तब उपभोक्ता को भी शायद याद न आता हो कि उसने अपनी निजी जानकारियां कहां-कहां साझा की हैं। इस स्थिति में उसकी निजता व सुरक्षा की जिम्मेदारी और भी जरूरी हो जाती है। यह तब तो और भी ज्यादा महत्वपूर्ण है, जब पिछले चार वर्षों में साइबर धोखाधड़ी के मामलों में करीब 900 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि शीर्ष न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की पीठ ने भी 2017 के केएस पुट्टास्वामी मामले में अपने फैसले में एकमत से निजता के अधिकार को भारत के संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार के तौर पर मान्यता दी थी। इस परिदृश्य में एक सही मंशा के साथ सरकार ने हर व्यक्ति की निजता की रक्षा और ऑनलाइन ठगी से उसके बचाव के

लिए 2023 में संचार साथी पोर्टल और इस वर्ष की शुरुआत में इसका एप भी जारी किया। इस एप की मदद से अब तक सात लाख से अधिक गुमशुदा फोन मिले हैं और करीब 40 लाख से अधिक फर्जी कनेक्शन बंद किए गए हैं। इतने कम समय में 1.4 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं का इसे डाउनलोड कर लेना इसकी जरूरत और लोकप्रियता की कहानी को ही दर्शाता है। बहरहाल, सरकार ने आदेश भले ही वापस ले लिया हो, पर यह जरूर कहा जा सकता है कि तेजी से ऑनलाइन हो रही दुनिया में डिजिटल सुरक्षा व नागरिकों की निजता का व्यापक प्रश्न अब भी अनुत्तरित ही है।

अनिश्चित दुनिया और भरोसेमंद साथी

पुतिन की भारत यात्रा को पूरी दुनिया की मीडिया अलग-अलग दृष्टि से देख रही है। लेकिन, भारत के लिए इस सम्मेलन की सफलता 'सामरिक स्वायत्तता' के विचार को मजबूत करेगी, यानी अमेरिका या नए साझेदारों के साथ रिश्तों को कमजोर किए बिना रूस के साथ गहरे रिश्ते बनाए रखना।

भारत-रूस के बीच होने वाला 23वां वार्षिक शिखर सम्मेलन आज से शुरू हो रहा है, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। इस शिखर सम्मेलन का माहौल तो चार दिन पहले ही विदेश मंत्री एस जयशंकर की इस टिप्पणी से बन गया था कि वर्तमान अनिश्चित दुनिया में राजनीति काफी तेजी से अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ती दिख रही है। अंग्रेजी में की गई इस टिप्पणी में उनका स्पष्ट इशारा अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर था, पर उन्होंने जोर देकर कहा कि %यह कोई मजाक नहीं है।% ट्रंप की वजह से टैरिफ युद्ध से परेशान भारत अपने हितों की रक्षा के लिए आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने का पक्का इरादा कर चुका है।

यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दोनों देश लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक भागीदारी को और मजबूत करना चाहते हैं। उम्मीद है कि भारत राजनीतिक, रक्षा, परमाणु और उच्च तकनीक सहयोग को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जो ऐतिहासिक रूप से द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती देते रहे हैं। वैश्विक तनाव से जूझ रही दुनिया में ये बहुत जरूरी हो गए हैं। परस्पर लाभ वाले क्षेत्र पर काम करने के लिए काफी तैयारी की गई है। लेकिन आपसी तौर पर भी, दोनों पक्षों को सावधान रहना होगा, ताकि वे अपने साथियों को नाराज न करें।

रूस ने मिसाइल, हवाई रक्षा और भारी बख्तरबंद में अपना दबदबा बनाए रखा है, लेकिन उसके ज्यादातर नए बड़े सौदे फ्रांस, इस्त्राइल,

इस शिखर सम्मेलन के लिए जो एजेंडा तैयार किया गया है, वह बहुत बड़ा है। हालांकि, मुख्य ध्यान रक्षा मुद्दों पर होगा, लेकिन कुछ भी नाटकीय होने की उम्मीद नहीं है। भारतीय रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हाल ही में कहा कि वे (रूसी) अच्छे और बुरे, दोनों मौसम में हमारे दोस्त रहे हैं, और हम उनके साथ अपना रक्षा सहयोग जल्द बंद नहीं करने वाले हैं। लेकिन भारत सामरिक स्वायत्तता की नीति का पालन करता है।

यूरोपीय संघ या घरेलू उत्पादन से हुए हैं। अमेरिका ने भी जोरदार तरीके से भारत को तकनीक बेची है, जिसमें सबसे नया पिछले महीने एफएमजी-148 जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल और एम982ए1 एक्सकैलिबर सटीक निर्देशित तोपखाने के गोले के सौदे हैं, जिनकी कीमत 9.3 करोड़ डॉलर है।

हालांकि, रूस एक मुख्य आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, लेकिन रूसी आयात में भारत का हिस्सा कम हो गया है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, यह एक दशक पहले के 76 फीसदी से घटकर 2020-24 में 36 फीसदी हो गया है। भारत राजनीतिक स्तर पर सावधानी से और धीरे-धीरे आगे

बढ़ रहा है। सबसे ऊपर एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम है, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान असरदार साबित हुआ था। जरूरी पांच रेजिमेंट में से, वह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ 2027-28 तक एक या दो खरीद सकता है।

भारतीय अधिकारियों ने बताया है कि सुखोई-57 कॉम्बैट जेट्स पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। जब तक विश्वसनीयता और कीमत में सुधार नहीं होता, तब तक यह बातचीत जारी रहेगी और दूसरे आपूर्तिकर्ताओं पर भी विचार किया जाएगा। स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। निम्नलिखित क्षेत्रों में मौजूदा सहयोग को और गहरा करने के लिए संयुक्त उत्पादन को बढ़ाना फायदेमंद हो सकता है ब्रह्मोस के और संस्करण, हेलिकॉप्टर सह-उत्पादन की संभावित वापसी, और रूसी यूएवी या एयर डिफेंस सबसिस्टम विनिर्माण में भारत की हिस्सेदारी। राजनीतिक तौर पर, इससे भारत-अमेरिका के बीच लगातार चल रहे टकराव पर काबू पाया जा सकेगा।

कुल मिलाकर, दोनों पक्षों का मकसद प्रगति की समीक्षा करना और %विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी% के लिए एक रोडमैप बनाना है। रक्षा सहयोग में कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं होगी। भारत रूस और पश्चिम, दोनों के साथ संबंध बनाए रखेगा। रूस के लिए इस सौदे का मतलब है एक बड़े आयातक (भारत) को बनाए रखना, एक स्थिर रक्षा निर्यात मार्ग और पश्चिमी अलगाव के बावजूद भूराजनीतिक अहमियत बनाए रखना। पश्चिमी देशों की आलोचना के बावजूद, भारत रूस के तेल आयात पर निर्भर है, भले ही यह कम हो गया हो।

बदलती वैश्विक ऊर्जा गतिशीलता और यूक्रेन युद्ध के दुर्लभ, लेकिन मुमकिन अंत के बीच रूस अब भी भारत को एक स्थिर आयातक के तौर पर बनाए रखने की उम्मीद कर सकता है। असैन्य परमाणु सहयोग पर भी चर्चा हो सकती है-यह एक ऐसा विषय है, जिस पर अक्सर भारत-रूस शिखर सम्मेलन में कम ही बात होती है। व्यापार, वित्त और व्यवसाय पर दोनों पक्ष उम्मीद करते हैं कि वे द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और शायद व्यापार-वित्त एवं भुगतान प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए समझौते पर सहमत होंगे-कुछ हद तक रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंध और वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताओं की वजह से।

कुल मिलाकर, यह दौरा वैश्विक प्रतिबंध और यूक्रेन युद्ध की वजह से आई रुकावटों के बाद भारत-रूस सामरिक सहयोग को फिर से मजबूत करने का काम कर सकता है। रक्षा, ऊर्जा और व्यापार सहयोग बातचीत के केंद्र में बने रहेंगे, लेकिन बड़े अनुबंध के बजाय धीरे-धीरे आगे बढ़ने वाले तरीके से। भारत की विदेश नीति के लिए इस सम्मेलन की सफलता 'सामरिक स्वायत्तता' के विचार को मजबूत करेगी, यानी अमेरिका या नए साझेदारों के साथ रिश्तों को कमजोर किए बिना रूस के साथ गहरे रिश्ते बनाए रखना।

पुतिन के दौरे ने बेवजह दुनिया भर का ध्यान खींचा है। दौरे से पहले ग्लोबल मीडिया रिपोर्ट्स पर बीबीसी के सर्वे में भारत के लिए %चिंताएं% दिखीं, जो 'चेतावनी' ज्यादा थीं। छद्म युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गलत इस्तेमाल, व्यापार और वाणिज्य को हथियार बनाना और यहां तक कि जलवायु परिवर्तन एवं आप्रवासन के मुद्दों के चलते दुनिया मुश्किल जगह बन गई है। तारीफ करना तो दूर, करीब या दूर का कोई दोस्त या दुश्मन भारत और रूस पर हमला कर सकता है। इसलिए, दोनों का हाथ में हाथ डालकर चलना खतरनाक हो सकता है। द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए उन्हें राजनीतिक झटकों, बहिष्कार और प्रतिबंधों से सावधान रहने की जरूरत है।

-महेंद्र वेद,वरिष्ठ पत्रकार

जीवन धारा

नेपोलियन हिल

प्रकृति बताती है कि मजबूत वृक्ष वे नहीं हैं, जिन्हें सुरक्षा मिली हो, बल्कि वे हैं, जिन्होंने खुले मैदान में तूफानों का सामना किया हो। बेशक संघर्ष पीड़ा देता है, लेकिन इन्सान को बेहतरीन प्रतिफल भी उसी से मिलता है।

तूफानों से लड़ने वाले वृक्ष ही मजबूत बनते हैं

प्रकृति ने मनुष्य के भीतर जो सबसे चतुर तंत्र रचा है, उसका नाम है संघर्ष। यह वही शक्ति है, जो इन्सान को आगे बढ़ने, विकसित होने और अंततः महान बनने के लिए प्रेरित करती है। संघर्ष कभी दर्द बनकर सामने आता है और कभी किसी अद्भुत अनुभव का रूप लेकर, परंतु हर रूप में वह मनुष्य को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा ही देता है। जन्म से लेकर अंतिम सांस तक का जीवन चुनौतियों व परीक्षाओं से भरी एक निरंतर यात्रा है, जिसे कोई भी टाल नहीं सकता। ऐसे में, लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए संघर्ष जरूरी है।

हर सीख, हर समझ और हर अनुभव एक नई चुनौती के द्वार से होकर गुजरता है। ठीक उसी प्रकार जैसे सोना आग में तपकर चमकता है, व्यक्ति भी संघर्ष के ताप से निखरता है। धन-संपत्ति का निर्माण हो या कॅरिअर की ऊंचाई, कोई भी लक्ष्य संघर्ष के बिना नहीं मिलता। कई लोग तो आवश्यकता से अधिक धन कमाने की बेचैनी में, अत्यधिक परिश्रम और चिंता के कारण जीवन के शुरुआती पड़ाव में ही खुद को थका देते हैं। परंतु संघर्ष केवल धन या पद तक सीमित नहीं है। बेहतर सेहत बनाए रखना अपने आप में एक निरंतर युद्ध है-आलस्य, अस्वास्थ्यकर आदतें, रोगों और तनाव से लड़ने का युद्ध। इसी प्रकार भोजन, आश्रय, नौकरी की सुरक्षा, पेशे में पहचान, और व्यवसाय को संकट से बचाने जैसे हर मोड़ पर संघर्ष मिलता ही है। जीवन का ऐसा शायद ही कोई क्षेत्र हो, जहां संघर्ष का हाथ थामे बिना आगे बढ़ना संभव हो पाए।

वह बुद्धि को पैना करता है, उत्साह को जगाता है, विश्वास को मजबूत करता है और कल्पनाशक्ति को बढ़ाता है। यही वह चीज है, जो मनुष्य को अपने भीतर छिपे उस उद्देश्य की खोज करने के लिए प्रेरित करता है, जिसके लिए वह इस धरती पर आया है। शक्ति, चाहे शारीरिक हो या मानसिक, संघर्ष की ही उपज है। जीवन की राह स्पष्ट है-गतिशील रहो या फिर समाप्त हो जाओ। यहां कोई अपवाद नहीं, कोई समझौता नहीं। प्रकृति बताती है कि सबसे मजबूत वृक्ष वे नहीं हैं, जिन्हें सुरक्षा मिली हो, बल्कि वे हैं, जिन्होंने खुले मैदान में तूफानों का सीधे सामना किया हो। हर संघर्ष कुछ पीड़ा देता है, लेकिन यही पीड़ा मनुष्य को उसका सबसे बड़ा प्रतिफल भी देती है। इतिहास के हर सफल व्यक्तित्व ने अपना नेतृत्व संघर्षों की भट्टी में तपा है। इसलिए, संघर्ष से भागिए मत।

सूत्र - खुद को तराशते रहें

जीवन में हर कदम पर खुद को गढ़ना पड़ता है। संघर्ष ही वह जादू है, जो क्षमताओं को तराशता तथा हौसले को और मजबूत बनाता है। जो व्यक्ति चुनौतियों से नहीं डरता, वही अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान पाता है। तूफानों से जूझकर खड़े रहने वाले वृक्षों की तरह, इन्सान भी विपरीत परिस्थितियों का सामना करके ही महान बनता है।

बहुधार्मिक, बहुभाषिक और सांस्कृतिक विविधता वाले देश में ये खतरा

'अरे, ये दलित लोग .... ये तो आरक्षण वाले हैं..., ये तो कोटे वाले हैं.... अरे ये तो सरकारी दामाद हैं.... इन्हें पढ़ने लिखने की क्या ज़रूरत...?? आम तौर पर सवर्ण हिंदू दलितों-आदिवासियों के बारे में यही कहते पाये जाते हैं।

दूसरी तरफ दलित-आदिवासियों में भी सवर्ण हिंदुओं और खास तौर से ब्राह्मणों के बारे में ऐसी ही बातें चलती हैं।

'अरे भाई, ये ब्राह्मण हैं', ये ब्रह्मा के मुँह से निकले हैं, ये बिना मेहनत के दूसरों की कमाई खाते हैं', ये परजीवी हैं..., इन्हें धार्मिक आरक्षण मिला हुआ है.... ब्राह्मण पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए, इत्यादि-इत्यादि।

भारत में बीते कई दशकों में जो कुछ हुआ है उससे ये धारणायें बनीं हैं। दोनों पक्षों के अपने तर्क हैं और एकदूसरे से नफरत करने की अपनी वजहें हैं। समाज में ये अविश्वास और नफरत अब बढ़ती जा रही है।

अब सोशल मीडिया के आने के बाद इस नफरत को जैसे डबल इंजन की ताकत मिल गई है। दुख और चिंता की बात ये है कि सवर्ण हिंदुओं और बहुजनों के तथाकथित सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन भी इसी नफरत के आधार पर अपने संगठन मजबूत करते आये हैं। ऐसे में इनमें आपस में सृजनात्मक संवाद रुका हुआ है।

अगर ये संवाद और अधिक समय तक रुका रहा तो खतरा कहीं ज्यादा बढ़ जाएगा। हम आजादी की लड़ाई के दौरान अंबेडकर और जोतिबा फुले के आंदोलन से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

डॉ अंबेडकर का उदाहरण लीजिए। उन्होंने अपने जीवन के आरंभमें एक अछूत होने के नाते बहुत नफरत और तिरस्कार झेला। उनकी माँ भीमाबाई ने उन्हें स्कूल भेजते हुए नसीहत दी थी कि अपमान और तिरस्कार झेलना पड़ेगा लेकिन स्कूल नहीं छोड़ना है। अंबेडकर के जीवन में यह कठिन था लेकिन असंभव नहीं।

इसका एक कारण ये था कि बालक अंबेडकर को शुरुआती जीवन से ही एक विविधतापूर्ण समाज में जीने का अवसर मिला था। उनके पिता रामजी सपकाल ब्रिटिश सेना में सुबेदार थे। सेना में अनेकों जातियों, संप्रदायों और भाषाओं के लोग हुआ करते थे। उनके बीच जीवन जीना बहुत आसान नहीं होता था लेकिन उससे बहुलताओं में सामंजस्य बैठाने की आवश्यकता समझ में आने लगती है। इसी शिक्षा के बल पर स्वयं रामजी सपकाल और भीमाबाई ने शिक्षा की जरूरत को दूसरे लोगों से ज्यादा बेहतर ढंग से महसूस किया था।

इसीलिए वे अपने बेटे को एक ठोस दिशा दे पाये। बाद में अंबेडकर ने अमेरिका और यूरोप में अलग-अलग संस्कृति, धर्म, भाषा और राजनीतिक रुझानों के लोगों के बीच निरन्तर संवाद किया। इसी से वो अंबेडकर अस्तित्व में आये जिन्हें आज हम जानते हैं।

संवाद एक निरन्तर प्रक्रिया है। सामाजिक राजनीतिक जीवन में इसका महत्व व्यक्तिगत जीवन से ज्यादा होता है। व्यक्तिगत जीवन में हम किसी एक लक्ष्य के लिए लंबे समय तक परिवार और समाज से उदासीन होकर रह सकते हैं। लेकिन सामाजिक और राजनीतिक जीवन में अन्य संप्रदायों, अन्य समाजों और आंदोलनों के प्रति उदासीन नहीं रहा जा सकता।

डॉ अंबेडकर के गुरु जोतिबा फुले के जीवन में भी हमें सामाजिक स्तर पर संवाद के सैकड़ों उदाहरण मिलते हैं। जोतिबा फुले भी मिशनरी इंगलिश स्कूल में पढ़े थे। बचपन से ही उन्हें अलग अलग जातियों, धर्मो के बच्चों के साथ उठने-बैठने का अभ्यास रहा। अपनी युवावस्था में जोतिबा फुले ने अपने मुस्लिम ईसाई एवं ब्राह्मण मित्रों के साथ मिलकर अछूत बच्चियों और महिलाओं के लिए स्कूल खोले।

जब उन्होंने गर्भवती ब्राह्मण और सवर्ण हिंदू विधवाओं के आत्महत्याओं की घटनाओं को देखा तो उन्होंने अपने ब्राह्मण मित्रों से विचार विमर्श किया। उन्होंने ब्राह्मण एवं सवर्ण महिलाओं के जीवन की रक्षा के लिए आश्रम खोला। इन आश्रमों में ये महिलायें अपने बच्चों को जन्म देकर वहाँ रह सकतीं थीं। ऐसी ही एक विधवा ब्राह्मणी के बच्चे %यशवंत% को जोतिबा ने गोद लेकर अपने पुत्र की तरह पाला पोसा था।

ये उदाहरण बताता है कि सामाजिक आंदोलनों में विचार मिनिमय के स्तर पर ही नहीं बल्कि जमीनी बदलाव की रणनीतियों के स्तर पर भी एकदूसरे से सीखना सिखाना और मदद करना जरूरी होता है। तत्कालीन ब्राह्मण समाज में ऐसे कई लोग थे जो जोतिबा फुले से सीखकर उनकी मदद को आगे आते थे। दूसरी तरफ ऐसे कई ईसाई। और मुसलमान मित्र थे जो जोतिबा फुले को प्रेरित करते थे।

यही बात डॉ अंबेडकर के जीवन में नजर आती है। जब डॉ अंबेडकर ने अपने जमीनी आंदोलन और पत्रक आरंभ किए तब उनके लेखों और भाषणों को सुनकर कई ब्राह्मण, मुसलमान एयर ईसाई मित्र उनके समर्थन में उनके साथ आये। डॉ अंबेडकर ने कई उनपर भरोसा किया और उन्हें महत्वपुर जिम्मेदारियाँ भी दीं। उनके द्वारा शुरू किए गये बहिष्कृत भारत और जनता के संपादन का काम कई वर्षों तक उनके ब्राह्मण मित्रों ने किया।

उस दौर के बहुत बड़े कट्टर और सनातनी ब्राह्मण नेता बालगंगाधर तिलक के बेटे श्रीधर पंत अंबेडकर के बड़े समर्थक थे। वे अंबेडकर के क्रांतिकारी विचारों के समर्थक थे और जमीनी कार्यवाहियों में बहुत बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। श्रीधर पंत डॉ अंबेडकर के प्रति इतने समर्पित थे कि अपने ही परिवार और समुदाय के द्वारा प्रताड़ना से परेशान होकर उन्होंने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी लेकिन दलित आंदोलन से नाता नहीं तोड़ा। अंबेडकर ने श्रीधर की मौत के बाद बड़ा भावुक और प्रभावशाली संपादकीय उनके योगदान पर लिखा था। सामाजिक आंदोलनों में आपसी संवाद और सहकार का ये एक गजब का उदाहरण है।

इन उदाहरणों से हमें लगातार सीखते रहने की जरूरत है। आजकल दलित बहुजन आंदोलन और प्रगतिशील सवर्ण समुदाय के बीच संवाद की स्थिति ठीक नहीं है। इसमें दोनों पक्षों की ओर से स्थिति को बेहतर बनाने की प्रेरणा का अभाव नजर आता है। दलित बहुजन पक्ष की तरफ से अक्सर अतिशयोक्तिपूर्ण भाषा में, आरोप की भाषा में बातें रखीं जाती हैं।

सदियों के शोषण दमन और गुस्से के कारण ये स्वाभाविक भी है। लेकिन इसके बावजूद एक संतुलित भाषा में हिंदू, मुसलमानों, ईसाइयों और हर तरह के समाज से संवाद करते रहने की बड़ी जरूरत है। बीते कुछ दशकों में अस्मिता की राजनीति ने हर संप्रदाय और जाति के दायरे में कुछ खास किस्म में एक्सक्लूसिव रणनीतियों का विकास किया है। ये रणनीतियाँ तत्कालिक लाभ के लिए सफल भी रही हैं लेकिन दूरगामी रूप से इन्होंने समाज में बँटवारा और संवाद हीनता को बढ़ावा दिया है। उदाहरण के लिए जातीय अस्मिताओं पर आधारित राजनीतिक गोलबंदी ने उत्तर भारत में अस्सी और नब्बे के दशक में बड़ी सफलता दिखाई। लेकिन जातीय अस्मिता की ये लहर जब दलितों ओबीसी की ही कम सम्मानित जातियों और उपजातियों तक पहुँची तो उन्होंने अपने ही बगुल में कगड़ी ताकतवर दलित जातियों से बगावत कर दी।

नतीजा ये हुआ कि दलितों में जाटवों के खिलाफ शेष दलित और ओबीसी में यादवों के खिलाफ शेष ओबीसी लामबंद होने लगे। जातीय अस्मिता की गैर-समावेशी शैली की राजनीति का यही परिणाम होना था।

-संजय श्रमण

दूसरा पहलू

डर्बीशायर के राष्ट्रीय उद्यान में खड़ा फीनेडॉक ओक का पेद्द्धड़ दूर से ही ऐसा दिखता है, मानो आपको पुकार रहा हो।

सरकार को कटघरे में खड़ा करने वाला पेड़

डर्बीशायर के राष्ट्रीय उद्यान में खड़ा फीनेडॉक ओक का पेड़ दूर से ही ऐसा दिखता है, मानो आपको पुकार रहा हो। खुले खेतों, नागफनी की झाड़ियों व छोटे जंगल से घिरा, यह शानदार पुराना वृक्ष इंग्लैंड के ग्रामीण इलाकों की पहचान है। इस पेड़ के नीचे पक्षियों, गिलहरियों, कीड़ों और छोटे जीवों की भरमार दिखाई देती है। दो सदियों से भी अधिक समय से यह पेड़ मनुष्यों सहित कई प्रजातियों का घर रहा है। हाल के वर्षों में, गर्मी और सूखे से इसकी दो बड़ी शाखाएं टूट चुकी हैं। डेंड्रोकॉनोलॉजिस्ट्स, जो वृक्ष-वर्षों का अध्ययन करके पेड़ों की आयु व इतिहास का पता लगाते हैं, ने पाया कि पेड़ की आयु कम से कम 195 वृक्ष-वर्ष है, यानी इसका जन्म 19वीं सदी की शुरुआत में हुआ होगा। दो सौ साल बाद, जुलाई 2023 में, करीब 120 फीट ऊंचा हो चुका यह वृक्ष %रिंग ऑफ टूथ% नामक एक अनोखे वैज्ञानिक व कलात्मक कार्यक्रम का केंद्र बना। इसमें एक मुकदमे की कल्पना की गई, जिसमें वादी खुद यही पेड़ था और प्रतिवादी थी यूके सरकार। वादी के वकील नेचर राइट्स के पॉल पॉल्सलैंड ने तर्क दिया कि सरकार ने 2008 के क्लाइमेट चेंज एक्ट का उल्लंघन किया है, जबकि अन्य वैज्ञानिकों ने गर्मी, कार्बन डाइऑक्साइड, मृदा क्षरण और बीमारी से पेड़ को होने वाले नुकसान के प्रमाण दिए। दर्शकों, जो जूरी बने थे, ने सरकार को आदेश दिया कि उसे पेड़ों की सुरक्षा के कानूनी दायित्वों का उल्लंघन तुरंत बंद करना होगा। इस घटना ने एक गहरा सवाल उठाया कि आखिर पेड़ याद कैसे रखते हैं? मेंब्रा परियोजना ने कई वृक्षों पर शोध किया, जिससे पता चला कि पेड़ अपने आसपास के माहौल में होने वाले तनाव, जैसे सूखा या तापमान में बदलाव को याद रखते हैं और उसी अनुसार अपना व्यवहार बदलते हैं। ओक में दशकों के सूखे से मिथाइलेशन बदलाव दिखे। शोध बताते हैं कि बढ़ता कार्बन डाइऑक्साइड पेड़ों की वृद्धि तेज करता है, लेकिन उनके जीवनकाल को कम भी कर सकता है। स्कॉटलैंड और इंग्लैंड में पेड़ों के लिए हुए विरोध प्रदर्शन दिखाते हैं कि जनता के लिए पेड़ों का मूल्य भावनात्मक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय है। ओक का यह पेड़ हमें याद दिलाता है कि लोगों को भी खुद को संभालने के तरीकों की जरूरत है, क्योंकि हम मुश्किल समय से गुजर रहे हैं।

-एस्ट्रेला लूना-डीज

चुका यह वृक्ष 'रिंग ऑफ टूथ' 2023 में करीब 120 फीट ऊंचा हो नामक एक अनोखे वैज्ञानिक व कलात्मक कार्यक्रम का केंद्र बना।

मॅब्रा परियोजना के शोध के अनुसार, पेड़ अपने आसपास के माहौल में होने वाले तनाव, जैसे सूखा या तापमान में बदलाव को याद रखते हैं और उसी अनुसार अपना व्यवहार बदलते हैं।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों ने बाजार को संभाला

मुंबई एजेंसी। दिसंबर के पहले तीन सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार में लगभग 8,369 करोड़ रुपए (933 मिलियन डॉलर) की शुद्ध बिकवाली की। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में अब तक एफपीआई ने कैश सेगमेंट से रिकॉर्ड 17.3 बिलियन डॉलर की निकासी की है। पिछले महीनों में भी बिकवाली का क्रम जारी रहा, नवंबर में 3,765 करोड़, सितंबर में 23,885 करोड़ और अगस्त में 34,990 करोड़ रुपए। विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय बाजार का ऊंचा वैल्यूएशन विदेशी निवेशकों को अपेक्षाकृत सस्ते बाजारों की ओर मोड़ रहा है। एफपीआई की बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों की मजबूती ने बाजार को स्थिर रखा। एमफी के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर 2025 तक म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए 2.75 लाख करोड़ से अधिक का ग्रॉस इनफ्लो आया। इस लगातार निवेश ने सेंसेक्स और निफ्टी को विदेशी बिकवाली के दबाव से बचाया। 27 नवंबर को सेंसेक्स ने 14 महीने बाद 86,159 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर को पार किया। हालांकि, इसके बाद लगातार चार सत्रों में बिकवाली के कारण सूचकांक 1,000 अंक से अधिक फिसलकर 85,107 पर बंद हुआ। अधिकांश सेक्टर्स में गिरावट देखी गई, लेकिन आईटी सेक्टर ने मजबूती बनाए रखी। गौरतलब है ?कि भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली बढ़ी है, लेकिन घरेलू निवेशकों की सक्रिय भूमिका ने बाजार को संतुलित रखा है। रुपया दबाव में है, लेकिन घरेलू निवेश की निरंतरता ने निवेशकों को भरोसा बनाए रखा है।

फिच ने भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान बढ़ाकर 7.4 फीसदी किया

नई दिल्ली एजेंसी। साख रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। एजेंसी ने वृद्धि का मुख्य कारण उपभोक्ता खर्च में तेजी, जीएसटी सुधार और बेहतर उपभोक्ता धारणा बताया। जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही, जो अप्रैल-जून तिमाही के 7.8 फीसदी से अधिक है। वित्त वर्ष की वृद्धि का सबसे बड़ा योगदान निजी उपभोक्ता खर्च से है। मजबूत वास्तविक आय, सुधारित उपभोक्ता धारणा और हाल ही में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से खर्च बढ़ा है। लगभग 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटाई गईं, जिससे 99 प्रतिशत से अधिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई हैं। अक्टूबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति केवल 0.3 फीसदी दर्ज की गई, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। फिच ने कहा कि घटती मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दिसंबर में मुख्य नीतिगत दर 5.25 फीसदी तक घटाने की संभावना देती है। आरबीआई ने इस साल अब तक रेपो दर में एक फीसदी कटौती की है। फिच का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि 6.4 फीसदी तक धीमी होगी। वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ अगले वर्ष की दूसरी छमाही में निजी निवेश में तेजी आने की उम्मीद है। एजेंसी का मानना है कि नीतिगत दर अगले दो साल तक 5.25 फीसदी पर स्थिर रहेगी।

रुपए की कमजोरी से महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली एजेंसी। डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी का असर आम जनता की जेब पर सीधे पड़ रहा है। भारत कच्चे तेल, गैस और कई आवश्यक वस्तुओं का बड़ा आयातक है। डॉलर मजबूत होने से इनकी कीमत बढ़ती है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ती है, जो सब्ज़ी, दूध, अनाज और दैनिक उपयोग की चीज़ों की कीमतों में इजाफा करती है। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले पुर्ज़े विदेश से आते हैं। डॉलर मजबूत होने पर कंपनियों की लागत बढ़ती है और कीमतें बढ़ाना पड़ता है। आईटी और फार्मा कंपनियों को लाभ होता है, जबकि ऑटो, स्टील और इम्पोर्ट पर निर्भर सेक्टर दबाव में आते हैं। बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ता है, निवेशकों की चिंता बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से आरबीआई ब्याज दर बढ़ा सकता है। होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई बढ़ती है। विदेश में पढ़ाई करने वालों के लिए खर्च महंगा हो जाता है। रुपए की कमजोरी महंगाई, निवेश, बचत और रोजमर्रा की जीवनशैली पर व्यापक प्रभाव डालती है।

डॉलर बांड की मांग कमजोर! भारतीय कंपनियों का भरोसा अब रुपए पर

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय कंपनियां इस साल डॉलर में कर्ज लेने से बच रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है अमेरिका में लगातार ऊंची चल रही ब्याज दरें और वैश्विक स्तर पर बढ़ता आर्थिक व भू-राजनीतिक तनाव। ऐसे माहौल में कंपनियों को रुपये में कर्ज लेना अपेक्षाकृत सुरक्षित और सस्ता लग रहा है। यही कारण है कि रुपये बॉन्ड ज़ार तेजी से बढ़ रहा है और 2025 में इसके नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार जब तक वैश्विक परिस्थितियां सामान्य नहीं हो जातीं और विदेशी ब्याज दरें ऊंची बनी रहती हैं, भारतीय कंपनियां रुपये-आधारित कर्ज को ही प्राथमिकता देंगी। बड़ी भारतीय कंपनियों से लेकर मल्टीनेशनल कंपनियां अब विदेशों की बजाय भारत के घरेलू बाज़ार से पूंजी जुटा रही हैं, क्योंकि यहां कर्ज उपलब्धता अधिक है और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव भी कम देखने को मिलता है। इस वर्ष अब तक 12.6 लाख करोड़ के रुपये बॉन्ड बिक चुके हैं, जबकि डॉलर में जारी बॉन्ड केवल 9 अरब डॉलर के रहे, जो पिछले साल की तुलना में 32 फीसदी कम है। इससे रुपये बॉन्ड मार्केट की मजबूती साफ दिखाई देती है। इसी रुझान को देखते हुए विदेशी बैंक भी भारतीय रुपये बॉन्ड बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में जुट गए हैं। हालांकि विदेशी बैंकों को एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक जैसे घरेलू दिग्गजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। इनके पास मजबूत जमा आधार, विस्तृत शाखा नेटवर्क और सरकारी बैंकों को मिलने वाला सरकारी समर्थन उन्हें और अधिक प्रभावी बनाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी बैंक अब समझ चुके हैं कि भारत में रुपये-आधारित कर्ज ही आगे बढ़ने का रास्ता है, लेकिन इसके लिए उन्हें भारतीय बैंकों से सीधी टक्कर लेनी होगी।

भारतीय शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही आई टी सहित दिग्गज कंपनियां के शेयरों में खरीददारी हावी होने से दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 158.51 अंक बढ़कर 85,265.32 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 47.75 अंक ऊपर आकर 26,033.75 पर बंद हुआ । आज आईटी शेयरों में निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.41 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियल्टी शेयरों में भी तेजी रही। दूसरीओर एनर्जी,मीडिया, इन्फ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस लाल निशान में बंद हुआ। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सपाट कारोबार हुआ। ऐसे में अधिकतर शेययरों में गिरावट रही। । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 15.85 अंक फिसलक 60,299.80 और निफ्टी स्मॉलकैप 41.60 अंक नीचे आकर 17,607.85 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टीसीएस,टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, सन फार्मा, बीईएल, ट्रेंट,आईटीसी, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस

बैंक, एचयूएल, पावर ग्रिड और एशियन पेंट्स के शेयरों में बढ़त रही जबकि मारुति सुजुकी,महिंद्रा ब ैं क , ट ा इ ट न , ई बैंक, एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं। इससे पहले आल सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद प्रमुख सूचकांकों ने तेजी पकड़ ली। सेंसेक्स की 84,987 अंकों पर गिरावट के साथ ही शुरुआत हुई। एनएसई का निफ्टी-50 भी कमजोर शुरुआत के साथ 25,981 पर खुला था। हालांकि, खुलने के कुछ ही देर बाद इसमें सुधार देखने को मिला। एशियाई बाजार- एशिया बाजारों में वॉल स्ट्रीट में रोजगार आंकड़ों के कारण बढ़त के बाद बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। इससे यह उम्मीद बढ़ी कि फेडरल रिजर्व अगले सप्ताह ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स शुरुआती कारोबार में 0.3 फीसदी बढ़ा और टॉपिक्स इंडेक्स 0.33 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी गिरा, जबकि स्मॉल-कैप कोस्डैक 0.12 फीसदी उछला। अमेरिका में शेयर बाज़ार में बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 9-10 दिसंबर की नीतिगत बैठक के दौरान ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना 89 फीसदी पहुंच गई है। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.86 फीसदी की बढ़त रही। एंडपी 500 में 0.30 फीसदी की वृद्धि हुई तथा नैस्डैक कंपोजिट में 0.17 फीसदी की वृद्धि हुई।

आईआईटी प्लेसमेंट में उछाल, हेज फंड और ट्रेडिंग कंपनियों की भागीदारी बढ़ी

नई दिल्ली एजेंसी। देश के प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में 1 दिसंबर से शुरू हुए प्लेसमेंट सीज़न में इस बार हेज फंड, प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग और एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग कंपनियों की बड़ी उपस्थिति देखने को मिल रही है। सूत्रों के अनुसार छात्रों को 90 लाख रुपए से लेकर 3 करोड़ रुपये सालाना तक के आकर्षक पैकेज ऑफर किए जा रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नई भूमिकाओं और उभरते क्षेत्रों के कारण कई आईआईटी इस साल नौकरी प्रोफाइल में विविधता लाने पर विशेष जोर दे रहे हैं, ताकि प्लेसमेंट केवल टेक कंपनियों और स्टार्टअप तक सीमित न रहे। आईआईटी रुड़की में पहले स्लॉट के दौरान डीई शॉ, दा विंची डेरिवेटिव्स, एनके सिक्योरिटीज रिसर्च और रूब्रिक जैसी प्रमुख ट्रेडिंग कंपनियों ने छात्रों को ऑफर दिए। इसके साथ ही अमेज़न, अमेरिकन एक्सप्रेस, एनवीडिया, क्वालकॉम, डेटाब्रिक्स, फ्लिपकार्ट, जोमैटो (इटरनल) और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियां भी भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रही हैं। निवेश क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्क्वायरपॉइंट कैपिटल से भी ऑफर प्राप्त हुए हैं। आईआईटी के विभिन्न परिसरों को पहले दो दिनों में कुल 555 ऑफर मिले हैं, जिनमें कम से कम आठ अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं। आईआईटी कानपुर ने इस साल रिकॉर्ड प्रदर्शन किया और पहले ही दिन 672 ऑफर हासिल किए। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। इनमें से नौ ऑफर विदेश से प्राप्त हुए हैं। संस्थान ने कहा कि कुछ परिणाम अभी लंबित हैं, इसलिए कुल ऑफरों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने अडाणी-गूगल एआई डेटा सेंटर के लिए 480 एकड़ जमीन आवंटित की

अमरावती एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने गूगल की कंपनी रैडेन इन्फोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए विशाखापत्तनम और अनकापल्ली जिलों में 480 एकड़ भूमि आवंटित की है। भूमि आवंटन अदाणी इंफ्रा (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को 'प्राथमिक अधिसूचित भागीदार' के रूप में किया गया है। अन्य अधिसूचित भागीदारों में अदाणी कॉनेक्स, अदाणी पावर, भारती एयरटेल और नेक्सट्रा डेटा/विजाग शामिल हैं। यह आवंटन अंतिम सर्वेक्षण के पूरा होने पर लागू होगा। रैडेन एआई डेटा सेंटर का कुल निवेश 15 अरब डॉलर (लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है। परियोजना चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी और सरकार से 22,000 करोड़ रुपये तक के प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहनों का आश्वासन दिया है। डेटा सेंटर गूगल की सेवाओं जैसे सर्च, यूट्यूब और वर्कस्पेस के संचालन मानकों के अनुसार विकसित किया जाएगा। इसकी क्षमता 1 गीगावाट होगी, जो पूर्ण संचालन पर मुंबई की वार्षिक बिजली खपत का लगभग 50 प्रतिशत उपयोग करेगा। परियोजना आंध्र प्रदेश में डिजिटल और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देगी, नई नौकरियां सृजित करेगी और राज्य की वैश्विक तकनीकी छवि मजबूत करेगी। रैडेन के साथ अधिसूचित भागीदार सभी प्रोत्साहनों का लाभ उठा सकेंगे। सरकारी आदेश 2 दिसंबर 2025 को जारी किया गया और इसमें मंत्रिपरिषद की 28 नवंबर की बैठक में प्रस्ताव की मंजूरी का उल्लेख किया गया है।

मेष- आज का दिन आपके लिए निवेश संबंधी मामले में अनुकूल रहने वाला है, क्योंकि आप आज शेयर मार्केट आदि में इन्वेस्टमेंट करने की प्लानिंग करेंगे और प्रॉपर्टी को लेकर भी कोई डील फाइनल हो सकती है। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा और आप अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलें। आप अपनी किसी परिजन के घर मेल-मिलाप करने जा सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं, जिसमें उन्हें जीत अवश्य मिलेगी। आपको बाहर के खाने पीने से परहेज रखने की आवश्यकता है। माताजी के आपकी किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है, लेकिन आप किसी की काम को लेकर योजना बनाकर चलें, क्योंकि आपकी सेहत में कोई गड़बड़ी हो सकती है। पार्टनरशिप में कोई काम करना आपको नुकसान देगा, इसलिए आज आप किसी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें। आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में हो सकते हैं, जिन्हें आपको पहचानने की आवश्यकता है। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपकी कोई डील यदि लंबे समय से अटकी हुई थी, तो उसके भी फाइनल होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी और आपका विश्वास भी मजबूत रहेगा। पढ़ाई लिखाई पर आपका पूरा फोकस रहेगा। आप अपनी इन्कम को लेकर थोड़ा सावधान रहें और किसी को धन उधार देने से बचें। आप आज किसी पिकनिक आदि पर जाने की योजना बना सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आप समय बिताएंगे और आप जीवनसाथी से कुछ जरूरी मुद्दों को लेकर बातचीत कर सकते हैं, लेकिन सांसारिक सुखभोग के साधनों में वृद्धि होगी। यदि पारिवारिक मामलों में किसी बात को लेकर कोई कड़वाहट चल रही थी, तो उसे भी आप मिल बैठकर दूर करेंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। बिजनेस में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आज आपके काम में कुछ गुप्त शत्रु उत्पन्न होंगे, जो आपकी समस्याओं को बढ़ाएंगे। जो विद्यार्थी विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। राजनीति में आपको आपके कामों के लिए किसी सम्मान की प्राप्ति भी हो सकती हैं। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको छुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। आप कहीं घूमने-फिरने जाने के प्लानिंग करेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। आप किसी से कोई लेनदेन बहुत ही सोच समझकर करें।

धनु- आज का दिन आपके लिए प्रभाव और प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। जीवनसाथी को आप कही घूमाने फिराने लेकर जा सकते हैं। आपके सामने कुछ अनचाहे खर्च आ सकते हैं, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आज आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। रोजगार के तलाश में इधर-उधर भटक रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग आप पर बना रहेगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो वह कर सकते हैं। यदि आपने व्यवसाय में किसी काम को लेकर पार्टनरशिप की, तो वह भी दूर होगी। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी बात को लेकर क्रोध करने से बचना होगा। आपको अपने काम को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। बिजनेस में अकस्मात धन लाभ मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। यदि आपको कोई शारीरिक समस्या लंबे समय से घिरे हुए थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है और आपको किसी कानूनी मामले में अच्छा खासा खर्च करना होगा, उसके बाद ही आपको सफलता हासिल होगी। आपको बिजनेस में मुताबिक काम मिल सकता है। आपको मन मुताबिक काम मिलने से खुशी होगी।

शब्दजाल - 8100

शब्द जाल में यहूदी कलेंडर के 10 महीनों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

चे	क	ल	व	ग	आ	ना	क	प	ल	क
र	श	ल	न	व	जी	इ	द	इ	ट	कि
त	स	व	ल	र्म	छ	पु	य	रा	ख	स
क	ज	ज	न	पु	अ	ड	र	र	ल	ले
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	व
ज	ति	श	रि	ह	ज्ञ	नि	ना	ण	घ	को
ती	आ	स	लि	या	प	ल	स	र	ला	ल
क	ता	शे	ई	सि	ब	ते	फ	न	श	पा
ने	बा	वे	न	व	जी	ल	बे	ग	प	कि
द	पा	त	प	न	जी	र्त	ऐ	त	प	स्ता
क	अ	ब	प	ची	न	रा	बा	द	प	न

तिशरी, चेशवन, किसलेव, तेबेत, शेबेत, अडर, निसन, आइयर, सिवन, अब

शब्दजाल - 8099 का हल

सा	से	र	कां	ग	ड़ी	र्त	कू	ती	कू	रु
पौ	हु	न	री	अं	गा	म	य	कौ	ला	न
क	बा	अ	ब	री	क	शे	त	न	श	चौ
क	स	थो	गि	व	न	ज	र	शा	जू	खं
द	र	ना	प	ति	रं	र्त	ऐ	ब्र	प	बा
थो	दू	सा	रु	मा	नी	हो	जा	एं	म	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7044

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7043

खु	शी		शो		द	रा	र		फ
दा		प	र	ख		जे		खा	की
ग	द	र		त	ला	श			रा
वा		दे	व	र		ख	ली	फा	
ह	व	स		ना		त्रा		गु	म
	क्त		नौ	क	र		आ	न	
गु		रा	ज		च	र	स		बा
म	स्त		वा	स	ना		रा	जा	जी
ना		जा	न	स		सु			ग
म	शा	ल		र	फ्ता	र		ड	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2025 वर्ष का 339 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 00.56 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 11.46 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 08.08 बजे तदनन्तर साध्य 03.49 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 14.49 बजे तदनन्तर कौलव 00.56 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 22' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872549 **जूलियन दिन** 2461014.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 13 **विशेष** रोहिणी व्रत।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.21 बजे से
चंद्र	वृष में	मकर	09.26 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.12 बजे से
बुध	तुला में	मीन	12.45 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	14.16 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.56 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.54 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.07 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.24 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	कन्या	00.36 बजे से
		तुला	02.46 बजे से
		वृश्चिक	05.01 ब.से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः उनति में बाधक

प्रसिद्ध समाज सेवक बाबा आम्टे बचपन में बात-बात पर रूठ जाया करते थे। एक बार उनके एक घनिष्ठ मित्र ने उनसे ऐसी बात कह दी जिसका उन्हें बहुत बुरा लगा। नाराज होकर उन्होंने उससे बोलना ही छोड़ दिया। वह मित्र बाबा आम्टे के प्रति बेहद स्नेह रखता था। उसने उन्हें समझाने की बहुत कोशिश की लेकिन जब वह उसके समझाने पर भी नहीं माने तो उसने उनकी मां से यह बात बता दी। रूठने वाली बात सुनकर बाबा आम्टे की मां ने मित्र को आश्वासन दिया कि उनका बेटा ज्यादा दिन तक उससे रूठा नहीं रहेगा और कुछ दिन बाद स्वयं आकर उससे बात करेगा। कुछ ही दिनों बाद बाबा आम्टे की मां उन्हें बगीचे में लेकर गई। उस समय पतझड़ का मौसम चल रहा था और पेड़ के गले-सड़े व पीले पत्ते झड़-झड़ कर गिर रहे थे। मां ने उन पत्तों को बाबा आम्टे को दिखाते हुए कहा, 'बेटा, देखो ये पुराने पत्ते किस प्रकार अनायास झड़ रहे हैं। हमारे पुराने मनमुटाव, घृणा, जलन आदि को भी इसी तरह झड़ जाना चाहिए। हमें अपने मन के इन पीले, सड़े-गले पत्तों को भी झटककर फेंक देना चाहिए क्योंकि ये तनाव व दुख का कारण तो बनते ही हैं साथ ही हमारी उन्नति में भी बाधक होते हैं।' ममतामयी मां के इन प्रेरक शब्दों ने बाबा आम्टे पर गहरा असर किया। वह उसी समय अपने उस मित्र के घर जा पहुंचे जिससे वह रूठ गए थे। उन्होंने उससे बातचीत शुरू कर दी। इसके साथ ही उन्होंने जरा-जरा सी बातों पर रूठने को आदत छोड़ दी।

सूडोकु नवताल- 7353

★★★☆☆ मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7352 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 8568

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8567 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्व दिव्यांग दिवस पर भव्य दिव्यांग कल्याण शिविर का आयोजन

89 वरिष्ठजनों को मिले निःशुल्क सहायक उपकरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर 4 दिसंबर को जनपद पंचायत लांजी में दिव्यांग कल्याण एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शिविर में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी वयोश्री योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए। शिविर का शुभारंभ जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सभापति दिनेश लाड़े, रेवाजी करहाटकरे, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, सरपंच खेमराज मच्छिरके, कोमल भगत, लिखेंद्र उपराड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अतिथियों तथा जनपद के अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर किया गया। वयोश्री योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत लांजी के 45 तथा किरनापुर जनपद पंचायत के 44 पात्र वरिष्ठ नागरिकों सहित कुल 89 हितग्राहियों को अतिथियों के कर-कमलों से व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र (हियरिंग एड), ट्राइपॉड स्टिक, नीब्रेसेस, लंबोसेक्रल बेल्ट आदि कुल 540 सहायक उपकरण वितरित किए गए। ये उपकरण वरिष्ठजनों के दैनिक जीवन को सरल एवं स्वावलंबी बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (सामाजिक न्याय विभाग) के राकेश चौरे ने बताया कि भारत सरकार की वयोश्री योजना तथा दिव्यांगजनों के लिए एडीआईपी योजना के तहत जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में पूरे जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पहचान एवं मूल्यांकन शिविर आयोजित कर शत-प्रतिशत दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों को चिन्हित कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। आज के शिविर में लांजी एवं किरनापुर जनपद के लगभग 92 पात्र हितग्राहियों को चिन्हित किया गया। शिविर का सफल आयोजन जनपद पंचायत लांजी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामगोपाल यादव के निर्देशन में हुआ। इस दौरान राकेश चौरे एवं उनकी जिला टीम, पंचायत इंस्पेक्टर लेखराज रामटेक्कर सहित जनपद पंचायत लांजी के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

माँ गायत्री शक्ति पीठ लांजी के सभा गृह में 8 को पंवार समाज की बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। माँ गायत्री शक्ति पीठ लांजी के सभागृह में आगामी 8 दिसंबर को दोपहर 1 बजे से जिला पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट एवं क्षत्रिय पंवार समाज संगठन लांजी के संयुक्त तत्वावधान में जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन, जिला पदाधिकारियों तपन चौधरी सहित लांजी समाज संगठन अध्यक्ष, एवं पदाधिकारियों की उपस्थिती में बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक का उद्देश्य नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों को दायित्व पत्र प्रदान किये जायेंगे। समाज संगठन में समयदान करने वाले ईच्छुक उत्साही साथियों को संगठन में दायित्व सौंपा जायेगा। लांजी ब्लॉक संगठन में क्षेत्रीय सामाजिक जनों की मंशानुसार ब्लॉक संगठन में बदलाव किया जायेगा। समाज जनों द्वारा प्रस्तुत अन्य प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया जायेगा। उक्त बैठक में समस्त सामाजिक जनों से उपस्थिती की अपील क्षत्रिय पंवार संगठन लांजी तथा क्षत्रिय पंवार युवा प्रकोष्ठ लांजी के द्वारा की गई है।

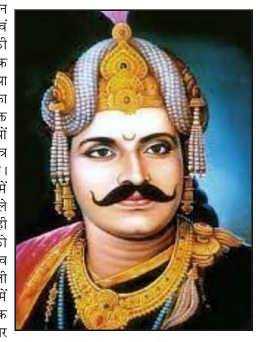

तीन साल से क्षतिग्रस्त पुल, सैकड़ों ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के ग्राम पंचायत केरेगांव और सेवती सिंगोला को जोड़ने वाला मुख्य पुल 15 अगस्त 2022 को आई भारी बारिश और बाढ़ में बह गया था। आज करीब साढ़े तीन साल बीत जाने के बावजूद इस पुल का पुनर्निर्माण नहीं हो सका है, जिससे पोवारीटोला, केरेगांव और आसपास के दर्जनों गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। यह मार्ग क्षेत्र का अति व्यस्त रास्ता है। स्कूल जाने वाले बच्चे, बाजार जाने वाले किसान, मरीज और अन्य लोग इसी पुल से गुजरते हैं। बारिश के दिनों में पुल पूरी तरह डूब जाता है या क्षतिग्रस्त हो जाता है, जिससे कई-कई दिन आवागमन ठप हो जाता है। ग्रामीणों को या तो लंबा चक्कर लगाना पड़ता है या जान जोखिम में डालकर पानी के तेज बहाव में गुजरना पड़ता है। ग्राम पंचायत केरेगांव के सरपंच प्रतिनिधि दीपक बिसने ने बताया कि पहले मनरेगा के तहत इस पुल के निर्माण की पूरी प्रशासकीय स्वीकृति और प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, लेकिन बाद में मनरेगा में मटेरियल खरीदी पर रोक लगने से काम रुक गया। पंचायत स्तर पर हर साल मुरूम और पाइप डालकर अस्थायी व्यवस्था की जाती है, लेकिन जैसे ही मानसून आता है, यह व्यवस्था भी बह जाती है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग को कई बार पत्र लिखे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि तीन-चार साल से लटके इस पुल का शीघ्र निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को स्थायी राहत मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द पुल नहीं बना तो आने वाली बारिश में फिर वही मुसीबत झेलनी पड़ेगी। लोग अब थक चुके हैं और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की गुहार लगा रहे हैं।

बहेला पुलिस ने गौ तस्करी के मामले में 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

7 नग भैंस बोदो को कत्लखाने जाने से बचाया

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस अनुभाग अन्तर्गत लगातार गौवंश तस्करी के मामले सामने आते रहते है। जहां गौवंश तस्करो के द्वारा लांजी सहित आस पास के थाना क्षेत्रो के अन्तर्गत ग्रामो से बड़ी मात्रा में गौवंशो की क्रुरता पूर्वक तस्करी कर कत्लखाने ले जाया जाता है। अनेको बार संबधित पुलिस थाना के द्वारा भी इन गौ वंश तस्करो पकड़कर कार्यवाही की गई है। उसके बावजूद भी इन गौवंश तस्करो के हौसले इतने बुलंद है कि ये अपना गौ वंश तस्करी का व्यापार छोडना नही चाहते। और बड़ी मात्रा में गौवंश तस्करी के मामले लिप्त नजर आते है। ऐसा ही एक मामला फिर प्रकश में आया है जहां लांजी पुलिस अनुभाग के बहेला थाना अन्तर्गत बहेला पुलिस ने कार्यवाही करते हुये 7 नग भैंस बोदो को कत्लखाने जाने से बचाया है तथा 4 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इस संबध में बहेला पुलिस के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा के द्वारा जिले मे चल रही अवैध गतिविधियों, अपराधों की रोकथाम तथा अवैध गौवंश तस्करी की रोकथाम पर प्रभावी कार्यवाही हेतु लगातार आदेशित किया जा रहा है। जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ला एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी ओमप्रकाश द्वारा भी लगातार निर्देशित किया जा रहा है। जिसके परिप्रेक्षय में 3 दिसंबर को गौवंश पशुओं को ले जाने की सूचना प्राप्त हुई थी सूचना पर ग्राम टिमकीटोला रिसेवाड़ा के जंगल के पास क्रुरता पूर्वक हांकते पीटते ले जाते हुये कुल 7 नग भैंस बोदा ले जाते पाये गये। आरोपी गण का कृत्य पशुओ के प्रति क्रुरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 का पाये जाने उपरोक्त धारा सद के तहत अपराध क्रमांक 75/25 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कृत्य में संलिप्त आरोपित गण अरबाज पिता जानी खान उम्र 19 वर्ष निवासी टिमकीटोला, रईस पिता ईमाम खान उम्र 25 वर्ष निवासी टिमकी टोला, सलीम पिता करीम खान उम्र 20 निवासी ग्राम टिमकीटोला, आशिक पिता नूरखान उम्र 19 वर्ष निवासी टिमकीटोला को 7 नग बोदा कीमत 1 लाख 40 हजार के साथ हिरासत में लिया जाकर उक्त धाराओ के तहत कार्यवाही की गई है। इस कार्यवाही में मुख्य रूप से कार्यवाहक सउनि रामसिंह नर्रे, संतोष मरकाम, सुरेश पांचे, जितेन्द्र सैन, आदर्श मिश्रा सहित अन्य पुलिस बल की सराहनीय भूमिका रही।

सर्वाधिक खरीदी करने वाले केंद्रो की प्रतिदिन जांच की जाए-कलेक्टर मीना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 04 दिसम्बर को जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी आरके ठाकुर, उपायुक्त सहाकारिता राजेश उइके, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के श्री पी जोशी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनिल किरार, वेयर हाउस के प्रबंधक श्री पटले एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिले में 185 केद्रो पर 01 दिसम्बर से धान की खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। 04 दिसम्बर की शाम तक जिले के 39 हजार 895 किसानों द्वारा धान विक्रय के लिए स्लॉट बुकिंग की गई है, इनमें से 3792 किसानों से 01 लाख 50 हजार 140 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 35 करोड़ 56 लाख 81 हजार 660 रुपए का भुगतान किया जाना है। किसानों से खरीदे गए 3120 क्विंटल धान का परिवहन कर गोदामों में पहुंचाया जा चुका है। इस वर्ष प्रथम चार दिनों में ही गत वर्ष की तुलना में 05 गुना अधिक धान की खरीदी की जा चुकी है। बैठक में कलेक्टर मीना ने निर्देशित किया कि जिले के जिन खरीदी केंद्रो पर अधिक मात्रा में धान की खरीदी हो रही है, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाए। ऐसे केंद्रो की प्रतिदिन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक एवं नागरिक आपूर्ति निगम की टीम द्वारा जांच की जाए। जिले के सभी खरीदी केंद्रो पर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी रखी जाए और सीसीटीवी कैमरे की फीड कंट्रोल रूम के साथ ही कलेक्टर चैम्बर के रूम में लाइव दिखायी जाए। किसानों से एफएक्यू गुणवत्ता की धान ही खरीदी जाए। कलेक्टर मीना ने सख्त निर्देश दिये कि कोई भी बिचौलिया या धान व्यापारी किसान के नाम पर अपनी धान विक्रय न कर पाए इसके पुख्ता इंतजाम किये जाए। किसी भी केंद्र में यदि कोई व्यापारी, बिचौलिया धान का विक्रय करते पाया जाए तो तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। जिले में बाहर की धान विक्रय के लिए न आने पाए इसके लिए सभी चेक पोस्टो पर कड़ाई से वाहनों की जांच करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि खरीदी केंद्रो पर किसानों से खरीदी गई धान का तेजी से उठाव किया जाए। उन्होंने नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी को निर्देशित किया कि खरीदी केंद्रो से धान के उठाव एवं परिवहन पर विशेष ध्यान दे।

जिले में 95.25 प्रतिशत गणना पत्रकों का हुआ डिजिटलाइजेशन

13 लाख 05 हजार 269 मतदाताओं के गणना पत्रकों का हुआ डिजिटलाइजेशन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (स्ढ्क्र 2026) कार्य में 04 दिसम्बर 2025 की शाम तक जिले में कुल 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं में से 13 लाख 05 हजार 269 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन पूरा कर लिया गया है। इस प्रकार बालाघाट जिले में मतदाताओं के 95.25 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाईजेशन किया जा चुका है।

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में बीएलओ की टीम शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के लिए तेजी से काम कर रही है। बालाघाट जिले के 1675 मतदान केन्द्रों के बीएलओ द्वारा किये जा रहे इस कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी एस धुर्वे एवं सभी एसडीएम व तहसीलदार गांव-गांव जाकर एसआईआर कार्य का सतत निरीक्षण कर रहे हैं ।

बालाघाट जिले में विधानसभा क्षेत्र लांजी में 96.43 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 52 हजार 714 मतदाताओं में से 02 लाख 43 हजार 697 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा परसवाड़ा क्षेत्र में 96.12 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 29 हजार 48 मतदाताओं में से 02 लाख 20 हजार 153 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। बैहर विधानसभा क्षेत्र में 95.63 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के किया गया है। बैहर विधानसभा में 02 लाख 37 हजार 371 मतदाताओं में से 02 लाख 26 हजार 993 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है।

विधानसभा क्षेत्र वारासिवनी में 95.55 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 07 हजार 152 मतदाताओं में से 01 लाख 97 हजार 936 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा क्षेत्र कटंगी में 94.91 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 05 हजार 828 मतदाताओं में से 01 लाख 95 हजार 345 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। बालाघाट विधानसभा क्षेत्र में 92.84 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 38 हजार 199 मतदाताओं में से 02 लाख 21

जिले के विद्यार्थियों के लिए बड़ी राहत-अब स्कूलों में ही बनेगा आधार कार्ड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में विद्यार्थियों को आधार कार्ड बनवाने और उसमें आवश्यक अपडेट कराने के लिए आधार केंद्रों पर लगने वाली भीड़ और होने वाली असुविधा को देखते हुए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने त्वरित संज्ञान लेते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब विद्यार्थियों को आधार केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और न ही भीड़ की समस्या से जूझना पड़ेगा। कलेक्टर श्री मीना ने बताया कि विद्यार्थियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने स्कूल स्तर पर ही आधार पंजीयन एवं अपडेशन कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत जिले के लगभग सभी विद्यालयों में 05 दिसंबर से आधार कैंप लगाया जाएगा। इन कैंपों में विद्यार्थियों के नए आधार कार्ड बनाए जाएंगे, साथ ही जिन छात्रों को अपने आधार में मोबाइल नंबर, पता, जन्मतिथि या अन्य जानकारी अपडेट करवानी है, उन्हें भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय प्राचार्यों को अपने-अपने स्कूलों में कैंप की व्यवस्था सुनिश्चित करने और विद्यार्थियों को समय से जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। इस निर्णय से जिले के हजारों विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी और आधार से संबंधित कार्य अब सुगमता और सुविधा के साथ स्कूल परिसर में ही संपन्न होंगे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मुआवजा राशि ऊंट के मुंह में जीरा- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिघार

पांच हजार करोड़ फसल क्षति का आकलन और मिले सिर्फ 200 करोड़ रुपये

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष नेता उमंग सिघार ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों को जो मुआवजा राशि दी है वह ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। उन्होंने कहा कि किसानों की पांच हजार करोड़ फसल क्षति का आकलन किया गया है और किसानों को मिले सिर्फ 200 करोड़ रुपये। यह प्रदेश के लाखों किसानों के साथ सरासर अन्याय है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार के जवाब से असंतुष्ठ होकर विपक्ष ने बहिर्गमन कर दिया। विधानसभा में यह मामला कांग्रेस विधायक कांग्रेस विधायक बाबू झंडेवाले ने उठाते हुए आरोप लगाया कि शिवपुरी जिले के किसानों को वादा किए गए 16 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजे का भुगतान अभी तक नहीं हुआ। इस पर राजस्व मंत्री ने जवाब दिया कि 200 करोड़ रुपये किसानों को दिए जा चुके हैं। मंत्री के उत्तर से असंतुष्ट नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि नुकसान का कुल आकलन 5 हजार करोड़ है, लेकिन सरकार ने सिर्फ 200 करोड़ रुपये दिए हैं। चर्चा में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि धान नुकसान का सरकारी रिकॉर्ड में उपलब्ध है और राशि का भुगतान उसी के हिसाब से किया जा चुका है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार की तुलना में वर्तमान सरकार किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक मुआवजा दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने से हमने किसानों को चार गुना ज्यादा मुआवजा राशि किसानों को दी है। कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने कहा कि ग्वालियर चंबल संभाग में अतिवृष्टि से फसल नुकसान पर झूठे जवाब दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ तीन किसानों की फसल को नुकसान होने की जानकारी दी जा रही है। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने झूठे जवाब देने की बात पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह आसंदी का अपमान है। यह बात सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह कही जा रही है। यह ठीक नहीं है। प्रश्न के उत्तर में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने जवाब दिया कि राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक का आपदा से फसल क्षति होने पर प्रभावितों को आर्थिक सहायता दिए जाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। मानदंड के अनुसार राहत राशि दी जाती है। यह कहना सही नही है कि किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने माना कि कुछ किसान अपवाद स्वरुप रह गए है जिनके खाते में मुआवजा राशि नहीं आई है, वह भी जल्द ही आ जाएगी। प्रदेश सरकार के जवाब से असंतुष्ठ होकर विपक्ष ने सदन की कार्यवाही से बहिर्गमन कर

बजट में पिछड़ा वर्ग के लिए कोई प्रावधान नहीं-बाला बच्चन

भोपाल। विधानसभा में बजट अनुमान मांगों में किए गए प्रावधानों का कड़ा विरोध करते हुए मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक बाला बच्चन ने कहा कि बजट में पिछड़ा वर्ग के लिए कोई प्रावधान नहीं है, अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों के लिए भी कोई राशि निर्धारित नहीं की गई है। प्रदेश सरकार को चेताते हुए बच्चन ने कहा कि 卐आप अभी से चेत जाइए, किसानों के मामलों का समाधान कीजिए, अन्यथा प्रदेश में हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। विधायक ने आरोप लगाया कि सरकार ने मक्का को न तो भावांतर योजना में शामिल किया और न ही उसका समर्थन मूल्य तय किया। उन्होंने कहा कि मेरा आग्रह है कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए पूंजीगत व्यय में एक रुपये भी नहीं रखा गया है। क्या अब उनके संस्थानों में कोई भी धनराशि नहीं लगेगी? उन्होंने चिकित्सा शिक्षा विभाग की

अव्यवस्थाओं को भी कटघरे में खड़ा किया। बच्चन ने कहा कि 卐सरकार ने लोकसभा समिति और चिकित्सा शिक्षा विभाग को तो मिला दिया, लेकिन उसकी हालत बदतर हो गई है। विधायक वाला बच्चन ने आगे कहा कि प्रदेश में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी, आपसे कोई बात छुपी नहीं है। स्वास्थ्य व्यवस्था बिल्कुल ठीक से नहीं चल रही है। छिंदवाड़ा में कफ सिरप प्लांट है, इंदौर में मरीजों की इलाज के अभाव में मौत हो जाती है, छिंदवाड़ा में बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें नागपुर ले जाना पड़ता है। यह आपकी स्वास्थ्य सेवाओं की लाचारी को दर्शाता है।

विजयपुर उपचुनाव विवाद

कांग्रेस विधायक के निर्वाचन शून्य करने के मामले में होगी सुनवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश विजयपुर विधानसभा उपचुनाव परिणाम से जुड़े विवाद मामले में 8 दिसम्बर को अहम सुनवाई ग्वालियर हाइकोर्ट में होने जा रही है। श्योपुर जिले के तत्कालीन कलेक्टर किशोर कान्याल और तत्कालीन एसडीएम मनोज गढ़वाल की 8 दिसंबर को हाईकोर्ट में गवाही होगी। पूर्व मंत्री रामनिवास रावत द्वारा विजयपुर से कांग्रेस विधायक मुकेश मलहोत्रा के निर्वाचन को शून्य घोषित करने को लेकर हाइकोर्ट में दायर चुनाव याचिका में यह गवाही होगी।

दरअसल साल 2024 के विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की ओर से मंत्री रामनिवास रावत और कांग्रेस की तरफ से मुकेश मल्होत्रा को प्रत्याशी बनाया गया था। चुनाव परिणाम घोषित हुए तो कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा को विजयपुर विधानसभा से विधायक निर्वाचित किया गया। हार के बाद पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने ग्वालियर हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा ने चुनावी नामांकन दाखिल करते समय अपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी छुपाई थी। इस मामले में क्रॉस एग्जामिनेशन के साथ ही सुनवाई हाई कोर्ट में जारी है। ऐसे में अब ग्वालियर हाई कोर्ट ने विजयपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर यानी की तत्कालीन कलेक्टर किशोर कान्याल और चुनाव अधिकारी तत्कालीन एसडीएम मनोज गढ़वाल को 8 दिसंबर को गवाही के लिए तलब किया है। इसके बाद न्यायालय की आगे की कार्रवाई तेज होगी।

किसानों को मुआवजे की मांग को लेकर विधानसभा में हंगामा, सीएम की हुई नोंक-झोंक

भोपाल। आज गुरुवार को मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन सदन में जमकर हंगामा हुआ। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने प्रश्नकाल के दौरान सरकार को घेरने की कोशिश करते हुए कहा कि घोषणा के मुताबिक किसानों को मुआवजा नहीं मिला है। इस पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कुछ आंकड़े रखते हुए कहा जहां पहले आपकी सरकार 3 हजार रुपए प्रति हेक्टयर मुआवजा देती थी वहीं आज हमारी सरकार 16 हजार रुपए प्रति हेक्टयेर किसानों को मुआवजा दे रही है।

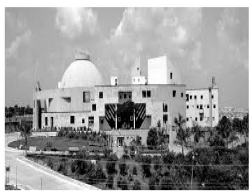

इस पर विधानसभा में नेताप्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आपत्ति उठाते हुए कहा कि 5 हजार करोड़ के नुकसान का आकलन हुआ है और अभी तक सिर्फ 200 करोड़ रुपए दिए गए है। इतना कहा ही था कि सत्ता पक्ष की तरफ से मंत्री विश्वास सारंग, कैलाश विजयवर्गीय और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सहित कई सदस्य खड़े हो गए। उधर विपक्ष से नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, भवंर सिंह शेखावत जैसे तमाम सदस्य खड़े हुए और दोनों तरफ से नारेबाजी होने लगी। सदन में हंगामा हुआ और विपक्षी के कुछ सदस्य आसंदी के पास आकर नारेबाजी करने लगे। इसी बीच मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बीच शोरगुल में नोंक-झोंक चलती रही जो हंगामे के कारण ठीक से सुनाई नहीं है। तभी कांग्रेस के तमाम सदस्यों ने सदन की कार्यवाही से वहिर्गमन कर बाहर नारेबाजी करने लगे।

दरअसल, कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने श्योपुर जिले के किसानों के खाते में राहत राशि नहीं डालने का मामला उठाया। जंडेल ने कहा कि किसानों के खाते में राशि नहीं पहुंची है और सरकार इस मामले में सही जवाब नहीं दे रही है। इस पर हंगामा शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि 16000 रुपए प्रति हेक्टेयर राहत राशि दी जानी थी, लेकिन किसानों के खाते में पैसा नहीं पहुंचा है। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा इस मामले में सही जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि कुछ खातों में राशि नहीं पहुंची है, जिसे जल्दी पहुंचाया जाएगा। इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि धान की उपज का आंकड़ा उपज मंडी में मौजूद है। जो नुकसान हुआ था उस नुकसान के कई गुना ज्यादा पैसा हमने दिलाया है। इस दौरान सदन में हंगामा होने लगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2003 में 3 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर राशि दी जाती थी। उसका 5 गुना राशि हमारी सरकार दे रही है।

झूठा नहीं, असत्य जवाब दिया, कहते हैं- विस अध्यक्ष

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरुवार को कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायक आतिफ आरिफ अकील को समझाईश देते हुए कहा कि झूठा जवाब दिया गया है नहीं कहते, इसे असत्य जवाब दिया गया है कहते हैं। इससे पूर्व विधायक आतिफ अकील ने गैस राहत अस्पतालों में मरीजों को इलाज में आ रही दिक्कतों की और सदन का ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि विभाग द्वारा भ्रामक, गलत एवं झूठी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। ऐसे लोगों पर कार्यवाहीं होना चाहिए, उन्होंने मामले में न्यायिक जांच करवाने की मांग भी की। विधायक को बीच में ही टोकते हुए आसंदी से समझाइश दी गई कि भाषा पर ध्यान दिया जाए। झूठी जानकारी नहीं, इसे असत्य जानकारी कहा जा सकता है। इसी बीच वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ही प्रश्नकर्ता विधायक के मरहूम पिताश्री आरिफ अकील को याद करते हुए कहा कि अच्छा प्रश्न पूछ रहे हैं, इनक पिताश्री आरिफ अकील जी भी ऐसे प्रश्न पूछा करते थे। प्रश्न के उत्तर में भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉक्टर कुंवर विजय शाह ने जानकारी दी कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के जमाने से वर्तमान में मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि मरीजों को आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ भी मिल रहा है। चिरायु अस्ताल में भी उनके इलाज की बेहतर व्यवस्था की जा रही है। इसके बावजूद भी अगर सदस्य को कोई समस्या है तो वे मुझस आकर चर्चा कर लेंगे, हम उनकी समस्या का समाधान कर देंगे।

तीन कांग्रेस विधायकों को एमपी-मएलए कोर्ट का नोटिस

भोपाल । विधानसभा सत्र के बीच एमपी-एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस के तीन विधायकों को नोटिस जारी कर दिया है। जिसमें नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल और लखन घनघोरिया शामिल हैं। ये कार्रवाई नेशनल हेल्थ मिशन के जिला प्रोग्राम (डीपीएम) विजय पांडे द्वारा दायर मानहानि केस के बाद की गई।

दरअसल, इन कांग्रेस नेताओं के द्वारा नेशनल हेल्थ मिशन के जिला प्रोग्राम मैनेजर विजय पांडे पर आरोप लगाया था कि उसने फर्जी मार्कशीट के जरिए नौकरी पाई है। इस मामले को लेकर अगस्त महीने में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी। साथ ही विधानसभा में हंगामा कर कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉक आउट ले लिया गया। जिसके बाद विजय पांडे को पद से हटा दिया गया था।

जब विभागीय जांच कराई गई तो माध्यमिक शिक्षा मंडल ने भी मॉर्कशीट को सही बताया।

बोर्ड का 10वीं-12वीं परीक्षा का परिणाम सुधारने पर जोर

भोपाल। मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं कक्षा की परीक्षाएं सात फरवरी से आयोजित की जाएंगी। इस बार स्कूल शिक्षा विभाग बोर्ड परीक्षा के परिणाम को बेहतर करने के लिए प्रयास कर रहा है। तिमाही, छमाही व प्री-बोर्ड परीक्षा के दौरान भी विशेष कक्षाएं लगाई जा रही हैं। इसके लिए स्कूलों के शिक्षकों व प्राचार्यों को लक्ष्य दिया गया है कि जिनके स्कूल का परिणाम 100 प्रतिशत आएगा। उन्हें राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

जिन स्कूलों का परिणाम पिछले साल 30 फीसद से कम आया है। उन्हें परिणाम बेहतर करने का लक्ष्य दिया गया है, ताकि सुधार किया जा सके। स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिले की समीक्षा बैठक लेकर लक्ष्य तय किया है। खराब परिणाम वाले स्कूलों के शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी।

बंदर बनकर विधानसभा पहुंचे कांग्रेस विधायक किया अनोखा प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस हर रोज अलग अलग तरीके से विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहा है। आज गुरुवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन विधायकों ने बंदर बनकर प्रदर्शन किया। सदन की कार्यवाही के बीच उस समय विधानसभा में मौजूद हर कोई हक्का-बक्का रह गया, जब सदन में कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक बंदर बनकर परिसर में दाखिल हुए। कोई उन्हें देखकर हंस रहा था तो कोई उनके संदेश की गंभीरता को भांप रहा था। सदन में इस अनोखे अंदाज में पहुंचने वाले कोई और नहीं, बल्कि छिंदवाड़ा की जुन्नारदेव सीट से विधायक सुनील उईके हैं। चेहरे पर मास्क लगाए, हाथ में पोस्टर लिए सदन परिसर में पहुंच गए, जो सरकारी की जनविरोधी नीतियों का हवाला देकर विरोध कर रहे थे। सदन की कार्यवाही से पहले विपक्ष में बैठे कांग्रेस विधायकों द्वारा ये प्रदर्शन किया गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेत्रत्व में हुए इस प्रदर्शन के माध्यम से विपक्ष ने सरकार को घेरा। खाद की कमी, किसानों की बदहाली और जनता की अनदेखी के खिलाफ इस अनोखे प्रदर्शन को देख हर कोई हैरान था। बंदर का मास्क लगाए विधायक सुनील उईके हाथ में नकली उस्तरा भी लिए थे। वहीं, प्रदर्शन कर रहे विपक्षी विधायक बंदर के हाथ में उस्तरा जैसी कहावत के नारे लगा रहे थे।

अब जनगणना के लिए भोपाल में तैयारी...मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे

31 दिसंबर के बाद नगरीय सीमा क्षेत्रों में बदलाव नहीं किया जा सकेगा

भोपाल । वर्ष 2027 में प्रस्तावित जनगणना की तैयारी को लेकर प्रदेश में प्रक्रियाएं तेज हो गई हैं। देश में लंबे समय से लंबित चल रही जनगणना प्रक्रिया अब दोबारा गति पकड़ने लगी है। अब निदेशालय ने नई जनगणना के लिए आधिकारिक निर्देश जारी करने शुरू कर दिए हैं। पहले चरण में मास्टर ट्रेनर्स के चयन और प्रशिक्षण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हर जिले से चयनित नाम भेजे जा रहे हैं। भोपाल की आबादी को देखते हुए ट्रेनेर के नाम भेजे जा रहे है। इनके प्रशिक्षण के बाद मकान गणना (हाउस लिस्टिंग) का चरण शुरू होगा। नई जनगणना 2027 में प्रस्तावित है, जिसमें जातिगत आधार पर डेटा संग्रह की संभावना भी देखी जा रही है।

देश में लंबे समय से लंबित चल रही जनगणना प्रक्रिया अब दोबारा गति पकड़ने लगी है। 10 साल में एक बार होने वाली राष्ट्रीय जनगणना वर्ष 2021 में कोरोना लॉकडाउन के कारण नहीं हो सकी थी, लेकिन अब केंद्र सरकार महा पंजीयक कार्यालय ने नई जनगणना के लिए आधिकारिक निर्देश जारी करने शुरू कर दिए हैं। पहले चरण में मास्टर ट्रेनर्स के चयन और प्रशिक्षण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हर जिले से चयनित नाम भेजे जा रहे हैं। जिनका प्रशिक्षण लगभग 6 माह तक चलेगा। इसके बाद मकान गणना (हाउस लिस्टिंग) का चरण शुरू होगा। नई जनगणना अब 2027 में प्रस्तावित है, जिसमें जातिगत आधार पर डेटा संग्रह की संभावना भी देखी जा रही है। विभाग के निर्देश है कि 31 दिसंबर तक नगरीय सीमा क्षेत्रों में आवश्यक वृद्धि, कमी या सुधार कर अंतिम प्रस्ताव भेज दें। निर्धारित तिथि के बाद सीमाएं ब्लॉक हो जाएंगी, जिनमें किसी तरह का परिवर्तन संभव नहीं होगा।

जनगणना के फायदे

विकास योजनाओं को सडक़, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सरकारी योजनाओं को सही आंकड़ों के आधार पर बनाया जाता है, वहीं कौन से क्षेत्रों में जनसंख्या बढ़ रही है, किस इलाके से पलायन अधिक हो रहा है, इसका स्पष्ट डेटा मिलता है, जिससे केंद्र व राज्य सरकार जिले और शहरों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार बजट देती है, वहीं सरकार को नई नीतियों के निर्धारण में जैसे रोजगार, महिलाओं, युवाओं, वृद्धजन, किसानों और गरीब तबके के लिए नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। लंबे समय से लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाएं तय करने में जनसंख्या के आंकड़े अहम भूमिका निभाएंगे, वहीं शहरी-ग्रामीण विकास की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। दोनों क्षेत्रों में सुविधाओं और समस्याओं की तुलना कर प्लानिग की जा सकेगी, वहीं सरकार की योजनाओं का सही तबके तक पहुंचाने का लक्ष्य भी पूरा होगा।

ब्लॉकों में बांटा जाएगा

जिलों को निर्देश जारी किए हैं कि 31 दिसंबर तक सीमाओं के अंतिम रूप से तय होने के बाद संबंधित क्षेत्रों को विभिन्न ब्लॉकों में वर्गीकृत किया जाएगा। इन्हीं ब्लॉकों के आधार पर प्रगणकों और सुपरवाइजरों की नियुक्ति होगी। इसके उपरांत प्रशिक्षण की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस बार जनगणना के कार्य में तकनीक का अधिक उपयोग किया जा रहा है। नियुक्त प्रगणकों को टेबलेट के माध्यम से ऑनलाइन डेटा संग्रह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। 2026 में ट्रेनिंग कराई जाएगी।

ऑनलाइन जानकारी स्वयं देने की तैयारी

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डिजिटल युग को देखते हुए अब जनगणना निदेशालय अब ऐसी प्रणाली लागू करने पर विचार कर रहा है, जिसमें नागरिक स्वयं भी मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। ऐप में परिवार की जानकारी भरने पर प्रगणक को डिजिटल पावती उपलब्ध होगी। मकान गणना के लिए भी इसी तरह की ऑनलाइन व्यवस्था अपनाने का प्रस्ताव है।

देश में छाए खजुराहो के स्टोन क्राफ्ट व छतरपुर के फर्नीचर

मध्य प्रदेश के 5 कलाओं को मिला जीआई टैग

भोपाल। मध्य प्रदेश की 5 शिल्प कलाओं को विशिष्ठ भौगोलिक उत्पत्ति और गुणों के कारण जीआई टैग का गौरव प्राप्त हुआ है। खजुराहो स्टोन क्राफ्ट, छतरपुर फर्नीचर, बैतूल भरेवा मेटल क्राफ्ट, ग्वालियर पत्थर शिल्प और ग्वालियर पेपर मैशे क्रॉफ्ट को केंद्र सरकार के आंतरिक व्यापार विभाग ने जीआई टैग दिया है। यह उपलब्धि मिलने के बाद इन उत्पाद और कलाओं की उपलब्धि और विशिष्टता देश-दुनिया तक प्रसारित होगी। जीआई टैग से इन शिल्प कलाओं में लगे कलाकारों के जीवन स्तर में भी व्यापक बदलाव आएगा।

मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा 1 वर्ष पहले ही इन सभी शिल्प कलाओं के जीआई का आवेदन खजुराहो स्टोन क्राफ्ट, बैतूल भरेवा मेटल क्राफ्ट, ग्वालियर पत्थर शिल्प और ग्वालियर पेपर मैशे के लिए नाबार्ड, मध्य प्रदेश ने और छतरपुर फर्नीचर के लिए सिडबी मध्य प्रदेश ने वित्तीय सहयोग प्रदान किया था। एमएसएमई विभाग मध्य प्रदेश के प्रयास से स्थानीय शिल्पियों की संबंधित संस्थाओं द्वारा यह सभी जीआई एप्लिकेशन पद्मश्री डॉ। रजनीकांत के तकनीकी सहयोग से भेजे गए थे। इस उपलब्धि को जीआई मैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रख्यात डॉ. रजनीकांत ने अत्यंत गर्व का पल बताया है।

25 अन्य उत्पादों को भी मिलेगा जीआई टैग

नवम्बर माह में ही पन्ना डायमंड को जीआई टैग प्राप्त हुआ है और लगभग 25 उत्पादों की जीआई मिलने की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। जल्द ही इन उत्पादों को भी जीआई टैग मिलने की संभावना है। मध्य प्रदेश की 5 बहुत ही प्राचीन शिल्प कला को जीआई टैग के द्वारा भारत की बौद्धिक संपदा अधिकार में शुमार होने का गौरव प्राप्त होने पर एमएसएमई मंत्री चौतन्य कुमार काश्यप ने सभी शिल्पकारों को बधाई दी है। उनका कहना है कि जीआई रजिस्ट्री चेन्नई के वेबसाइट पर इन उत्पादों को रजिस्ट्रेशन मिलने से इन शिल्प कलाओं और कलाकारों में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे।

जीआई टैग मिलने पर मुख्यमंत्री ने दी को बधाई

मध्य प्रदेश के 5 स्थानीय शिल्प को जीआई टैग मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बधाई दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि इससे हमारी विरासत को वैश्विक पहचान मिलेगी। यह हमारे शिल्पकारों की अद्भुत सृजनशीलता और कौशल को समर्पित सम्मान है। प्रदेश की कला, संस्कृति और शिल्प विश्व पटल पर और अधिक गौरव प्राप्त करे। इस कार्य में लगे सभी बंधुओं को हृदय से बधाई।

डुप्लीकेट उत्पाद रोकने में मिलती है मदद

जीआई टैग का मतलब होता है जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग। यह टैग संबंधित उत्पाद और कलाओं को उस क्षेत्र के भौगोलिक क्षेत्र से जोडक़र पहचान देता है। जिस उत्पाद को जीआई टैग मिलता है, उसके नकली उत्पाद बनने से रोका जा सकता है। इससे भौगोलिक क्षेत्र के किसान, उत्पादक या शिल्पकारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है।

24 घंटे सुरक्षा में रहने वाले विधानसभा परिसर में चंदन पेड़ काटा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं। एक दिसंबर से शुरू हुए सत्र के बीच विधानसभा की पार्किंग से चंदन के पेड़ काटे जाने का मामला सामने आया है। सत्र के चौथे दिन जब अधिकारी व कर्मचारी परिसर पहुंचे तो पार्किंग में लगे चंदन के पेड़ों में से एक पेड़ पूरी तरह कटा हुआ मिला। इसके अलावा परिसर में लगे दो अन्य चंदन के पेड़ों पर भी आरी चलाकर काटने की कोशिश की गई थी। हालांकि वे कट नहीं सके, लेकिन आरी चलने से तने पर गहरे निशान पड़े हैं और पेड़ को गंभीर नुकसान हुआ है। विधानसभा परिसर में यह घटना सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी चूक मानी जा रही है, क्योंकि पेड़ों की कटाई सत्र के दौरान हुई है, जब परिसर में सुरक्षा आम दिनों की तुलना में कहीं अधिक होती है। इससे पहले भोपाल में डीएफओ ऑफिस के बाहर से चंदन के पेड़ कटे थे।

फिलहाल इस मामले में संबंधित अधिकारियों द्वारा जांच की तैयारी की जा रही है, साथ ही पेड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्तियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जाने की उम्मीद है। मामले के सामने आने के बाद वन विभाग व प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग उठ रही है। विधानसभा में साल के 365 दिन और चौबीसों घंटे हाई सिक्योरिटी रहती है। विधानसभा सत्र के दौरान इसे और बढ़ा दिया जाता है, इसके बाद भी चंदन के पेड़ कटने से विधानसभा की सुरक्षा कटघरे में है। परिसर में हमेशा जवान तैनात रहते हैं। इतना ही नहीं, चप्पे-चप्पे की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।

पेड़ काटने की घटना पर पूर्व गृहमंत्री वाला बच्चन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार पूरी तरह से सत्ता के नशे में मदहोश है। जब चंदन के पेड़ों की सुरक्षा विधानसभा में नहीं हो सकती है, यहीं कटाई हो जा सकती है तो समझ सकते हैं सरकार कितनी गहरी नींद में सोई है।

ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर की बढ़ी मुश्किलें...

ऋतुराज ने शतक जड़कर भारतीय टीम में नंबर-4 पर मजूबत दावेदारी पेश की

रांची,एजेंसी। ऋतुराज गायकवाड़ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रायपुर में खेले गए दूसरे वनडे में शतक जड़कर भारतीय टीम में नंबर 4 पर मजबूत दावा पेश किया।

ऋतुराज गायकवाड़ की वनडे टीम में दो साल बाद वापसी हुई थी। उन्होंने महज 77 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। जो उनका का वनडे में ये पहला शतक रहा। गायकवाड़ ने इसके साथ ही साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरी सबसे तेज वनडे सेंचुरी बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। साउथ अफ्रीकी टीम के खिलाफ सबसे तेज वनडे शतक का रिकॉर्ड यूसुफ पठान के नाम है, जिन्होंने 2011 में सेंचुरियन में 68 गेंदों में सेंचुरी बनाई थी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए जब टीम का ऐलान हुआ था तो इस बात पर सस्पेंस था कि आखिरकार ऋतुराज गायकवाड़ किस पोजीशन पर खेलेंगे। पहले वनडे में गायकवाड़ कुछ खास नहीं कर सके और 8 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन रांची में उन्होंने 83 गेंदों पर 105 रनों की पारी खेली।

नंबर-4 की पोजीशन पर लंबे समय से श्रेयस अय्यर भारत के लिए वनडे में खेल रहे है। वैसे ऋषभ पंत भी इस पोजीशन पर खेलने के लिए बतौर बैटर दावेदार है, लेकिन अब पंत और चोटिल श्रेयस के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। विशाखापट्टनम में होने वाले मुकाबले में गायकवाड़ का खेलना तय है, अगर भारत रायपुर में मुकाबला जीतता और सीरीज में 2-0 की बढ़त लेता तो पंत को मौका मिल सकता था। वहीं गायकवाड़ ने यदि तीसरे वनडे में भी शानदार पारी खेली तो श्रेयस के लिए मुसीबत हो सकती है।

श्रेयस अय्यर नंबर-4 पर भारत के सबसे सफल बल्लेबाज

1 जनवरी 2024 से लेकर दिसंबर 2025 के बीच नंबर 4 पोजीशन पर भारत के सबसे सफल वनडे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर हैं। उन्होंने 11 मैचों की 10 पारियों में 496 रन 49.60 के एवरेज और 89.53 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। पंत ने 1 मैच में 6, वॉशिंगटन सुंदर ने 1 मैच में 5, शिवम दुबे ने 1 मैच में 0 रन बनाए हैं। वहीं गायकवाड़ के नाम 2 मुकाबलों में नंबर 4 पोजीशन पर 113 रन हो गए हैं। रायपुर वनडे में कोहली (102) और ऋतुराज के बीच 195 रनों की साझेदारी हुई। जिसकी बदौलत भारत ने बनाए 358/5 रन बनाए. लेकिन साउथ अफ्रीका ने एडेन मार्करम के शतक (102) और मैथ्यू ब्रीट्जके (68), डेवाल्ड ब्रेविस (54), टेम्बा बावुमा (48) की पारियों की बदौलत 4 विकेट से जीत दर्ज कर तरह में सीरीज भी 1-1 से बराबर की। अब दोनों टीम के बीच सीरीज का निर्णायक मुकाबला 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगा।

हार के बाद केएल राहुल बोले- हमेशा कुछ चीजें होती हैं जिन्हें हम बेहतर कर सकते हैं...

भारतीय कप्तान केएल राहुल ने रायपुर वनडे में द. अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद कहा, इस रिजल्ट को निगलना ज्यादा मुश्किल नहीं है क्योंकि काफी ओस थी और दूसरी पारी में बॉलिंग करना वाकई कठिन था। अंपायरों ने कई बार गेंद बदली, जो अच्छी बात है लेकिन फिर भी टॉस बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। मैं लगातार दो टॉस हारने पर खुद को कोस रहा हूं। हमेशा कुछ चीजें होती हैं जिन्हें हम बेहतर कर सकते थे। मुझे पता है कि 350 अच्छा स्कोर लगता है लेकिन पिछले मैच के बाद भी ड्रेसिंग रूम में यही बात हो रही थी कि हम 20-25 रन कैसे और बना सकते हैं, ताकि बॉलर्स को गीली बॉल से बॉलिंग करते समय कुछ सहारा मिल सके। बॉलर्स पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन अभी भी सुधार की गुंजाइश है। हमने फील्ड में कुछ आसान रन भी दिए। अगर हम गेम के तीनों पहलुओं को ठीक कर सकें और थोड़े और शार्प हो सकें तो शायद वे 20-25 रन हमारे पक्ष में आ सकते हैं। कप्तान ने ऋतुराज और विराट पर कहा, दोनों को बैटिंग करते देखना शानदार था। विराट को हमने 53 बार ऐसा करते देखा है। वह अपना काम करते रहते हैं, हमें यह देखने की आदत है।

रोहित, विराट पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये - एमएस के प्रसाद

मुम्बई। चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एमएस के प्रसाद ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये। प्रसाद ने ये बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उसे निर्देश को लेकर कही है जिसमें बोर्ड ने केन्द्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने का अनिवार्य बनाया है। केवल फिट नहीं होने पर ही खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट से बाहर रहने की अनुमति दी गयी है। ऐसे में माना जा रहा है कि विराट और रोहित आने वाले समय में विजय हज़ारे ट्रॉफी खेलते हुए दिख सकते हैं। वहीं प्रसाद का मानना है कि बोर्ड को इन सीनियर खिलाड़ियों पर घरेलू मैच खेलने का दबाव नहीं डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोहित और कोहली न सिर्फ टीम के अनुभवी खिलाड़ी हैं बल्कि युवा खिलाड़ियों से कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

वहीं बोर्ड का मानना है सभी अनुबंधित खिलाड़ी अवसर मिलने पर घरेलू क्रिकेट खेलें, जिससे उनकी फिटनेस के साथ ही लय भी बनी रहेगी। इसी के बाद दिल्ली जिला क्रिकेट संघ ने कहा था कि विराट आगामी विजय हज़ारे ट्रॉफी में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा उसने रोहित के भी मुम्बई की ओर से मैदान पर उतरने की उम्मीद जतायी। इस नियम का उद्देश्य घरेलू स्तर पर स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी बढ़ाना है, जिससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा और अनुभव मिल सके।वहीं प्रसाद ने वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को आगाह किया है कि कोहली और रोहित जैसे बड़े खिलाड़ियों पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव न बनाया जाए। साथ ही कहा कि इससे उनपर मानसिक दबाव पड़ेगा। रेलू क्रिकेट खेलना अच्छा है, लेकिन इसे जबरदस्ती की तरह पेश नहीं करना चाहिए। प्रसाद ने कहा कि अपने कार्यकाल में उन्होंने कभी भी तब के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए मजबूर नहीं किया। उन्होंने कहा, यह अच्छा होगा अगर वे घरेलू क्रिकेट खेलें, क्योंकि इससे स्टेट टीमों के युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि यह मामला न उठाया जाए।

2026 फीफा विश्वकप के सफल आयोजन के लिए प्रयास कर रहे - गिउलिआनी

वाशिंगटन। 2026 फीफा वर्ल्ड कप को लेकर अमेरिका में जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। विश्व कप के लिए बनाये गये व्हाइट हाउस टास्क फोर्स के कार्यकारी निदेशक एंड्रयू गिउलिआनी ने कहा है कि ये विश्वकप सबसे सुरक्षित और यादगार रहेगा। गिउलिआनी के अनुसार इसके लिए सभी प्रकार के इंतजाम किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका फुटबॉल के इस सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें आने वाले लाखों प्रशंसकों को एक सुरक्षित और आरामदेह माहौल उपलब्ध कराया जाएगा। गिउलिआनी ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए निर्देश दिये हैं जिन्हें पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित किया जाये कि देश में एक सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार विश्व कप का आयोजन हो। 2026 के टूर्नामेंट को लेकर गिउलिआनी ने कहा कि विश्व कप अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के साथ ही होगा, जिसमें 4 जुलाई, 2026 को फिलाडेल्फिया में एक मैच होना है। उन्होंने कहा, यह हमें अमेरिका का सबसे अच्छा रूप दिखाने का अवसर देता है, जिसमें हमारी मेहमाननवाजी और हमारा इनोवेशन तो है ही, साथ ही ये उस अमेरिकी भावना को भी दिखाता है जिस पर हमें बहुत गर्व है।

विराट ने लगाये हैं एकदिवसीय में सबसे अधिक बैक टु बैक शतक

रायपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरे एकदिवसीय में शतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। विराट ने रांची में हुए पहले एकदिवसीय में भी शतक लगाया था। = एकदिवीस में सबसे ज्यादा बार बैक टु बैक शतकों की बात होगी तो विराट सबसे आगे हैं और कोई अन्य खिलाड़ी उनके करीब नहीं है। आसपास भी कोई दूसरा बैटर नहीं है। विराट कोहली ने अपने एकदिवसीय करियर में 11वीं बार बैक टु बैक शतक लगाया है। इस मामले में विश्व का कोई दूसरा क्रिकेटर उनके करीब भी नहीं है। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स हैं। उन्होंने 6 बार लगातार शतक लगाये हैं।

लैथम 6,000 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रिकेटरों के क्लब में शामिल

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे पहले टेस्ट में शतक लगाने के दौरान ही अपने 6000 रन पूरे कर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही लैथम टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पांचवें बल्लेबाज बन गये हैं। लैथम ने दूसरी पारी में 250 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 145 रन बनाये। इस दौरान ही 142वां रन बनाते के साथ ही उनके टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन पूरे किये। लैथम ने अपने करियर के 89 टेस्ट मैचों की 160 पारियों में 14 शतक और 31 अर्धशतक लगाने के साथ ही 38.98 की औसत से 6,003 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 264 रन रहा है।

अब तक न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रनों का रिकार्ड पूर्व कप्तान केन विलियमसन के नाम हैं। विलियमसन ने 106 टेस्ट मैचों की 188 पारियों में 33 शतक और 38 अर्धशतक लगाकर 9,337 रन बनाए हैं।दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान रॉस टेलर हैं। टेलर ने 2007 से 2022 के बीच 112 टेस्ट में 19 शतक और 35 अर्धशतक की मदद से 7,683 रन बनाए हैं।स्टीफन फ्लेमिंग तीसरे स्थान पर हैं। पूर्व कप्तान ने 1994 से 2008 के बीच 9 शतक और 46 अर्धशतक की मदद से 7,172 रन बनाए। चौथे स्थान पर पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैंडन मैक्कुलम हैं। मैक्कुलम ने 2004 से 2016 के बीच 101 टेस्ट मैचों की 176 पारियों में 12 शतक और 31 अर्धशतक लगाते हुए 6,453 रन बनाए।

एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी के क्वार्टर फाइनल मैच आज होगा भारत और बेल्जियम का मुकाबला

चेन्नई। भारतीय टीम शुक्रवार को एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल मैच में बेल्जियम का सामना करेगी। भारतीय टीम ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे वह इसमें बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये मैच आसान नहीं होगा। भारतीय टीम ने चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में जब बनायी है। । भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए है और ये टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सबसे अधिक हैं। भारत ने अंतिम बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था और अब उसका लक्ष्य एक और जीत हासिल करना रहेगा। अब तक भारतीय टीम का सामना कमजोर टीमों से हुआ है पर अब उसे नॉकआउट मुकाबलों में मजबूत टीमों से खेलना है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारतीय टीम हावी रही और उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, भारतीय टीम को बेल्जियम पर जीत दर्ज करनी है तो उसे पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदलने होंगे। अभी तक भारतीय टीम इसमें कमजोर रही है।

भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया जो उन्हें आगे भी बनाये रखना होगा। कोच श्रीजेश का कहना है कि पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर हमें अतिउत्साहत में नहीं आना है और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार रहना है। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत जरूरी है। बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची है पर भारतीय टीम के लिए उसे कम आंकना भूल होगी। बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सबसे अधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। कोच ने कहा, 'जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। इनमें किसी भी टीम से आसानी से नहीं जीता जा सकता है। टूर्नामेंट की असली शुरुआत तो अब होगी और कोई भी गलती भारी पड़ सकती है।

हार्दिक के कारण मुश्ताक अली ट्रॉफी का बड़ौदा-गुजरात मैच स्थानांतरित

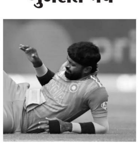

मुम्बई। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को देखने उमड़ रही भीड़ के कारण आयोजकों ने बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट ट्रॉफी के मैच को हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि बड़ौदा की ओर से खेल रहे हार्दिक को देखने के लिए टीम होटल, अभ्यास स्थल और टिकट काउंटरों के बाहर भारी तादाद में प्रशंसक आते जा रहे थे। ये संख्या सामान्य घरेलू मैचों की तुलना में कहीं अधिक थी जिसके कारण सुरक्षा संबंधी दिक्कतें आ रही थीं।

एक आयोजक ने कहा, हार्दिक के प्रति प्रशंसकों में दिवानगी है। प्रशंसकों की संख्या हमारी उम्मीद से कहीं ज्यादा थी। ऐसे में सुरक्षित और सुचारू आयोजन तय करने के लिए, मैच को राजीव गांधी स्टेडियम में स्थानांतरित किया गया। इस स्टेडियम में आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल मैच होते हैं। इसमें बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और उच्च क्षमता के कारण एकदम उमड़ी भीड़ को संभाला जा सकता है।

बीसीसीसीआई की नाराजगी को देखते हुए विजय हजार ट्रॉफी में खेलने को तैयार हुए विराट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह दिल्ली की ओर से आगामी विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने को तैयार है। माना जा रहा है कि विराट ने ये फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में लिया है। इसका कारण है कि बोर्ड पहले एकदिवसीय के बाद उनके दिये बयान से नाराज था जिसको देखते हुए विराट को 15 साल के बाद इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा है।वहीं पहले वह इसमें खेलने को तैयार नहीं थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई विराट के सार्वजनिक रूप से दिखे उस बयान से नाराज थी। उसके बाद ही उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया।विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला 24 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेलेगी।

कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की मैच विजेता पारी खेलने के बाद कहा था कि मैं कभी भी बहुत ज्यादा तैयारी में भरोसा नहीं करता। मेरा पूरा क्रिकेट मानसिक है। जब तक मैं मानसिक रूप से मजबूत महसूस करता हूं तो मैं खेल सकता हूं। उन्होंने कहा, 'मैंने 300 एकदिवसीय मैच खेल लेते हैं और 15-16 साल में काफी अधिक क्रिकेट खेला है। इसको देखते हुए मेरा मानना है कि अगर आप नेट में बिना कोई ब्रेक लिए डेढ़, दो घंटे खेल सकते हैं तब आप हर जरूरत को पूरी कर रहे हैं।'कोहली के इसी बयान से बीसीसीआई भड़की हुई थी। उसने इससे पहले इन दोनो को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी ताकि ये दोनो भारत की ओर से एकदिवसीय प्रारुप खेलने के लिए तैयार रहें। वहीं रोहित ने पहले ही कहा दिया था कि वह मुंबई की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के लिए तैयार हैं।

जडेजा की धीमी बल्लेबाजी से हारे - इरफान पठान

रायपुर। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की हार का कारण अनुभवी बल्लेबाज रविन्द्र जडेजा की धीमी बल्लेबाजी रही है। भारतीय टीम ने इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 359 रनों का लक्ष्य दिया था पर इसके बाद भी वह इसे बचा नहीं पायी। पठान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका ने 39 से 49 ओवरों के बीच कसी हुई गेंदबाजी की, जिससे भारतीय टीम 370 तक नहीं पहुंच पायी। इरफान के अनुसार 15 से 20 रन और बनते तो शायद परिणाम अलग होता। उन्होंने कहा कि जडेजा ने धीमी बल्लेबाजी की है। जडेजा ने सातवें नंबर पर आने के बाद 27 गेंदों में केवल 24 रन बनाए। उन्होंने कप्तान केएल राहुल के साथ छठे विकेट के लिए 54 गेंदों में 69 रन बनाये थे।

इरफान ने कहा, राहुल ने अच्छा फिनिश किया। उन्होंने एक और कप्तानी पारी खेली। उनका अच्छा फिनिश करना जरूरी थी, अगर वो नहीं होता तो इतने रन भी भारत के नहीं बनते। मेरे हिसाब से जो जडेजा की पारी ठीक नहीं थी। उन्होंने 27 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। भारतीय टीम के अधिकतर बल्लेबाजों ने 100 के स्ट्राइक रेट से ज्यादा बनाये पर जडेजा ने 88 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। जिस प्रकार के वह बल्लेबाज हैं उसमें ये आंकड़ा सही नहीं है। जडेजा का रवैया आक्रामक नहीं रहा। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने शुरु में संभलकर खेलने के बाद आक्रामक रुख दिखाया। दक्षिण अफ्रीका ने 49.2 ओवर में ही 359 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने 110 जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके ने 68 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 54 रन बनाये।

राहुल ने टॉस को बताया हार के लिए जिम्मेदार

रायपुर। भारतीय क्रिकेट टीम की मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के दूसरे एकदिवसीय में 358 रन बनाने के बाद हुई हार के लिए कप्तान के एल राहुल ने टॉस हारने को कारण बताया है। राहुल ने कहा , इस परिणाम को पचाना ज्यादा कठिन नहीं हैं क्योंकि रात के समय काफी ओस रहती है जिससे गेंदबाजी में काफी परेशानी आती है। अंपायरों ने कई बार गेंद बदली जिसके बाद भी गेंदबाजी आसान नहीं थी। मैं लगातार दो टॉस हारने पर निराश हूं हालांक कुछ चीजें होती हैं जिन्हें हम बेहतर कर सकते थे पर कर नहीं पाये। मुझे पता है कि 350 अच्छा स्कोर लगता है हालांकि पिछले मैच के बाद भी ड्रेसिंग रूम में यही हो रही थी कि किस प्रकार हम 20 से 25 रन कैसे और बना सकते थे जिससे गेंदबाजों को गीली गेंद से गेंदबाजी करते समय स्कोर का बचाव करने में आसानी हो। गेंदबाजों ने पूरा प्रयास किया लेकिन इसके बाद भी सुधार की जरूरत है। हमने मैदान में कुछ आसान रन भी दिए जो भारी पड़ गये। अगर हम गेम के तीनों पहलुओं को देखें तो थोड़े और बेहतर हो सकते थे। शायद उन 20-25 रनों से हमें लाभ होता।

राहुल ने ऋतुराज गायकवाड़ और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा, ऋतुराज को बल्लेबाजी करते हुए देखना काफी अच्छा अनुभव था। विराट को हमने 53 बार ऐसा करते देखा है। वह अपना काम करते रहते हैं, हमें यह देखने की आदत है। वहीं ऋतुराज जिस तरह से बल्लेबाजी की। उसकी जितनी तारीफ करें कम है। उसने स्पिनरों का बेहतर तरीके से सामना किया और फील्डरों के बीच में से गेंद निकाली। उसने अर्धशतक बनाने के बाद जबरदस्त तेजी दिखायी और उसी से हमें 20 रन ज्यादा मिले। अगर निचला क्रम और रन बनाता तो हम और बेहतर हालत में होते। राहुल ने अपने बल्लेबाजी क्रम पर कहा, आज पहली बार मुझे छह नंबर पर रखा गया हालांकि मैं नंबर-5 पर बल्लेबाजी करने आया।

जीत के बाद बोले बावुमा, भारतीय टीम के खिलाफ खेलना बेहद कठिन

रायपुर। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान तैंबू बावुमा ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में मिली रिकार्ड जीत पर खुशी जतायी है।

बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के कठिन लक्ष्य को भी हासिल कर लिया। यह एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करते हुए विदेशी धरती पर किसी भी टीम की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत है।

बावुमा ने दूसरा एकदिवसीय चार विकेट से जीतने के बाद कहा, मुझे खुशी है कि हमने जीत की दहलीज पार कर ली। इस मैच में आते हुए हमारा ध्यान था कि गेंदबाजी कैसे बेहतर की जा सके। वहीं बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया। एडेन मार्करम और मैथ्यू ब्रीट्जके के अलावा कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा खेल दिखाया। फिनिशिंग भी अच्छी रही। यह प्रकार से ये कठिन लक्ष्य हासिल किया गया। उससे साफ है कि भारतीय टीम के खिलाफ खेलना कितना मुश्किल है। हमें आगे भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की जरूरत होगी। जब मैं क्रीज पर आया तो एडेन गेंद को खेल रहा था। मैं उसके साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहा था। कप्तान ने साथ ही कहा, इस मैच से हमें बहुत आत्मविश्वास मिला है। एक अच्छी सीरीज तैयार हुई है। मुझे लगता है कि जो लोग यहां हैं, वे हमारे अच्छे खिलाड़ी हैं। हर स्थान के लिए कड़ी टक्कर थी।

नक्सल प्रभावित डाबरी–कादला सड़क का कार्य शुरू करने के आदेश

कलेक्टर ने की ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं सहायक यंत्रियों की बैठक लेकर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक–1 के कार्यपालन यंत्री एम.के.एक्का, जनपद पंचायतों के सीईओ एवं जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

डाबरी एवं कादला सड़क का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीना ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग द्वारा एससीएई योजना के अंतर्गत डाबरी सड़क एवं कादला सड़क का कार्य मार्च 2025 में प्रशासकीय स्वीकृति दिये जाने के बाद भी अब तक प्रारंभ नही करने पर नाराजगी जाहिर की और कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के लिए वन विभाग की अनुमति लेने के साथ ही शीघ्र इस कार्य को प्रारंभ करें। 31 मार्च तक इस कार्य की राशि का उपयोग नही होने पर यह राशि लेप्स हो जाएगी। यदि यह कार्य 31 मार्च तक पूर्ण नही किया जाएगा तो कार्यपालन यंत्री के विरूद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि जिन पंचायतों में डीएमएफ की राशि से कार्य स्वीकृत किये गए है उन कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराए।

दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किये जाए

बैठक में आजीविका मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान जिला परियोजना प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि मुद्रा योजना में अधिक से अधिक प्रकरण तैयार कर महिलाओं एवं उनके समूहों को ऋण दिलाया जाए। रोजगार मेलों का आयोजन कर दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिये गए। इसके लिए आरसेटी से समन्वय कर दिव्यांगजनों के समूहों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं स्वरोजगार गतिविधियॉ संचालित करने कहा गया। सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया गया कि संबल योजना में अनुग्रह सहायता राशि के प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करें। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत शालाओं में दिये जाने वाले मध्यान्ह भोजन का नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गए। बैठक में समग्र ईकेवायसी की भी समीक्षा की गई।

मनरेगा के कार्य पूर्ण करने में बालाघाट जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर

बैठक में मनरेगा के कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्ष 2025–26 में मनरेगा के अंतर्गत जिले में 86.41 लाख मानव दिवसो का रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य के विरूद्ध 52.25 लाख मानव दिवसों का रोजगार सृजित किया जा चुका है। मनरेगा के अंतर्गत पूर्व वर्षो के मिलाकर जिले में 04 लाख 48 हजार 639 कार्य स्वीकृत किये गए है, इनमें से 04 लाख 21 हजार 185 कार्य पूर्ण कर लिए गए है और 26 हजार 786 कार्य प्रगति पर है। मनरेगा के कार्य पूर्ण करने में बालाघाट जिला प्रदेश में द्वितीय स्थान पर है। मनरेगा के 10 हजार 428 कार्यों की पूर्णता प्रमाण पत्र जारी किये जा चुके है। मनरेगा के अंतर्गत जिले में जल संचय एवं जनभागीदारी से 4473 कार्य प्रगति पर है। मनरेगा के अंतर्गत जिले में 06 लाख 61 हजार 457 जॉब कार्ड धारक पंजीकृत है, इनमें से 05 लाख 91 हजार 232 जॉब कार्ड धारको की आधार सीडिंग एवं 01 लाख 80 हजार 268 जॉब कार्ड धारको की ईकेवायसी की जा चुकी है।

एक बगिया मॉ के नाम योजना में फेंसिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

बैठक में बताया गया कि प्रदेश शासन की एक बगिया मॉ के नाम योजना के अंतर्गत जिले में 374 हितग्राहियों द्वारा पौधारोपण किया गया है। इनमें से 104 पौधारोपण के कार्यों की फेंसिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैठक में जनपद पंचायतों के सहायक यंत्रियों को निर्देशित किया गया कि एक बगिया मॉ के नाम योजना में फेंसिंग के लिए सामग्री के बिल शीघ्र प्रस्तुत करें और उसका भुगतान कराए। जनपद पंचायत बैहर में वर्ष 2023–24 के पुराने कार्यों के सामग्री के बिल नही लगाए जाने पर नाराजगी जाहिर की गई।

गढ़ी में पीएम जनमन आवास शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्ष 2016–17 से 2021–22 तक जिले में कुल 01 लाख 43 हजार 588 आवासों के निर्माण का लक्ष ?य दिया गया था, इनमें से 01 लाख 38 हजार 726 आवास पूर्ण कर लिए गए है और राज्य स्तर पर रैंकिंग में बालाघाट जिला चौथे स्थान पर है। आवास प्लस वर्ष 2021–22 के अंतर्गत जिले में 19 हजार 829 आवास स्वीकृत किये गए है, इनमें से 18 हजार 708 आवास पूर्ण कर लिए गए है। पीएम जनमन अभियान के अंतर्गत 4188 आवास निर्माण का लक्ष्य दिया गया है, इसके विरूद्ध 3025 आवास पूर्ण कर लिए गए है। जनपद पंचायत बैहर द्वारा जनमन अभियान के अंतर्गत गढ़ी में आवास निर्माण के लिए भूमि चिन्हित नही करने और आवास का कार्य शुरू नही करने पर नाराजगी जाहिर की गई और जनपद सीईओ को सख्त निर्देश दिये गए कि एक सप्ताह के भीतर आवास का कार्य प्रारंभ करें।

सहायक शिक्षक विनोद कुमार बोरकर के सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिवार ने दी स्नेहिल विदाई

पद्मेश न्यूज।किरनापुर। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरनापुर मे पदस्थ सहायक शिक्षक(विज्ञान) विनोद कुमार बोरकर को उनकी अर्धवार्षिकी सेवा आयु पूर्ण करने पर विद्यालय परिवार द्वारा भावभीनी स्नेहिल विदाई दी गई। बताए किग्राम कनेरी निवासी श्री विनोद कुमार बोरकर द्वारा इसी विद्यालय से अपनी शिक्षा ग्रहण की थी तथा इसी विद्यालय मे अपनी सेवाएं देते हुए अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन किया। उनके बिदाई समारोह कार्यक्रम मे विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओ ने बारी बारी से तिलक वंदन कर पुष्प गुच्छ एवं पुष्प मालाएं पहनाकर सेवानिवृत्ति पर बधाई देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना कर उपहार भेंट किए। तथा भविष्य में समय समय पर सदैव उनसे विद्यालय में आवश्यक कार्यों हेतु मार्गदर्शन प्रदान किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की। विनोद कुमार बोरकर के सेवानिवृत्त बिदाई समारोह कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्राचार्य अनिता तारन, सुरेन्द्र चित्रिव, धनराज पट्टावी सर, श्रीवाश ,सतेंद्र तिवारी,मस्करें सर ,सियाराम पांचे सर, पुष्पा खैरवार मैडम,सोफिया खान,एवं समस्त स्टॉफ शासकीय उत्कृष्ट विद्यालाय किरनापुर के छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा का आयोजन

कटंगी और तिरोड़ी कॉलेज में हुई प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। कटंगी। एचआईवी एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने, इससे जुड़े कलंक को मिटाने और इसके इलाज को बेहतर बनाने के प्रयासों के लिए हर साल 01 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। बालाघाट जिले में एड्स के प्रति आमजन और खासतौर से युवाओं में जागरूकता लाने के लिए विश्व एड्स दिवस पखवाड़े का आयोजन 01 दिसंबर से 15 दिसंबर तक किया गया है। जिसके चलते वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय तिरोड़ी, शासकीय सीनियर कन्या छात्रावास तिरोड़ी और राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में विविध प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम किए गए। आईसीटीसी परामर्शदाता चन्द्रदीप साहू ने बताया कि रेड रिबन क्लब और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आईसीटीसी के द्वारा कॉलेजों में एड्स जागरूकता पर रंगोली, भाषण, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्न मंच का आयोजन करवाया गया। जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। जिला एड्स नियंत्रण इकाई बालाघाट के निर्देश खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज दुबे के मार्गदर्शन में यह आयोजन हुए हैं। जहां विद्यार्थियों को एचआईवी एड्स के लक्षण, कारण, यौन रोग, रेड क्लब के महत्व और 1097 निशुल्क हेल्पलाइन नंबर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया कि एड्स व्यक्ति के इम्यून सिस्टम को इतना कमजोर कर देता है कि मामूली से इन्फेक्शन से लड़ने में भी शरीर असमर्थ हो जाता है। इसके कारण इन्फेक्शन बढ़ता जाता है और अंत में व्यक्ति की मौत हो जाती है। इसलिए एड्स की रोकथाम और बचाव बेहद जरूरी है। गुरूवार 04 दिसंबर को नगर के अरिहंत इंग्लिश स्कूल में भी जागरूकता के लिए विविध आयोजन किए गए।

तिरोड़ी में डॉक्टर बनवारी मीणा, महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य पवन सोनी, डॉ नितेश उके, डॉ कुलदीप लाखेरा, डॉ नैनावती धरने, योगेश सोनने, अभिनेश सपनातकर, छात्रावास अधीक्षिका निशा मौर्य की प्रमुख उपस्थिती में प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन करवाया गया। जिसमें दीक्षा बंसोड़, दीक्षा कोकोडे और आंचल उईके ने क्रमश पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। पोस्टर प्रतियोगिता में अंजली रोटेले ने पहला, खुशी नाथ ने दूसरा और हसरत शेख ने रंगोली में बाजी मारी।

गोविंद प्रसाद पटले का पक्के मकान का सपना हुआ साकार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के नगरीय क्षेत्र कटंगी के वार्ड नंबर–12 छतेरा में रहने वाले गोविंद प्रसाद पटले लंबे समय से अपने परिवार के साथ एक मिट्टी के कच्चे मकान में जीवन बिता रहे थे। बरसात के मौसम में भीगती छत, टूटती दीवारें और चारों तरफ असुरक्षा ये सब उनके परिवार की रोजमर्रा की चिंता बन गई थीं। पक्का घर बनाने का सपना तो था, लेकिन आर्थिक स्थिति इसकी अनुमति नहीं देती थी। जीवन की जरूरतों को पूरा करना ही मुश्किल था, ऐसे में घर बनाना उनके लिए एक दूर की उम्मीद था। लेकिन फिर उनके जीवन में एक नई किरण लेकर आई प्रधानमंत्री आवास योजना।

सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना ने गोविंद प्रसाद के वर्षों पुराने सपने को साकार करने का अवसर दिया। इस योजना के तहत उसे तीन किश्तों में 2 लाख 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। बाकी बची जरूरत उन्होंने अपनी थोड़ी–सी जमा पूंजी जोड़कर पूरी की। धीरे–धीरे निर्माण शुरू हुआ, और देखते ही देखते उनके सामने सीमेंट–कांक्रीट का एक मजबूत, सुंदर और पक्का मकान खड़ा हो गया, वह घर, जिसकी कल्पना उन्होंने कभी सिर्फ सपनों में की थी। आज गोविंद प्रसाद अपने नए घर में परिवार सहित खुशी से रह रहे हैं। अब न बारिश का डर है, न टूटती दीवारों की चिंता। घर में कदम रखते ही उन्हें सुकून, सुरक्षा और आत्मविश्वास का एहसास होता है।

गोविंद का कहना है कि 卐अब अपने घर में रहना बहुत अच्छा लगता है। पहले बरसात में डर लगता था कि दीवारें गिर जाएंगी या छत टपक जाएगी, लेकिन अब पक्का मकान होने से मन को बड़ी राहत मिलती है। गोविंद प्रसाद पटले की यह कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि यह प्रमाण है कि सरकारी योजनाएँ जब सही व्यक्ति तक पहुँचती हैं, तो वे जीवन बदलने की शक्ति रखती हैं। यह कहानी आशा, प्रयास और बदलाव की मिसाल बनकर सामने आई है।

जिले में 05 से 12 दिसंबर तक मनाया जाएगा सीएम हेल्पलाइन (181) सप्ताह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संचालनालय, नगरीय विकास एवं आवास विभाग मध्यप्रदेश भोपाल से प्राप्त निर्देशों के अनुसार जिले के सभी नगरीय निकायों में 05 दिसंबर से 12 दिसंबर 2025 तक सीएम हेल्पलाइन (181) सप्ताह मनाया जाएगा। इस विशेष सप्ताह का उद्देश्य नागरिकों की लंबित शिकायतों का पूरी संतुष्टि के साथ योजनाबद्ध निराकरण करना है।

संयुक्त कलेक्टर एवं शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी श्री राहुल नायक ने बताया कि इस अवधि में जिले के सभी नगरीय निकायों में व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जाएगा, ताकि संबंधित शिकायतकर्ता स्वयं निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर अपनी शिकायतों का समाधान प्राप्त कर सकें। परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नगर निकायों में वार्डवार कैंप भी लगाए जाएंगे, जहां अधिकारियों की मौजूदगी में शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा।

मोटरसाइकिल पेड़ से टकराई –एक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर थाना अंतर्गत गढ़ी रोड पर एक फोर व्हीलर को साइड देते समय मोटरसाइकिल पेड़ से टकरा गई। इस स ?क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति मनोज पिता किशनलाल मरकाम 35 वर्ष ग्राम कुकर्रा थाना गढ़ी निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज मरकाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है। जिसके परिवार में माता–पिता के अलावा पत्नी और बच्चे हैं। बताया गया है कि मनोज का ससुराल ग्राम सिंगबाघ बैहर का है। जिसकी पत्नी इन दिनों अपने मायके सिंगबाघ बैहर में थी। 3 दिसंबर को मनोज मरकाम अपनी पत्नी को लेने के लिए मोटरसाइकिल में अपने ससुराल सिंगबाघ बैहर जा रहा था। तभी बैहर रोड पर स्थित एक ढाबा के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही फोर व्हीलर को साइड देते समय मनोज मरकाम की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रोड किनारे पेड़ से टकरा गई ।मोटरसाइकिल पेड़ से टकराने से मनोज मरकाम का दाहिना पैर फैक्कर हो गया। दुर्घटना में घायल मनोज मरकाम को 108 एम्बुलेंस से बैहर के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

आबकारी विभाग की छापामार कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन मे अवैध शराब के विरुद्ध बालाघाट आबकारी विभाग की कार्यवाही जारी है। 04 दिसम्बर को आबकारी विभाग की टीम द्वारा धनसुआ के जंगल में छापामार कार्यवाही कर 84 हजार 500 रुपए का महुआ लाहन एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है। आबकारी वृत बालाघाट की टीम द्वारा ग्राम धनसुआ के जंगल में मदिरा का अवैध रुप से निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय कर रहे लोगों के विरुद्ध छापामार कार्यवाही की गई है। इस कार्यवाही में नाला किनारे अलग अलग स्थानों पर मटकों एवं डिब्बो में भरा हुआ लगभग 845 किलो लाहन जब्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 04 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गये है, जब्त महुआ लाहन का सेम्पल लेकर शेष लाहन मौके पर नष्ट किया गया। जब्त सामग्री का बाजार मूल्य 84 हजार 500 रुपये है। इस कार्यवाही मे वृत प्रभारी, उपनिरीक्षक रमाकांत बघेल, आरक्षक सुरेंद्र गजभिए, आरिफ खान विशाल, धुर्वे उपस्थित रहे।

संलग्न फोटो क्रमांक– 11 से 14

दो दिवसीय बैंकिंग वित्तीय साक्षरता शिविर का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी मे प्राचार्य श्री के.एल. हिवारे के निर्देशन एवं स्वामी विवेकानंद कॅरिअर मार्गदर्शन योजना कार्यक्रम अधिकारी श्री रोहित कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन मे 04 दिसम्बर को दो दिवसीय बैंकिंग वित्तीय साक्षरता शिविर का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य श्री हिवारे ने विद्यार्थियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के महत्व एवं वित्तीय जागरूकता पर प्रेरक उद्बोधन प्रदान किया। इसके साथ ही विशेष अधिकारी एवं बैंक प्रतिनिधि विकास खंड समन्वयक खैरलांजी राहुल भगत ने योजनाओं की संरचना, पात्रता व लाभों पर सरल व महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। केनरा बैंक खैरलांजी के श्री महेश लिल्हारे ने बीमा योजनाओं की प्रक्रिया, डिजिटल बैंकिंग, व पेंशन योजनाओं के महत्व को विस्तृत रूप से समझाया। वहीं बैंक सुपरवाइज़र श्री नीलेश ने योजना मॉनिटरिंग, दावा प्रक्रिया एवं सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार पर दिशा–निर्देश प्रदान किए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बालाघाट की प्रमुख भूमिका रहीं।

शिविर के प्रथम दिन रिकॉर्ड संख्या में छात्रों ने पंजीयन कराया। विद्यार्थियों ने लाइव बीमा रजिस्ट्रेशन किया। छात्राओं ने अटल पेंशन योजना में विशेष उत्साह दिखाया। डिजिटल बैंकिंग और सुरक्षा प्रक्रियाओं को भी व्यावहारिक रूप से सीखा गया। छात्र छात्राओं का कहना था कि हमें पहली बार योजनाओं की पूरी जानकारी सरल और स्पष्ट रूप में मिली। यह हमारे भविष्य के लिए बहुत जरूरी था। यह शिविर विद्यार्थियों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित हुआ है।

बूढ़ी में युवक को लकड़ी से मारापीटा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 13 बूढ़ी में एक युवक को लकड़ी से मारपीट कर घायल कर दिया गया। मारपीट में घायल युवक सुमित उर्फ सोनू पिता मंगल सिंह उइके 25 वर्ष वार्ड नंबर 13 बूढ़ी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमित उर्फ सोनू मजदूरी करता है। 3 दिसंबर की रात्रि 10ः00 बजे सुमित उत्सव मेडिकल से अपने घर जा रहा था ।तभी गायत्री स्कूल के पास शैलेंद्र बाजनघाटे किसी को गालियां दे रहा था। सुमित ने उसे बोला कि क्या हो गया है। तभी शैलेंद्र ने सुमित को गालियां देने लगा। सुमित ने शैलेंद्र को गालियां देने से मना किया। तभी शैलेंद्र आवेश में आकर सुमित को लकड़ी से मारपीट कर दिया। लकड़ी का वार सर में लगने से सुमित घायल हो गया था। जिसका सर फट गया था । सुमित घायल हालत में अपने घर पहुंचा और घटना के संबंध में अपने परिवार वालों को बताया। इसके बाद सुमित को उसके परिवार वालों ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये है।

हट्टा से पटेल टोला तक बनी डामरीकृत पक्की सड़क ने बदली तस्वीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर विकासखंड के ग्राम हट्टा से पटेल टोला तक अब ग्रामीणों को बेहतर सड़क सुविधा मिल रही है। जिला खनिज निधि से प्राप्त 97 लाख 34 हजार रुपये की राशि से 1.20 किलोमीटर लंबी गिट्टी डामर की पक्की सड़क का निर्माण किया गया है, जिसने तीन बस्तियों पटेल टोला, नीम टोला और सिवनीकला के ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया है।

कई वर्षों से कच्ची सड़क के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सामान्य दिनों में भी आवागमन कठिन था, जबकि बारिश के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते थे। कीचड़ से लबालब भरे गड्ढों से होकर लोगों को गुजरना पड़ता था, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं, मरीजों और किसानों की आवाजाही बेहद प्रभावित होती थी। नई सड़क बनने के बाद अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। डामर सड़क से ग्रामीणों को सुविधाजनक, सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध हो गया है। स्कूल, बाजार, अस्पताल और अन्य जरूरतों के लिए अब यात्रा आसान हो गई है। परिवहन साधनों की आवाजाही भी सुचारू रूप से होने लगी है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क का निर्माण उनके लिए लंबे समय से प्रतीक्षित था। आज सड़क पूरी होने पर उन्हें राहत और संतोष की अनुभूति हो रही है। यह सड़क न केवल तीन बस्तियों को जोड़ेगी, बल्कि आने वाले समय में विकास की नई संभावनाएं भी खोलेगी। इस सड़क का निर्माण ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा किया गया है। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक–02 के कार्यपालन यंत्री श्री मनोज धुर्वे ने बताया कि ग्रामीणों के लिए यह परियोजना एक बड़ी सौगात साबित हुई है, जिसने उनके दैनिक जीवन में स्थायी सकारात्मक बदलाव लाया है।

रैन बसेरा में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत 04 दिसंबर को नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा संचालित आश्रय स्थल (रैन बसेरा) में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुल 26 हितग्राहियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई।

इस स्वास्थ्य शिविर में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बी.डी. कतरोलिया, कार्यालय अधीक्षक, एनयूएलएम स्टाफ, रैन बसेरा में ठहरने वाले हितग्राही एवं आश्रय स्थल में पौधों के संचालन–संधारण का कार्य करने वाले अमृत मित्र स्व–सहायता समूह के सदस्यों की भी जांच की गई। इस दौरान चिकित्सा टीम द्वारा शुगर टेस्ट, ब्लड प्रेशर, ईएनटी जांच तथा अन्य सामान्य बीमारियों की विस्तृत जांच की गई। इस शिविर का उद्देश्य आश्रय स्थल में रहने वाले सभी व्यक्तियों को स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराना एवं उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना रहा। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर जन–हित एवं सामाजिक कल्याण की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

न्यूज गैलरी

जंगली सूअर के हमले में महिला घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बाहकल में जंगली सूअर के हमले में एक महिला घायल हो गई। घायल महिला सूर्यकांता पति नोहरसिंह राणा 45 वर्ष ग्राम बाहकल निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूर्यकांता घरेलू काम के अलावा अपने परिवार के साथ खेती किसानी भी करती

है। जिनका खेत घर से ही कुछ दूरी पर है और इन दिनों खेत खलिहान में धान मिसाई का काम किया जा रहा है। 4 दिसंबर को 12:00 करीब सूर्यकांता अपने खेत के खलियान में अकेले पैरा समेट रही थी तभी नदी तरफ से एक जंगली सूअर दौड़ते आया और सूर्यकांता पर हमला करते हुए उसके दाहिने हाथ की कलाई को जबड़े में पकड़ लिया। सूर्यकांत के चिल्लाने पर तुरंत परिवार के लोग दौड़े तब कही जंगली सूअर वहां से भाग गया । जंगली सूअर के हमले में घर सूर्यकांता को कटंगी के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट पर किया गया है।

घर में घुसकर महिला के साथ अनाचार कर फरार आरोपी गिरफ्तार

न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया बैहर जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की गढ़ी पुलिस ने एक महिला के साथ उसके घर में घुसकर दुष्कर्म करने के बाद फरार आरोपी को उस समय गिरफ्तार कर लिया

जब वह अपने घर से भागने की फिराक में था। गिरफ्तार आरोपी अर्जुन पिता हरि सिंह कुसरे 38 वर्ष थाना गढ़ी निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह 38 वर्षीय महिला अपने परिवार के साथ खेती किसानी और घरेलू काम करती है। जिसके परिवार में सास, पति और दो बच्चे है। बताया गया है कि अर्जुन कुसरे इस महिला का रिश्तेदार है। 31 नवंबर को सुबह यह महिला अपने परिवार सहित अर्जुन कुसरे के खेत में धान की मिसाई करने के लिए गए थे। दोपहर का खाना अर्जुन कुसरे के खेत में बन रहा था। दोपहर 12:00 बजे यह महिला नहाने के लिए खेत से घर आ गई थी ।बाकी सभी लोग खेत में ही थे। महिला नहाने के बाद घर में आराम कर रही थी ।तभी 3:00 बजे करीब अर्जुन कुसरे घर के अंदर आया और अर्जुन कुसरे ने इस महिला को घर मे अकेली देखा और उसने इस महिला के साथ जबरदस्ती बलात्कार किया ।इसी दौरान इस महिला का पति आ गया था। जिसे देखकर अर्जुन कुसरे वहा से फरार हो गया। यह महिला पति के चिल्लाने पर डर गई थी और घर छोड़कर गांव में किसी व्यक्ति के घर चली गई थी। 2 दिसंबर को यह महिला हिम्मत करके घर आई और अपने पति को घटना के संबंध में बताई और 2 दिसम्बर को यह महिला अपने पति के साथ रिपोर्ट करने के लिए थाने गढ़ी पहुची। गढ़ी पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर अर्जुन कुसरे के विरुद्ध घर में घुसकर इस महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किए। घटना के बाद अर्जुन कुसरे फरार हो गया था। जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी। 3 दिसंबर की शाम को सूचना मिली कि अर्जुन कुसरे अपने घर आया हुआ है और वह अपने घर से भागने की फिराक में है। सूचना मिलते ही गढ़ी थाना प्रभारी भूपेंद्रसिह पन्द्रों ने अपने स्टाफ के सहायक उप निरीक्षक लखन कटरे आरक्षक नागेंद्र पांडे और आरक्षक मोहित साथ घेराबंदी करते हुए अर्जुन कुसरे को उसके घर में ही दबोच लिये। जिसे थाना लाकर पूछताछ और अन्य कार्रवाई की गई। इस मामले में अर्जुन कुसरे को गिरफ्तार करने के बाद 4 दिसंबर को उसे बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।

तीन बरस में केवल वैनगंगा पुल के पिलर खड़े हुए

2023 में शुरू हुआ था कार्य, 2026 की तय डेडलाइन को मात्र 6 महीने शेष

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट से जागपुर घाट पर वैनगंगा नदी पर बन रहा उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा से काफी पीछे चल रहा है। लोक निर्माण विभाग सेतु विभाग द्वारा वर्ष 2023 में इस पुल का काम शुरू कराया गया था और इसे वर्ष 2026 तक पूरी तरह तैयार होना था। लेकिन वर्तमान स्थिति देखें तो पुल निर्माण की रफ्तार बेहद धीमी नजर आ रही है। अभी तक केवल पुल के पिलर ही खड़े हो पाए हैं, जबकि अंतिम तिथि अब मात्र छह महीने दूर है। निर्माण स्थल की मौजूदा हालत को देखकर स्पष्ट रूप से लगता है कि निर्धारित अवधि में पुल का कार्य पूरा होना मुश्किल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पुल के निर्माण में हो रही देरी से न सिर्फ यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि क्षेत्र के विकास कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।

शहर में इन दिनों अलग-अलग मार्गों पर तीन से चार ओवरब्रिजों का निर्माण कार्य जारी है। इनमें सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहा ओवरब्रिज अब शुरू कर दिया गया है और आवागमन भी चालू हो गया है। अभी केवल कुछ छोटे-मोटे कार्य शेष हैं। इसके विपरीत गर्रा रेलवे क्रॉसिंग, भटेरा रेलवे क्रॉसिंग और जागपुर मोक्षधाम मार्ग पर ओवरब्रिज निर्माण की गति बेहद धीमी है। विशेष रूप से भटेरा ओवरब्रिज और जागपुर-बालाघाट मार्ग पर वैनगंगा नदी के ऊपर बन रहा उच्च स्तरीय ब्रिज अपनी तय समय-सीमा से काफी पीछे चल रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित किए जा रहे इस वैनगंगा नदी पुल की कुल लंबाई लगभग 400 मीटर है। इसके निर्माण का काम नई दिल्ली स्थित एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को दिया गया था। विभाग ने कार्यारंभ तिथि 29 जून 2023 और पूर्णता तिथि 28 जून 2026 निर्धारित की थी। लेकिन वास्तविक प्रगति चिंताजनक है। जागपुर घाट स्थित पुल पर अभी तक केवल पिलर ही खड़े हुए हैं, जबकि आधे से अधिक कार्य बाकी है। ऐसे में महज 6 महीने में इस ब्रिज का पूरा होना लगभग असंभव प्रतीत होता है। जिस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को यह कार्य सौंपा गया था, उसने निर्माण कार्य बंद कर दिया है। विभाग अब इस परियोजना को किसी अन्य कंपनी को सौंपने पर विचार कर रहा है। इस प्रक्रिया में समय लगना तय है, जिसके चलते आम जन का कहना है कि यह पुल आगामी वर्षों में भी पूर्ण नहीं हो पाएगा। इसके बावजूद विभागीय स्तर पर जारी डेडलाइन में दावा किया गया है कि कार्य छह महीने में पूरा कर लिया जाएगा, लेकिन जमीनी हालात इस दावे का समर्थन नहीं करते। स्थानीय लोगों में निर्माण में हो रही देरी को लेकर नाराज़गी बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि इन ओवरब्रिजों के देर से शुरू होने के कारण यातायात पर बोझ और परेशानी बढ़ रही है ।

निर्माण कंपनी को नोटिस जारी कर दिया गया हैं - अर्जुन सिंह

इस पूरे मामले को लेकर जब हमारे द्वारा निर्माण कार्य देख रहे लोक निर्माण विभाग के एसडीओ अर्जुन सिंह से दूरभाष पर चर्चा की गई, तो उन्होंने भी माना कि वैनगंगा नदी पर बन रहा ओवरब्रिज निर्धारित गति से काफी पीछे चल रहा है। निश्चय ही ब्रिज का निर्माण कार्य बहुत धीमा चल रहा है। संबंधित निर्माण कंपनी लगातार देर से काम कर रही है। इस लापरवाही को देखते हुए विभाग की ओर से कंपनी को नोटिस जारी किया गया है। हालांकि, तय शर्तों के अनुसार कंपनी के पास अभी भी लगभग 6 महीने का समय शेष है, इसलिए इस अवधि से पहले विभाग सीधे कठोर कार्रवाई नहीं कर सकता। उन्होंने आगे बताया कि यदि कंपनी तय समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने में विफल रहती है, तो विभाग द्वारा ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके साथ ही, पुल के शेष निर्माण कार्य के लिए नया टेंडर जारी कर दूसरी कंपनी को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि वे निर्माण की प्रगति पर निरंतर नजर रख रहे हैं, लेकिन यदि कंपनी अपनी कार्य गति नहीं बढ़ाती, तो आने वाले महीनों में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई तय है।

कंजई घाटी में स्कॉर्पियो वाहन खाई में पलटी

दो महिला सहित तीन लोग घायल, ग्वालियर से छत्तीसगढ़ जा रहा था परिवार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। थानांतर्गत सिवनी रोड पर स्थित कंजई घाटी में एक स्कॉर्पियो कार रो? किनारे खाई में पलटने से इस कार में सवार दो महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। 4 दिसंबर को 12:00 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह कार सिवनी से बालाघाट की ओर आ रही थी। सभी घायलों को लालबर्रा के अस्पताल में भर्ती किया गया। सभी को यहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। इस सड़क दुर्घटना में अत्यधिक चोट लगने से दो घायल महिला माधुरी पति भूरेलाल शर्मा 40 वर्ष दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़ और ममता पति महावीर प्रसाद मिश्रा 45 वर्ष कांकेर छत्तीसगढ़ निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। वही इस दुर्घटना में ममता मिश्रा के पति महावीर प्रसाद पिता राम भरोसे मिश्रा 50 वर्ष को मामूली चोट आई है। इस कार में बच्चों सहित अन्य लोग भी सवार थे। जिन्हें कोई क्षति नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के कांकेर निवासी महावीर प्रसाद मिश्रा अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ स्कॉर्पियो कार में ग्वालियर अपने रिश्तेदारी में शादी में शामिल होने के लिए गए थे। शादी में शामिल होने के बाद 3 दिसंबर की रात्रि 9:00 बजे करीब महावीर प्रसाद मिश्रा अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ स्कॉर्पियो क्लासिक कार में ग्वालियर से कांकेर छत्तीसगढ़ जाने के लिए निकले थे। इस कार में बच्चों सहित 8 लोग सवार थे। ग्वालियर से निकलते समय इन लोगों ने रास्ते में पढ़ने वाले शहरों में रेस्ट भी किये थे। 4

दिसंबर को 10 बजे करीब महावीर प्रसाद मिश्रा अपने परिवार हजारों के साथ कार में सिवनी पहुंचे थे। सिवनी में कुछ देर रुकने के बाद वे सिवनी से बालाघाट आ रहे थे। इस दौरान कार को महावीर प्रसाद मिश्रा चला रहे थे। 12:00 बजे करीब कंजई घाटी पार करते समय एक वाहन को साइड देने के दौरान कार अनियंत्रित होकर रोड किनारे खाई में पलट गई। इस कार में अंदर बैठे लोगों की ची? चिल्लाने की आवाज सुनकर रोड के आने जाने वाले मौके पर पहुंचे और सभी को बाहर निकले ।हालांकि इस दुर्घटना में माधुरी शर्मा, ममता मिश्रा और महावीर प्रसाद मिश्रा घायल हो गए। जबकि अन्य लोगों को इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार की क्षति नहीं हुई। सभी को 108 एंबुलेंस से लालबर्रा के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया जहां पर अत्यधिक चोट लगने से घायल उक्त दोनों महिला माधुरी शर्मा और ममता मिश्रा को को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरुनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट